■ तेजस्वी प्रणः हर परिवार में सरकारी नौकरी, वक्फ कानून पर रोक का वादा
- 7

■ एमसीएक्स में तकनीकी खराबी से 4 घंटे देर से खुला बाजार जांच शुरू
- 10

■ पूर्वी एशिया में शांति, स्थिरता ओर आर्थिक समृद्धि को देंगे बढ़ावा
- 11

■ पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला : नई ऊर्जा और रणनीति के साथ खेलेगा भारत
- 12

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
19.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.22
सूर्यास्त 05.30

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार
बरेली

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष सप्तमी 9:23 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082
बुधवार, 29 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 339, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

आंध्र में तट से टकराया चक्रवात मोंथा, तूफान में तब्दील

- मछलीपट्टनम और काकीनाडा से देर रात टकराया, एनडीआरएफ की 45 टीमें तैनात
- चक्रवात से लाखों लोग प्रभावित, 120 ट्रेन और 52 फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली/अमरावती, एजेंसी

प्रचंड चक्रवाती तूफान मोंथा मंगलवार देर रात आंध्र प्रदेश के तट से टकरा गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार देर शाम सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने आधिकारिक हैंडल पर किए एक पोस्ट में कहा कि तूफान की नवीनतम स्थिति के मुताबिक इसके तट से टकराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

चक्रवाती तूफान के प्रभाव से समुद्र में लहरों की भारी उथल-पुथल जारी है।

आंध्र प्रदेश : चक्रवात मोंथा के कारण कृष्णा जिले के मंगिनापुडी तट पर समुद्र में मची उथल-पुथल।

आईएमडी के मुताबिक कुछ घंटों में यह मौसम प्रणाली एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को पार करेगी, जिसमें अधिकतम 90 से 100 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलेगी और यह गति 110 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। वहीं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने चक्रवात 'मोंथा' के मद्देनजर राहत और बचाव कार्यों के लिए बचाव कर्मियों की 45 टीम तैनात की हैं। यह चक्रवात मुख्य रूप से तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा को प्रभावित करेगा तथा इसके कारण झारखंड और तमिलनाडु में भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

एनडीआरएफ ने मंगलवार सुबह बताया कि इनमें से 25 दलों को विभिन्न राज्यों में पहले से तैनात किया गया है, जबकि शेष को 'बैकअप' के रूप में रखा गया है। आंध्र प्रदेश में 10 टीम, ओडिशा में छह, तमिलनाडु और तेलंगाना में तीन-तीन, छत्तीसगढ़ में दो और पुडुचेरी में एक टीम तैनात की गई है। थाई भाषा में मोंथा का अर्थ सुगंधित फूल होता है। चक्रवात के कारण 4 राज्यों से लाखों लोग प्रभावित हुए, साथ ही 120 ट्रेन और 52 फ्लाइट कैंसिल की गईं।

ओडिशा में भारी बारिश से भूस्खलन, जनजीवन प्रभावित, 2,000 से अधिक आपदा केंद्र खोले

भुवनेश्वर। ओडिशा के तटीय और दक्षिणी जिलों में भीषण चक्रवाती तूफान 'मोंथा' की वजह से मंगलवार को भारी बारिश होने से भूस्खलन हुआ, घरों को नुकसान पहुंचा और कई जगह पेड़ भी उखड़ गए। दक्षिणी ओडिशा के आठ जिलों मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति, गंजम, कंधमाल, कालाहांडी और नवरंगपुर से नुकसान की प्रारंभिक खबरें प्राप्त हुई है। हालांकि, क्षेत्र के कुल 15 जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है।

गजपति जिले के अनाका ग्राम पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पास की पहाड़ियों से बड़े-बड़े पत्थर गिरे, जिससे पांच गांवों की सड़कें अवरुद्ध हो गईं। विशेष राहत आयुक्त कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया, चक्रवात के राज्य से गुजरने के बाद विभिन्न जिलों से हुए नुकसान की रिपोर्ट संकलित की जाएगी। ओडिशा के दक्षिणी जिलों में 2,000 से अधिक आपदा राहत केंद्र खोले गए हैं। मुख्यमंत्री

ओडिशा में भूस्खलन से गजपति जिले के मार्ग पर फैला मलबा।

ने कहा कि एनडीआरएफ, ओडीआरएए) और अग्निशमन सेवा के कर्मियों वाली 153 बचाव टीमें (6,000 से ज्यादा कर्मी) संवेदनशील स्थानों पर तैनात हैं।

ब्रीफ न्यूज

प्रशांत किशोर का नाम दो राज्यों की मतदाता सूची में दर्ज, विवाद

पटना/कोलकाता। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर मंगलवार को उस समय विवादों में घिर गए जब यह सामने आया कि वह कथित तौर पर अपने गृह राज्य बिहार के साथ ही पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में भी मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। पश्चिम बंगाल में एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार पश्चिम बंगाल में मतदाता के रूप में पंजीकृत किशोर का पता 121, कालीघाट रोड के रूप में दर्ज है, जो कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस मुख्यालय का पता है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी का निर्वाचन क्षेत्र है। (विस्तृत पेज-7)

राष्ट्रपति राफेल लड़ाकू विमान से भरेंगी उड़ान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार को हरियाणा में अंबाला वायु सेना अड्डे से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरेंगी। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया था। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और प्रतिभा पाटिल ने क्रमशः आठ जून 2006 और 25 नवंबर 2009 को पुणे के पास लोहेगांव स्थित वायुसेना अड्डे से सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से उड़ान भरी थी।

8वें वेतन आयोग के गठन सम्बंधी प्रावधानों को केंद्र ने दी मंजूरी

50 लाख कर्मी और 69 लाख पेंशनरों को होगा फायदा, सेवानिवृत्त जज रंजना प्रकाश को आयोग की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने मंगलवार को आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तों को मंजूरी दे दी। आयोग 18 महीने में अंतिम रिपोर्ट देगा लेकिन एक जनवरी, 2026 से ही उसकी सिफारिशें प्रभावी होने की संभावना है। इन सिफारिशों से केंद्र सरकार के करीब 50 लाख कर्मचारी और 69 लाख पेंशनभोगी लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही इसकी अनुशंसाओं का प्रभाव राज्य सरकारों के कर्मचारियों के वेतन ढांचे पर भी पड़ेगा। उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई को आयोग की कमान सौंपी गई है।

आयोग अपनी अंतिम रिपोर्ट 18 महीनों में देगा, जबकि समय-समय पर अंतरिम रिपोर्टें भी देता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आठवें वेतन आयोग के गठन से संबंधित नियमों एवं शर्तों को मंजूरी दी गई। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को इस फैसले की जानकारी दी। मंत्रिमंडल का यह निर्णय आयोग को स्थापित करने की जनवरी, 2025 में दी गई सैद्धांतिक मंजूरी के नौ माह बाद आया है। यह फैसला बिहार विधानसभा के लिए छह

- 18 महीने में आएगी रिपोर्ट, केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

एवं 11 नवंबर को होने वाले मतदान के ऐन वक्त पहले लिया गया है। वैष्णव ने आयोग की सिफारिशें लागू होने की तारीख के बारे में पूछे जाने पर कहा, इसकी विशिष्ट तिथि अंतरिम रिपोर्ट आने के बाद ही तय की जाएगी, लेकिन ज्यादा संभावना है कि यह एक जनवरी, 2026 से प्रभावी हो जाएगी।

आमतौर पर हर 10 वर्ष के अंतराल पर केंद्रीय कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग की सिफारिशें लागू की जाती हैं। इस परिपाटी को देखते हुए आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के भी जनवरी, 2026 से लागू किए जाने की संभावना है। मंत्रिमंडल ने न्यायमूर्ति देसाई को आयोग का प्रमुख बनाने के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), बेंगलुरु के प्रोफेसर पुलक घोष को अंशकालिक सदस्य और पेट्रोलियम सचिव पंकज जैन को सदस्य-सचिव बनाने का भी फैसला किया। न्यायमूर्ति देसाई इस समय भारतीय प्रेस परिषद की चेयरमैन हैं। इससे पहले वह जम्मू-कश्मीर परिसीमन आयोग और उत्तराखंड समान नागरिक संहिता की मसौदा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

उच्चतम न्यायालय से सेवानिवृत्ति के बाद यह उनका चौथा प्रमुख कार्यभार होगा। आधिकारिक बयान के मुताबिक, आयोग अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देते समय केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए प्रचलित वेतन संरचना, लाभ एवं कार्य परिस्थितियों का तुलनात्मक अध्ययन करेगा।

राज्यों और कर्मचारी संगठनों से परामर्श के बाद अंतिम रूप

आठवें वेतन आयोग के नियमों एवं शर्तों को विभिन्न मंत्रालयों, राज्यों और कर्मचारी संगठनों से परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है। आम तौर पर वेतन आयोगों की सिफारिशें हर 10 वर्ष में लागू होती हैं। पिछला यानी सातवां वेतन आयोग फरवरी, 2014 में गठित हुआ था और उसकी सिफारिशें एक जनवरी, 2016 से लागू की गई थीं। सरकार ने कहा कि आठवां वेतन आयोग देश में वित्तीय अनुशासन और कर्मचारी कल्याण के बीच संतुलन साधने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

गैर-यूरिया उर्वरकों पर 37,952 करोड़ की सब्सिडी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को चालू 2025-26 रबी सत्र के लिए गैर-यूरिया उर्वरकों फॉस्फोरस और सल्फर पर 37,952 करोड़ रुपये की सब्सिडी को मंजूरी दी। हालांकि, नाइट्रोजन और पोटाश के लिए सब्सिडी दर में बदलाव नहीं किया गया है। ये दरें एक अक्टूबर, 2025 से 31 मार्च, 2026 तक प्रभावी रहेंगी। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने चालू रबी सत्र के लिए फॉस्फेट सब्सिडी को 43.60 रुपये प्रति किग्रा से बढ़ाकर 47.96 रुपये प्रति किग्रा कर दिया है।

जयपुर में हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आई बस, पूरनपुर के पिता-पुत्री जिंदा जले

हादसे के बाद बस में आग लगने से उठता धुआं।

- जयपुर के मनोहरपुर में मंगलवार सुबह हुआ भीषण हादसा कई घायल
- हादसे की खबर से पूरनपुर के शेरपुर कलां में मचा कोहराम

संवाददाता, पीलीभीत/जयपुर

अमृत विचार : जयपुर से 50 किलोमीटर दूर मनोहरपुर इलाके में मंगलवार सुबह हादसे ने परिवारों की खुशियां छीन लीं। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर कलां के मोहल्ला नौगवां निवासी मजदूरों को लेकर जा रही डबल डेकर बस हाईटेंशन लाइन से छू गई थी।

करंट लगने के साथ ही बस में रखे गैस सिलेंडर फट गए और बस आग का गोला बन गई। इस हादसे में पूरनपुर क्षेत्र के गांव शेरपुर कला निवासी के नसीम मियां (45) और उनकी पुत्री सेनम (18) की मौके पर ही जलकर मौत हो गई, जबकि कई मजदूर झुलस गए। सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। मृतकों के परिवार वाले जयपुर के लिए रवाना हो गए। बताते हैं कि हादसे में मजदूर सोमवार शाम पूरनपुर कस्बे के स्टेशन चौराहे से बरेली के बहेड़ी निवासी बस मालिक आरिफ की बस में सवार हुए थे। वह जयपुर के मनोहरपुर क्षेत्र के एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने जा रहे थे। बस को एक ठेकेदार ने बुक कराया था।

मंगलवार सुबह जब बस ईंट भट्ठे से महज आधा किलोमीटर दूर थी, तभी वह हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। इसके बाद सिलेंडर फटने लगे और पूरी बस आग की लपटों में घिर गई। कंडक्टर ने बस मालिक आरिफ को हादसे की जानकारी दी। बताया कि ठेकेदार के साथ भेजे गए युवक ने बस को खुद चलाने की जिद की थी और इसी दौरान यह हादसा हो गया।

डॉक्टरों का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी, नहीं तो समाज माफ नहीं करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी, कहा- कोविड में मृत प्राइवेट डॉक्टरों को सरकारी बीमा का लाभ मिले

सुप्रीम कोर्ट ने निजी क्लीनिक, औषधालयों और गैर-मान्यता प्राप्त अस्पतालों में कोविड-19 से लड़ते हुए जान गंवाने वाले चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को बीमा पॉलिसी में शामिल नहीं किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए मंगलवार को कहा कि यदि न्यायपालिका चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेगी और उनके लिए खड़ी नहीं होगी तो समाज उसे माफ नहीं करेगा।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बीमा कंपनियां वैध दावों का निपटारा करें और यह धारणा सही नहीं है कि निजी चिकित्सक मुनाफा कमाने के लिए काम कर रहे हैं। पीठ ने कहा, अगर हम अपने चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेंगे तो समाज हमें माफ नहीं करेगा। कहा, अगर आपके अनुसार यह शर्त पूरी होती है कि वे कोविड-19 से निपटने के लिए काम कर रहे थे और कोविड के कारण उनकी मौत हुई है तो आपको बीमा कंपनी को भुगतान करने के लिए बाध्य करना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि वे सरकारी ड्यूटी पर नहीं थे, यह धारणा सही नहीं है कि वे मुनाफा कमा रहे थे। केंद्र को पीएम बीमा योजना के अलावा उपलब्ध अन्य समान या समानांतर योजनाओं के आंकड़े और जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

पीठ ने योजनाओं के मांगे आंकड़े

पीठ ने कहा, हमें आंकड़े और प्रधानमंत्री योजना के अलावा उपलब्ध अन्य समानांतर योजनाओं के बारे में कुछ जानकारी दीजिए। हम सिद्धांत निर्धारित करेंगे और उसके आधार पर बीमा कंपनी से दावे किए जा सकेंगे। बीमा कंपनी को हमारे फैसले के आधार पर विचार करना और आदेश पारित करना है। शीर्ष अदालत मुंबई उच्च न्यायालय के नौ मार्च 2021 के आदेश के खिलाफ दायर प्रदीप अरोड़ा और अन्य की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

46 आईएएस अधिकारियों का तबादला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल कई मंडलायुक्त, जिलाधिकारी बदले

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने मंगलवार को प्रशासनिक महकमे में बड़ा फेरबदल किया है। कार्मिक विभाग द्वारा जारी शासनादेश में कुल 46 आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। इनमें कई मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

शासन के अनुसार मंडलायुक्त विन्ध्याचल बाल कृष्ण त्रिपाठी को सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग बनाया गया है। राजेश प्रकाश को महानिदेशक मत्स्य से मंडलायुक्त विन्ध्याचल और धनलक्ष्मी के. को सचिव मानवाधिकार आयोग से महानिदेशक मत्स्य बनाया गया है। डॉ. रूपेश को ऊर्जा विभाग के प्रबंध निदेशक से मंडलायुक्त सहारनपुर और अटल कुमार राय को सहारनपुर मंडलायुक्त से सचिव गृह विभाग बनाया गया है।

मोबाइल पर कॉलर का असली नाम दर्शाने की सुविधा को हरी झंडी

नई दिल्ली। मोबाइल फोन पर आने वाली कॉल में अब कॉल करने वाले व्यक्ति का असली नाम प्रदर्शित किए जाने को लेकर दूरसंचार नियामक ट्राई ने दूरसंचार विभाग के प्रस्ताव से सहमति जता दी है। कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति के मोबाइल पर यह सुविधा डिफॉल्ट रूप से सक्रिय होगी। ट्राई ने फरवरी, 2024 में 'कॉलर का नाम प्रदर्शित करने वाली' (सीएनएपी) सेवा पर अपनी सिफारिशों में कहा था कि यह सेवा केवल मांग रखने वाले उपभोक्ताओं को ही मुहैया कराई जाए। लेकिन विभाग का कहना था कि यह सुविधा सभी उपयोगकर्ताओं के लिए स्वतः उपलब्ध होगी, जबकि अनिच्छुक उपभोक्ता इसे निष्क्रिय कराने का विकल्प रखेंगे।

दिल्ली में कृत्रिम वर्षा का परीक्षण, नहीं हुई बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के बीच 53 वर्षों के अंतराल के बाद मंगलवार को कृत्रिम वर्षा कराने का परीक्षण किया गया। हालांकि, मौसम विभाग ने दिल्ली में वर्षा के कोई संकेत दर्ज नहीं किए।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिल्ली सरकार ने आईआईटी-कानपुर के सहयोग से बुराड़ी, उत्तरी करोल बाग, मयूर विहार और बादली सहित दिल्ली के कुछ हिस्सों में परीक्षण किए तथा अगले कुछ दिनों में इस तरह के और परीक्षण किए जाने की योजना है। बाद में शाम को सरकार ने एक रिपोर्ट में कहा कि कृत्रिम वर्षा के परीक्षणों से उन स्थानों पर अति सूक्ष्म कणों में कमी

100 किमी के क्षेत्र में कराई जा सकती है बारिश

आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल के मुताबिक दिल्ली ट्रायल का परीक्षण हो चुका है। अब केवल बादलों का इंतजार है, जैसे ही अनुकूल मौसम बनेगा, दिल्ली की हवा को राहत देने के लिए कृत्रिम बारिश करा दी जाएगी। कृत्रिम बारिश के लिए सिल्वर आयोडाइड और नमक जैसे रसायनों को मिलाकर विशेष मिश्रण तैयार किया जाता है।

- आईआईटी-कानपुर के सहयोग से किया गया ट्रायल

लाने में मदद मिली। राजधानी में इस प्रक्रिया को अंजाम दिया गया, जबकि परिस्थितियां इसके लिए आदर्श नहीं थीं। सरकार ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और अन्य एजेंसियों द्वारा अनुमानित नमी की मात्रा 10 से 15 प्रतिशत के निम्न स्तर पर बनी रही, जो कृत्रिम बारिश के लिए आदर्श स्थिति नहीं है।

समीक्षा | मुख्यमंत्री ने रामनगरी को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में विकसित करने का दिया निर्देश

अयोध्या बनेगी आस्था, भव्यता और आधुनिकता का आदर्श मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी ने की अयोध्या महायोजना-2031 की समीक्षा अनियोजित बसावट पर सख्त निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या महायोजना-2031 की समीक्षा बैठक में कहा कि अयोध्या का विकास भव्यता, आस्था और आधुनिकता का संतुलित मॉडल होना चाहिए।

महायोजना का उद्देश्य अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी और सस्टेनेबल सिटी के रूप में विकसित करना है, जहां सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शहरी संरचना का समुचित संतुलन हो। योगी ने अनियोजित बसावट पर सख्त निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं पर्यावरणीय दृष्टि से सस्टेनेबल हों तथा सरयू नदी तट और हरित पट्टियों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए। उन्होंने कहा कि अयोध्या का विकास धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से प्रेरक उदाहरण बने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में अयोध्या में तेज विकास के बीच अनियोजित प्लाटिंग और बसावट देखने को मिली है। उन्होंने चेतावनी दी कि अब हर विकास कार्य योजना और नियमों के अनुरूप ही होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या आज केवल एक शहर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतीक है। इसे ऐसा विकसित किया जाए कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए आस्था, सौंदर्य और समृद्धि का संगम बने।

अयोध्या महायोजना 2031 के महत्वपूर्ण बिंदु

- 18 जोनों में विभाजित अयोध्या विकास क्षेत्र
- 23.94 लाख जनसंख्या के हिसाब से संतुलित भूमि उपयोग
- 14.31% हरित क्षेत्र, 52.56% आवासीय क्षेत्र
- सौर ऊर्जा आधारित नगरी और आधुनिक नागरिक सुविधाएं

8,594 करोड़ रुपये की 159 परियोजनाएं क्रियान्वयन को तैयार

बैठक में बताया गया कि अयोध्या में 8,594 करोड़ रुपये के निवेश से 159 परियोजनाएं क्रियान्वित होने जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में स्मार्ट टाउनशिप, रिंग रोड, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, बहुस्तरीय पार्किंग, होटल, सौर ऊर्जा संयंत्र और आधुनिक नागरिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 29 अक्टूबर 2025

चक्रवात मोंथा को लेकर अलर्ट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ सहित कई जिलों में देर रात से सुबह तक हुई हल्की बारिश, तापमान गिरा

अमृत विचार : चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर यूपी के खासकर पूर्वांचल से लेकर बुंदेलखंड के जिलों में बुधवार से और तेज हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार से अगले 48 घंटे तक लखनऊ समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सभी जिलाधिकारियों को बिजली और पेड़ों के गिरने जैसी संभावनाओं के मद्देनजर राहत दलों को तैयार रखने के निर्देश दिए हैं।

भारतीय मौसम विभाग लखनऊ केंद्र के अनुसार, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, भदोही, जौनपुर और प्रयागराज में अगले दो दिन तक गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। राजधानी लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी और रायबरेली में भी बुधवार देर रात तक हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को खुले में काम न करने, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करने और निचले इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है। मोंथा के कारण राज्य में हवा की दिशा बदलने से अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की कमी आई हैं। रातें ठंडी होंगी और दिन के समय उमस बढ़ सकती है।

किसानों के लिए सलाह

- धान की कटाई और गहाई का काम फिलहाल रोकें।
- खुले में रखा अनाज, भूसा और उपकरण सुरक्षित करें।
- बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए खेतों में मोबाइल का उपयोग न करें।

मतदाता सूची पुनरीक्षण की रफ्तार पर टिकी निगाहें

प्रदेश में पंचायत चुनाव समय पर कराना चुनौती, चुनाव अगले वर्ष अप्रैल-मई में प्रस्तावित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में पंचायत चुनाव समय पर कराना राज्य चुनाव आयोग के लिए बड़ी परीक्षा बनता जा रहा है। मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान की रफ्तार पर निगाहें टिकी हैं। राज्य में अप्रैल–मई 2026 में पंचायत चुनाव प्रस्तावित हैं। जबकि मतदाता सूची का संशोधन और डिजिटलीकरण का कार्य अभी पूरी तरह पूरा नहीं हुआ है। उधर, परिसीमन को लेकर पंचायती राज विभाग तेजी से कार्य कर रहा है, ताकि कार्यकाल समाप्त होने के छह माह के भीतर

चुनाव हो जाए, जिससे भारत सरकार की ग्रांट बंद होने की नौबत न आए।

जानकारी के अनुसार, निर्वाचन आयोग द्वारा इस बार लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनावों की मतदाता सूचियां अलग-अलग रखी गई हैं। लेकिन सूचियों को अपडेट कराने की जिम्मेदारी निचले स्तर के वही कर्मचारी निभा रहे हैं, जो अन्य चुनावी कार्यों में भी तैनात रहते हैं। इससे कार्यभार बढ़ने के कारण पंचायत चुनाव की तैयारी में देरी की आशंका जताई जा रही है। राज्य में मतदाता सूचियों को अद्यतन करने के लिए विशेष सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। अब सभी उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे संशोधित सूची को ऑनलाइन फीड कराने का कार्य प्राथमिकता से पूरा करें। अधिकारियों के अनुसार, सूची अपडेट का कार्य दिसंबर के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा, ताकि ड्राफ्ट सूची समय पर जारी की जा सके।

वोटर लिस्ट संशोधन का दूसरा चरण शुरू

चुनाव आयोग ने मंगलवार से वोटर लिस्ट रिवीजन के दूसरे चरण की शुरुआत कर दी है। इस बार यूपी समेत 12 राज्यों में मतदाता सूची की फील्ड जांच की जा रही है। इन राज्यों में पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, ओडिशा, बिहार, झारखंड, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ और गुजरात भी शामिल हैं। आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, 9 दिसंबर को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होगी और 7 फरवरी 2026 को फाइनल सूची प्रकाशित की जाएगी।

परिसीमन के बाद वार्ड और पंचायतें

परिसीम के बाद जिला पंचायत सदस्य वार्ड जहां पहले 3050 थे, अब 30 घटकर 3020 हो गए हैं। इसी तरह कुल 75,844 क्षेत्र पंचायत सदस्य वार्ड में से 830 घट गए हैं, अब इनकी संख्या 75,014 हो गई है। जबकि वर्ष 2021 के अनुसार 7,32,643 ग्राम पंचायत सदस्य वार्ड में से 4600 से अधिक इसबार कम होंगे।

न्यूज ब्रीफ

विवादित बयान पर कार्रवाई की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज से पूर्व भाजपा विधायक

राघवेंद्र प्रताप सिंह के विवादित बयान 'मुस्लिम लड़की लाओ, शादी करो, नौकरी पाओ' पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बसपा सुप्रीमो ने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि ऐसे आपराधिक, अराजक व असामाजिक तत्व सभ्य व संवैधानिक सरकार के लिए खुली चुनौती और खतरा हैं।

आईएएस आमोद कुमार मूल कैडर यूपी लौटेंगे

अमृत विचार, लखनऊ : वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमोद कुमार (1995 बैच) को केंद्र सरकार से प्रतिनियुक्ति अवधि पूर्ण होने पर मूल कैडर उत्तर प्रदेश में वापस भेजा गया है। इस संबंध में केंद्र सरकार ने औपचारिक आदेश जारी कर दिए हैं। आमोद कुमार वर्तमान में केंद्र सरकार में संयुक्त सचिव स्तर पर पदस्थ थे। अब उनकी तैनाती प्रदेश सरकार द्वारा जल्द निर्धारित की जाएगी।

जनगणना 2027 होगी पूरी तरह डिजिटल

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को भारत की जनगणना 2027 के कार्यान्वयन एवं संचालन हेतु गठित राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की पहली बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने जनगणना 2027 होगी पूरी तरह डिजिटल होने की जानकारी देते हुए सभी विभागों को जनगणना कार्य को समन्वित ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। निदेशक, जनगणना कार्य शीतल वर्मा ने बताया कि 10 से 30 नवंबर 2025 तक राज्य की अनूपशहर और मिहीपुरवा तहसीलों तथा प्रयागराज नगर निगम के सात वार्डों में जनगणना प्री-टेस्ट किया जाएगा।

गंगा महोत्सव में नामचीन कलाकार देंगे प्रस्तुति

अमृत विचार, लखनऊ : गंगा महोत्सव-2025 का आयोजन 1 से 4 नवंबर तक काशी में किया जाएगा, जिसमें देशभर के नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। देव दीपावली से पहले काशी गंगा महोत्सव में हंसराज रघुवंशी भक्ति गीतों का जलवा बिखेरेंगे। वहीं पद्मश्री मालिनी अवस्थी उत्तर भारत की लोक परंपराओं को अपने गायन से जीवंत करेंगी और पद्मश्री गीता चन्द्रन भरतनाट्यम नृत्य से भारतीय नृत्य परंपरा की गरिमा दिखाएंगी। राजघाट और नामो घाट पर आयोजित यह महोत्सव संगीत, नृत्य और लोक कलाओं का अद्भुत संगम बनेगा।

सीतापुर के डीएम होंगे राजागणपति

प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, कई मंडलायुक्त और जिलाधिकारी बदले गए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मयूर माहेश्वरी को प्रबंध निदेशक राज्य विद्युत उत्पादन निगम तथा पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड बनाया गया

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने मंगलवार को प्रशासनिक महकमे में बड़ा फेरबदल किया है। मयूर माहेश्वरी को सीईओ यूपीएसआईडीए से प्रबंध निदेशक राज्य विद्युत उत्पादन निगम तथा पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड किया गया है। विजय किरण आनंद को सचिव अवस्थापना व औद्योगिक विकास के साथ सीईओ यूपीएसआईडीए, लीडा एवं एनआरआई सेल का अतिरिक्त प्रभार मिला है।

राहुल पांडेय को डीएम हाथरस से विशेष सचिव राज्य कर विभाग, अतुल वत्स को उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से डीएम हाथरस बनाया गया है। अमनदीप डुली को डीएम ललितपुर से अपर आयुक्त मनरेगा, मधुसूदन हुल्गी को डीएम कौशांबी से विशेष सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय, अमित पाल को उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्राधिकरण से डीएम कौशांबी, पवन अग्रवाल को डीएम बलरामपुर से विशेष सचिव गृह विभाग और विपिन कुमार जैन को विशेष सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय से डीएम बलरामपुर किया गया है।

राजागणपति आर. को डीएम सिद्धार्थनगर से डीएम सीतापुर, जबकि अभिषेक आनंद को डीएम सीतापुर से विशेष सचिव आबकारी विभाग किया गया है। कृतिका ज्योत्सना को विशेष सचिव राज्य कर से डीएम बस्ती और रवीश गुप्ता को डीएम बस्ती से प्रबंध निदेशक पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ बनाया गया है। ईशा दुहन को पश्चिमांचल विद्युत से प्रबंध निदेशक यूपी सहकारी चीनी मिल्स संघ लिमिटेड एवं कुमार विनीत को वहां से विशेष सचिव युवा कल्याण व खेल विभाग किया गया है। शिवशरणप्पा जी.एन. को डीएम चित्रकूट से डीएम सिद्धार्थनगर, पुलकित गर्ग को उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण से डीएम चित्रकूट, अजय कुमार द्विवेदी को डीएम श्रावस्ती से डीएम रामपुर और जोगिंदर सिंह को डीएम रामपुर से विशेष सचिव नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग बनाया गया है। अश्विनी कुमार पांडेय को उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण से डीएम श्रावस्ती एवं सत्य प्रकाश को नगर आयुक्त झांसी से डीएम ललितपुर किया गया है। हिमांशु नागपाल को सीडीओ वाराणसी से नगर आयुक्त वाराणसी, अक्षत वर्मा को नगर आयुक्त वाराणसी से विशेष सचिव नियोजन, ऋषि राज को नगर आयुक्त फिरोजाबाद से उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्राधिकरण, गुंजन द्विवेदी को सीडीओ कुशीनगर से नगर आयुक्त फिरोजाबाद, सुवंदिता श्रीवास्तव को एडीएम (वि/रा) वाराणसी से सीडीओ कुशीनगर बनाया गया है। नंद किशोर कलाल को सीडीओ रामपुर से उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, महेन्द्र कुमार सिंह को एडीएम (वि/रा) अयोध्या से सीडीओ रामपुर, पूर्ण वोहरा को सीडीओ बिजनौर से उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण, रणविजय सिंह को एडीएम (प्रशासन) गाजियाबाद से सीडीओ बिजनौर तथा अनुराज जैन को सीडीओ महाराजगंज से उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण किया गया है। गुलाब चंद्र को एडीएम (प्रशासन) मुरादाबाद से सीडीओ महाराजगंज, सूरज पटेल को सीडीओ अमेठी से मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ब्रज तीर्थ विकास परिषद और सचिन कुमार सिंह को संयुक्त निदेशक मंडी परिषद लखनऊ से सीडीओ अमेठी किया गया है। देवेन्द्र कुमार सिंह कुशवाहा को विशेष सचिव आबकारी से विशेष सचिव रेशम विभाग तथा सुआकांक्षा राणा को विशेष कार्याधिकारी कुम्भ मेला प्राधिकरण से नगर आयुक्त झांसी बनाया गया है।

57 पीसीएस अफसरों का स्थायीकरण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने प्रदेश के 57 प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) अधिकारियों के स्थायीकरण का आदेश जारी कर दिया है। नियुक्ति विभाग की विशेष सचिव आईएएस अन्नपूर्णा गर्ग द्वारा यह आदेश जारी किया गया। यह आदेश उन अधिकारियों के लिए राहत लेकर आया है जो अब तक प्रोबेशन अवधि पर कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, स्थायीकरण की यह सूची वर्ष 2020 और 2022 बैच के उन अधिकारियों की है, जो तहसीलदार से पदोन्नत होकर उप जिलाधिकारी (एसडीएम) बने हैं। इन अधिकारियों को निर्धारित सेवा अवधि पूर्ण करने के बाद अब स्थायी रूप से पुष्टि दे दी गई है। आदेश के तहत संबंधित अधिकारियों की सेवा–स्थायीकरण तिथियां 9 से 21 सितंबर 2024 के बीच की हैं, जो उनकी नियुक्ति तिथियों के अनुरूप तय की गई हैं।

स्थायीकरण सूची में जिन जिलों के अधिकारी शामिल हैं, उनमें लखीमपुर खीरी, गाजीपुर, इटावा, बिजनौर, बदायूं, बरेली, प्रयागराज, उन्नाव, मुरादाबाद, कानपुर देहात, झांसी, फर्रुखाबाद, सहारनपुर, मेरठ, गाजियाबाद, वाराणसी, रामपुर, जौनपुर, सीतापुर, बलरामपुर, हापुड़, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और नगर निगम गाजियाबाद जैसे प्रमुख जिले शामिल हैं।

लखनऊ के यहियागंज गुरुद्वारा में गुरुचरण (जोड़े साहिब) यात्रा के स्वागत कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सम्मानित करते सिख समुदाय के लोग, साथ में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी।

गुरु परंपरा ने भारत को दिया त्याग और बलिदान का संदेश : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ में मुख्यमंत्री ने किया चरण सुहावे गुरु चरण (जोड़े साहिब) यात्रा का स्वागत

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहियागंज गुरुद्वारे में पहुंचकर सिख आस्था और राष्ट्रप्रेम की अद्भुत मिसाल 'चरण सुहावे गुरु चरण (जोड़े साहिब) यात्रा' का स्वागत किया। इस दौरान कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि त्याग, सेवा और बलिदान का आदर्श दिया है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत की संस्कृति, साहस और राष्ट्रीय एकता की भावना को नई ऊंचाई देने वाली है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारी परंपरा कहती है कि 'जिथे जाए बहे मेरा सतगुरु, सो थान सुहावा राम राजे।' जहां भी गुरु महाराज के चरण पड़ते हैं, वह स्थान रामराज्य की तरह पवित्र बन जाता है।' उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं ने अपनी आस्था और बलिदान से देश की आत्मा को जागृत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहियागंज गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी की स्मृतियों से जुड़ा है और यह स्थल राष्ट्रीय एकता और साझा आस्था का प्रतीक है। यह यात्रा गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रारंभ हुई है।

दिल्ली से प्रारंभ होकर यह यात्रा पूरे देश में गुरु परंपरा के प्रति सम्मान और गौरव का भाव जगाती जा रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गुरुवाणी सुनी और यात्रा दल के सदस्यों को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। गुरुद्वारा कमेटी की ओर से उन्हें अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, अल्पसंख्यक आयोग सदस्य सरदार परबिंदर सिंह सहित गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

244 केंद्रों पर होगी ऑपरेटर भर्ती परीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 1 और 2 नवंबर को ऑफलाइन होगी परीक्षा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर और लिपिक संवर्ग के पदों पर भर्ती के लिए 1 और 2 नवंबर को ऑफलाइन परीक्षा होगी। कंप्यूटर ऑपरेटर के लिए 244 और लिपिक संवर्ग के लिए 186 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और एसटीएफ की नजर साल्वर गिरोह पर रहेगी। शासन ने सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के निर्देश दिए हैं।

उप्र पुलिस में कंप्यूटर आपरेटर तथा लिपिक संवर्ग में उपनिरीक्षक (गोपनीय), सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) व सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के पदों पर भर्ती के लिए एक व दो नवंबर को आफलाइन लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) कड़े सुरक्षा घेरे में होगी। एक नवंबर को 10 जिलों में कंप्यूटर आपरेटर की लिखित परीक्षा 244 केंद्रों पर होगी। इनमें सर्वाधिक 47 परीक्षा केंद्र लखनऊ में होंगे। जबकि दो नवंबर को लिपिक संवर्ग में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 10 जिलों में 186 परीक्षा केंद्रों पर होगी। इस परीक्षा के भी सर्वाधिक 35 केंद्र लखनऊ में होंगे। परीक्षा केंद्रों पर दोहरी चेकिंग की व्यवस्था होगी।

कंप्यूटर आपरेटर की लिखित परीक्षा के लिए आगरा में 13, बरेली में 15, गोरखपुर में 23, झांसी में 11, कानपुर नगर में 29, लखनऊ में 47, मेरठ में 26, मुरादाबाद में 26, प्रयागराज में 20 व वाराणसी में 34 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

अब 51 हजार रुपये मिलेगा शादी अनुदान

अमृत विचार, लखनऊ : समाज कल्याण विभाग शादी अनुदान योजना का दायरा बढ़ाने जा रहा है, जिसके तहत अब तीन लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों की बेटियों को भी लाभ मिलेगा। अनुदान राशि को 20 हजार से बढ़ाकर 51 हजार रुपये करने का प्रस्ताव है। पहले आय सीमा ग्रामीण क्षेत्र के लिए 46,080 रुपये और शहरी क्षेत्र के लिए 56,460 रुपये थी। बजट की कमी के कारण यह योजना पहले ठप पड़ी थी। वर्तमान वित्तीय वर्ष में सरकार ने योजना को फिर से संचालित किया है, परंतु आय सीमा का दायरा सीमित होने के कारण इस योजना में सीमित आवेदन ही आ रहे हैं। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की आय सीमा को पिछले दिनों दो लाख से बढ़ाकर तीन लाख रुपये किया गया है और अनुदान राशि एक लाख रुपये की गई है, जिसमें से 60 हजार रुपये सीधे दुल्हन के खाते में भेजे जाते हैं। इससे भी शादी अनुदान योजना में आवेदन प्रभावित हुए हैं।

27 पीसीएस अधिकारी किए गए इधर से उधर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी में आईएएस के बाद बड़े पैमाने पर बदले गए पीसीएस अधिकारी

अमृत विचार : यूपी में आईएएस के बाद अब बड़े पैमाने पर पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए गए हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात 27 प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) अधिकारियों के तबादले हुए हैं। शासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार कई उप जिलाधिकारी (एसडीएम), नगर मजिस्ट्रेट और विकास प्राधिकरणों के सचिव स्तर के अधिकारियों को नई तैनाती दी गई है।

सूची के मुताबिक अरुण कुमार सिंह, जो अब तक अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व), बाराबंकी थे, उन्हें अपर आयुक्त, मुरादाबाद मंडल के पद पर भेजा गया है। वहीं निरंकार सिंह, अपर नगर आयुक्त नगर निगम,गोरखपुर से अब उसी पद पर स्थानांतरित हुए हैं। अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी जालौन से अपर नगर आक्क्त गोरखपुर बनाए गए हैं। पंकज वर्मा अपर जिलाधिकारी बागपत से सचिव मुरादाबाद विकास प्राधिकरण बनाए गए हैं। विनीत कुमार उपाध्याय, नगर मजिस्ट्रेट मिर्जापुर को अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) बागपत बनाया गया है। मिर्जापुर के उपजिलाधिकारी अविनाश कुमार को मिर्जापुर का नगर मजिस्ट्रेट बनाया गया है। अयोध्या के उपजिलाधिकारी कौशल कुमार को इसी जिले के अपर जिलाधिकारी भू अध्याप्ति की जिम्मेदारी दी गई है। राजस्व परिषद में ओएसडी राजकुमार द्विवेदी को वाराणसी में अपर आयुक्त विन्ध्यांचल के पद पर भेजा गया है। सहकारी चीनी मिल्स संघ के प्रधान प्रबंधक विवेक कुमार को अपर आयुक्त वाराणसी बनाया गया है। बरेली के उपजिलाधिकारी गोविन्द मौर्या को सहकारी चीनी मिल्स संघ के प्रधान प्रबंधक पद पर भेजा गया है। वाराणसी के उपजिलाधिकारी अमित कुमार वाराणसी नगर निगम में अपर नगर आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है।

कन्नौज के अपर जिलाधिकारी आशीष कुमार सिंह को मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण का सचिव बनाया गया है। कन्नौज के उप जिलाधिकारी देवेन्द्र सिंह अपर जिलाधिकारी (वि-रा) कन्नौज बनाए गए हैं। अयोध्या के उप जिलाधिकारी विकास धर को सहारनपुर नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त बनाया गया है। वाराणसी की उप जिलाधिकारी श्रद्धा चौधरी को राज्य संपत्ति निदेशालय में सहायक निदेशक बनाया गया है। राजस्व परिषद से सम्बद्ध अरविन्द कुमार सिंह को मंडी परिषद का उप निदेशक बनाया गया है। सहकारी चीनी मिल्स में प्रधान प्रबंधक ज्योति को अपर जिलाधिकारी प्रशासन गाजियाबाद बनाया गया है। शाहजहांपुर के उपजिलाधिकारी महेश कुमार कैंथल को सहकारी चीनी मिल्स में प्रधान प्रबंधक का जिम्मा दिया गया है।

अंबेडकर नगर के अपर जिलाधिकारी सदानंद गुप्ता को वाराणसी के अपर जिलाधिकारी (वि-रा) के पद पर भेजा गया है। अपर जिलाधिकारी न्यायिक हापुड़ ज्योत्सना बंधु को अपर जिलाधिकारी (वि-रा) के पद पर अम्बेडकरनगर भेजा गया है। रामपुर की उपजिलाधिकारी मोनिका सिंह की अपर जिलाधिकारी न्यायिक हापुड़ भेजी गई हैं। अलीगढ़ के अपर जिलाधिकारी (नगर) अमित कुमार भट्ट अपर जिलाधिकारी (वि-रा) अयोध्या के पद पर भेजा गया है। मुरादाबाद के नगर मजिस्ट्रेट किंशुक श्रीवास्तव को अपर जिलाधिकारी (नगर) अलीगढ़ भेजा गया है। मुरादाबाद के उप जिलाधिकारी विनय पांडेय को मुरादाबाद का नगर मजिस्ट्रेट, फिरोजाबाद की अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) संगीता देवी को अपर जिलाधिकारी प्रशासन मुरादाबाद और मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के सचिव अरविन्द कुमार को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) फिरोजाबाद ट्रांसफर किया गया है।

बदलाव इलाहाबाद, फैजाबाद, मुगलसराय से मुस्तफाबाद का सांस्कृतिक पुनर्जागरण

स्थानों के नाम बदलने में विचारधारा और वोट की नई रणनीति

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- कई और नामों पर मंथन जारी विपक्ष ने कहा- ध्यान भटकाने की राजनीति

अमृत विचार : लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद को 'स्मृति प्रकटोत्सव मेला' के मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नए नाम कबीरधाम का ऐलान केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि योगी सरकार की सांस्कृतिक और वैचारिक राजनीति का विस्तार माना जा रहा है। योगी सरकार के सात वर्षों में इलाहाबाद को प्रयागराज, फैजाबाद को अयोध्या, मुगलसराय को पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर और अकबरपुर बस स्टैंड को 'श्रवण धाम' जैसे नामों से नवाजा गया।

मुख्यमंत्री योगी बार-बार कहते हैं कि धर्मनिरपेक्षता की आड़ में विरासत मिटाने का दौर खत्म हुआ है। सरकार का कहना है कि यह कदम आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना के लिए उठाए गए हैं। हर नया नाम भाजपा के 'हिंदू अस्मिता' नैरेटिव को और मजबूत करता है। अब प्रदेश की राजनीति में नाम बदलना केवल इतिहास का सुधार नहीं, बल्कि एक विचारधारा की स्थापना है। हर नया नाम एक चुनावी बयान की तरह गूंजता है। जहां आस्था, अस्मिता और सत्ता, तीनों का समीकरण साथ चलता है।

वहीं, विपक्ष इसे ध्यान भटकाने की राजनीति बता रहा है। सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का कहना है कि जब जनता बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्या से जूझ रही है, तब सरकार नाम बदलने में व्यस्त है।

पांच कॉलेजों के नाम भी बदले

इस साल जून में पांच सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के नाम भी बदले गए। प्रतापगढ़ का बाबा साहब अंबेडकर, मिर्जापुर का सम्राट अशोक, बस्ती का सरदार पटेल, गोंडा का मां पाटेश्वरी देवी और मैनपुरी का लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर इंजीनियरिंग कॉलेज रखा गया। यह भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग रणनीति का हिस्सा है, जिसमें दलित, पिछड़ा और सवर्ण प्रतीकों को एक साथ साधने की कोशिश की जा रही है।

माया‌वती ने भी बदले थे कई जिलों के नाम

नामकरण की राजनीति नई नहीं है। मायावती के कार्यकाल में कई जिलों के नाम बदले गए थे, अमेठी को छत्रपति शाहूजी महाराज नगर, हाथरस को महामायानगर, शामली को प्रबुद्ध नगर, हापुड़ को पंचशील नगर और कानपुर देहात को रमाबाई नगर बनाया गया था। लखनऊ की किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी को छत्रपति शाहूजी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय नाम दिया गया।

इन जिलों में नाम बदलने की चर्चाएं

योगी सरकार में कई अन्य नामों पर भी चर्चा चल रही है। अलीगढ़ को हरिगढ़, मुजफ्फरनगर को लक्ष्मीनगर, फिरोजाबाद को चंद्रनगर और गाजीपुर के मुहम्मदाबाद को गजाधर नगर नाम देने के प्रस्ताव सामने हैं। शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील का नाम पहले ही परशुरामपुरी किया जा चुका है। राजनीति के जानकार मानते हैं कि नामकरण अब उत्तर प्रदेश में चुनावी निवेश बन चुका है। हर नया नाम किसी ऐतिहासिक या धार्मिक प्रतीक से जुड़कर भावनात्मक संदेश देता है, जो वोटों में तब्दील हो सकता है।

अखिलेश यादव भी नहीं रहे पीछे

वर्ष 2012 में अखिलेश यादव की सपा सरकार आई तो मायावती के रखे गए कुछ नामों को फिर बदला गया। उनका तर्क था कि बसपा सरकार ने नाम बदलने में वर्गीय पक्षपात किया था। हालांकि अखिलेश ने खुद भी अपनी राजनीति के हिसाब से कुछ नामों को बदला। यानी, हर सरकार ने अपने वैचारिक या सामाजिक एजेंडे के हिसाब से नामों की राजनीति की है।

निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति पर उठाए सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा ने ज्ञापन देकर की बीएलओ और अधिकारियों की पुनर्नियुक्ति की मांग

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) से पहले निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने आरोप लगाया है कि बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) एडीएम (इलेक्शन) और ईआरओ (इलेक्शन रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) की तैनाती जाति और धर्म के आधार पर की गई है। सपा ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है कि निष्पक्ष और पारदर्शी पुनरीक्षण प्रक्रिया के लिए सभी अधिकारियों को तत्काल हटाकर नई नियुक्तियां की जाएं।

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने ज्ञापन में कहा कि प्रदेश के 403 विधानसभा क्षेत्रों के 1,62,486 पोलिंग स्टेशनों पर कार्यरत बीएलओ और निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति भाजपा की मानसिकता वाले अधिकारियों को तरजीह देकर की गई है। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म के आधार पर की गई यह नियुक्ति लोकतांत्रिक मूल्यों और आयोग की निष्पक्षता के खिलाफ है। इस तरह के भेदभावपूर्ण चयन से न केवल चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है, बल्कि भारत निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता भी प्रभावित हो रही है।

न्यूज ब्रीफ

खैर वृक्षों की अवैध कटाई करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

मेरठ,एजेंसी : जिले में हस्तिनापुर वन्य जीव अभ्यारण्य क्षेत्र में खैर वृक्षों की अवैध कटाई करने वाले एक गिरोह के चार सदस्यों को वन विभाग की टीम ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वन विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वन विभाग के अनुसार, हस्तिनापुर रेंज के अर्जुन व द्रौपदी वन ब्लॉक में खैर के पेड़ों की अवैध कटाई की सूचना मिलने पर टीम ने छापेमारी की और इस दौरान मौके से चार आरोपियों को धर दबोचा। विभाग ने बताया कि आरोपियों की पहचान लोकेश, आदित्य, सिद्धू (अमरोहा) और अली हसन (मेरठ) के रूप में हुई है। वन विभाग के मुताबिक, टीम ने मौके से लकड़ी, आरा, कुल्हाड़ियां, फावड़ा और रस्सी आदि उपकरण बरामद किये।

छात्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या की

कानपुर, एजेंसी : कानपुर में 11वीं कक्षा के एक छात्र ने मंगलवार को अपने घर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि छात्र ने एक सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें उसने लिखा था कि उसके सपनों में कुछ लोग उसे या तो अपने परिवार या खुद को मार डालने के लिए कह रहे थे। पुलिस के मुताबिक, यह घटना कोहना थाना क्षेत्र की है, जहां छात्र आरव राज मिश्रा (16) घटना वाले दिन घर पर अकेला था। लड़के के परिवार के अनुसार, उसे महीनों से बार-बार बुरे सपने आ रहे थे और वह इनसे परेशान था। पुलिस ने बताया कि आरव के माता-पिता छठ पूजा के लिए भागलपुर गए थे और उसकी बहन घर से बाहर गई हुई थी, तभी आरव ने आत्महत्या कर ली।

छठ पर्व के दौरान डूबने से तीन युवकों की मौत

बलिया, एजेंसी : बलिया के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सोमवार को छठ पर्व के दौरान डूबने से तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महेश पटेल (28) नाम का व्यक्ति सोमवार की शाम नगरा थाना क्षेत्र के नगरा कस्बे में स्थित एक पोखरा में घाट पर छठ पर्व मनाते समय पैर फिसलने से डूब गया। उसने बताया कि ग्रामीणों ने उसे तत्काल स्थानीय सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दो अन्य लोगों की भी अलग-अलग स्थानों पर मौत हो गई।

मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष बोले- सेना के अधिकारियों के सुझाव पर ट्रस्ट करेगा अमल

पैराशूट के कपड़े से बना 11 किलो का ध्वज फहराएंगे मोदी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर में 25 नवंबर को पैराशूट कपड़े से बना 11 किलो का ध्वज पीएम मोदी द्वारा फहराया जाएगा। सेना के जवान इसकी डोर खीचेंगे। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को बताया कि राम मंदिर ट्रस्ट सेना के एक्सपर्ट अधिकारियों के साथ समन्वय कर ध्वजारोहण के कार्यक्रम को क्रियान्वित किया जाएगा। ध्वज पर कोबेदार वृक्ष प्रदर्शित किया जाएगा।

इसके साथ भगवान सूर्य का संकेत होगा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के शिखर पर ध्वज लगाया जाना एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि वह एक ऊंचाई पर जाएगा। शिखर पर आइकोनोग्राफी का कार्य किया गया। इसलिए पताका के साथ जाने वाला दंड 11 फिट का है और ध्वज की चौड़ाई 22 फिट है। इसलिए सेना के द्वारा शिखर पर ध्वज चढ़ाई जाने का रिहर्सल किया है। कहा कि 15 अगस्त और 26 जनवरी के साथ-साथ आर्मी में बहुत सारे दिवस होते हैं। अधिकारियों और जवानों को ध्वजारोहण का बेहतर अनुभव है। इसलिए इनसे अनुरोध किया गया था। जिस पर अधिकारियों ने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये हैं, जिस पर ट्रस्ट अमल करेगा, क्योंकि राम मंदिर का ध्वज पूरे विश्व की निगाह में होगा। उन्होंने बताया कि ध्वज 11 किलो का है, जिसे पैराशूट के कपड़ों से तैयार किया जाएगा, सेना के अधिकारी कपड़े का वजन और उसकी गुणवत्ता को लेकर दो दिन में अपनी रिपोर्ट देंगे।

राम मंदिर परिसर में चल रही तैयारी।

- ध्वज पर प्रदर्शित किया जाएगा कोबेदार वृक्ष

ध्वजारोहण पर अयोध्या में भीड़ आने की संभावना

अयोध्या, अमृत विचार : श्री राम मंदिर में 25 नवंबर को ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद एक बार फिर प्राण प्रतिष्ठा की तरह श्रद्धालुओं की भीड़ आने की संभावना है। इस दौरान जिला प्रशासन महाकुंभ की तर्ज पर भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था को लागू करने की तैयारी कर रहा है। मंडलायुक्त राजेश कुमार ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री का दौरा 25 नवंबर को प्रस्तावित है। उसी के अनुसार सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी। श्रीराम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने वाले आमंत्रित अतिथियों की रूपरेखा मंदिर प्रशासन से तय की जा रही है। पूरे कार्यक्रम को लेकर श्री राम मंदिर ट्रस्ट और जिला प्रशासन समन्वय के साथ कार्य कर रहा है। इस दौरान श्रद्धालुओं को कम से कम दिक्कतों का सामना करना पड़े। इसके आधार पर पूरी व्यवस्था बनाई जा रही है। कहा कि आने वाले सभी श्रद्धालु चाहेंगे कि कार्यक्रम के बाद उन्हें आसानी से दर्शन मिल सके। इसलिए भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था की रूपरेखा पहले से तैयार की जा रही है। इसे लोगों के बीच शेयर किया जाएगा। जिससे लोगों को जानकारी हो और आने वालों के साथ स्थानीय लोगों को कोई समस्या न हो। कमिश्नर ने कहा कि महाकुंभ एक अलग तरीके का आयोजन था। जिसमें देश-विदेश के लोग आए थे।

गाजियाबाद में पुलिस मुठभेड़ में चार अपराधी गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी: जिले के सिहानी गेट थाना पुलिस ने लोहिया नगर औद्योगिक क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान दो उप निरीक्षक घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ सोमवार रात करीब साढ़े 12 बजे हुई।

नंदग्राम क्षेत्र की सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) उपासना पांडे ने बताया कि सोमवार रात नियमित जांच के दौरान पुलिस टीम ने एक ऑटो में सवार चार संदिग्धों को रुकने का इशारा किया, लेकिन उन्होंने अवरोधक को टक्कर मार दी, जिससे दो उप निरीक्षक घायल हो गए। उन्होंने बताया कि टक्कर मारने के बाद आरोपी रेलवे लाइन की ओर भागने लगे थे।

अभियुक्त किशोर होने का दावा करे तो जेल नहीं भेजा जा सकता

हाईकोर्ट ने कहा- पूछताछ के दौरान भी हिरासत में नहीं रखा जा सकता

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के प्रावधानों पर विचार करते हुए कहा कि उपरोक्त अधिनियम के तहत यदि कोई अभियुक्त अपराध के समय स्वयं के नाबालिग होने का दावा करता है, तो उसकी आयु निर्धारण की जांच पूरी होने तक उसे जेल या पुलिस हिरासत में नहीं भेजा जा सकता है। कोर्ट ने धारा 10 के अवलोकन से पाया कि अदालत या बोर्ड द्वारा उसकी उम्र के बारे में पूछताछ के दौरान भी अभियुक्त को पुलिस हिरासत या जेल में नहीं रखा जा सकता है।

कानून का उल्लंघन करने वाले नाबालिग अभियुक्त को केवल तभी जेल में रखा जा सकता है, जब उसने कोई जघन्य अपराध किया हो और अपराध की तिथि पर उसकी आयु सोलह वर्ष से अधिक हो और बोर्ड अधिनियम, 2015 की धारा 15 के तहत प्रारंभिक मूल्यांकन के बाद और बाल न्यायालय धारा 19(1)(i) के तहत यह निर्णय ले कि बच्चे पर एक वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने की आवश्यकता है।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय और न्यायमूर्ति संदीप जैन की खंडपीठ ने पवन कुमार की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर विचार करते हुए पारित किया, जिस पर अपने भाई और मां के साथ मिलकर अपने सबसे बड़े भाई की हत्या का आरोप था। अभियुक्त वर्ष 2017 से नैनी सेंट्रल जेल में बंद था। मुकदमे के दौरान उसने अपनी जन्मतिथि 13 दिसंबर 2002 बताई, जब उसके स्कूल के प्रधानाचार्य को बुलाया गया तो उन्होंने अपराध के समय उसकी उम्र 14 वर्ष, 3 महीने और 19 दिन बताई, लेकिन निचली अदालत के आदेश के बावजूद अभियुक्त को नजरबंदी से रिहा नहीं किया गया,तब एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा हाईकोर्ट में वर्तमान बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की गई।

कोर्ट के समक्ष प्रश्न था कि क्या अभियुक्त को बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करके रिहा किया जा सकता है, जबकि उसे न्यायिक आदेश द्वारा हिरासत में लिया गया था। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि प्रारंभिक चरण में हिरासत की वैधता को नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल करने के समय हिरासत कानूनी थी या नहीं।

कोर्ट ने कहा कि अधिनियम की धारा 9(4) के तहत ऐसे व्यक्ति को जांच के दौरान "सुरक्षात्मक अभिरक्षा" में रखा जाना चाहिए, न कि जेल में। अदालत ने निचली अदालत की कार्रवाई को "यंत्रवत्" और अधिनियम के विपरीत बताते हुए कहा कि आयु निर्धारण की प्रक्रिया के दौरान आरोपी को केवल सुरक्षित स्थान पर ही रखा जा सकता है। अंत में कोर्ट ने आदेश दिया कि याची को तत्काल रिहा किया जाए और आयु निर्धारण हेतु ट्रायल कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। यदि आवश्यक हो, तो ट्रायल कोर्ट उसे सुरक्षात्मक हिरासत में रख सकता है, और यदि वह अपराध के समय बालक पाया जाए, तो उसे आगे की कार्रवाई के लिए किशोर न्याय बोर्ड के पास भेजा जाए।

बचाव रणनीति तैयार करने को भी दी जा सकती है जमानत

प्रयागराज, अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत के आधारों पर विचार करते हुए एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि यदि अभियुक्त को अपने बचाव की रणनीति तैयार करनी हो, अपने पक्ष के साक्ष्य जुटाने हों या गवाहों से संपर्क साधना हो, तो यह परिस्थितियाँ जमानत देने का वैध और न्यायसंगत आधार बन सकती हैं, जबकि मुकदमे में अभियोजन की गवाही समाप्त हो चुकी हो या समाप्ति के करीब हो।

यह महत्वपूर्ण आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट की एकलपीठ ने 18 जमानत आवेदनों पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रभावी बचाव का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई का अभिन्न हिस्सा है और यह जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार से सीधा जुड़ा हुआ है। कोर्ट ने माना कि अभियुक्त को अपने अधिवक्ता से परामर्श करने, अपने साक्ष्य एकत्र करने और बचाव की योजना बनाने का अवसर देना न्यायिक प्रक्रिया की अनिवार्य शर्त है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में जमानत देने का उद्देश्य अभियुक्त को राहत देना नहीं, बल्कि न्याय के संतुलन को बनाए रखना है।

फर्जी डिग्री बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच आरोपी गिरफ्तार किए

सहारनपुर, एजेंसी

- आरोपियों के कब्जे से 240 नकली अंकपत्र बरामद

जिले की सदर बाजार थाना पुलिस और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने मंगलवार को फर्जी डिग्री और अंकपत्र तैयार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उनके कब्जे से 240 नकली अंकपत्र बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक (नगर) व्योम बिंदल ने बताया कि सोमवार को गोविंद नगर निवासी अश्विनी कुमार ने पुलिस को दी गई अपनी तहरीर में आरोप लगाया था कि जिले के जनता रोड निवासी रिंकू कुमार, ग्राम हरपाल निवासी जसबीर उर्फ काला और अन्य अज्ञात लोगों ने फर्जी अंकपत्र लेकर 70 हजार रुपये ठग लिए। शिकायत में कहा गया कि आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। इस शिकायत पर सदर बाजार पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। बिंदल ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 240 नकली अंकपत्र, चार लैपटॉप, 10,500 रुपये, नौ मोबाइल फोन और एक कार बरामद की गई। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों की पहचान पर्वत कुमार, सिद्धार्थ शंकर और अक्षय देव के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने नकली डिग्री और अंकपत्र तैयार कर बेचने वाले गिरोह संचालित किए जाने की बात स्वीकार की। बिंदल ने बताया कि आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे लखनऊ, दिल्ली, मेरठ, नगालैंड और उत्तराखंड में अपने संपर्कों के माध्यम से फर्जी दस्तावेज तैयार करवाते थे और पाठ्यक्रम के हिसाब से डिग्री चाहने वालों से 30,000 रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक वसूल करते थे। उन्होंने कहा कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक से टकराई पिकअप चालक समेत तीन की मौत

संवाददाता, गजरौला/पीलीभीत

अमृत विचार: असम हाईवे पर गजरौला के पास ट्रक, पिकअप और डीसीएम की टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसा मंगलवार शाम 8 बजे के बाद कस्बा गजरौला में थाना से कुछ दूरी पर हुआ। एक डीसीएम पूरनपुर से पीलीभीत की तरफ आ रही थी, जो ट्रक टकरा गई। इस दौरान पिकअप सामने से आ रहे वाहन से टकराई। तीनों वाहन आपस में टकरा गए। पिकअप में सवार लोग वाहन में ही फंस गए। वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। कुछ ही देर में स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। बताते है कि पुलिस करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंची। इसके बाद वाहनों में सवार लोगों को बमुश्किल बाहर निकाला गया। हादसे में पिकअप सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में पिकअप चालक की पहचान बंडा शाहजहांपुर के निवासी पंकज (30), गाड़ी मालिक राजेंद्र निवासी रामनगर कॉलोनी बंडा शाहजहांपुर के रूप में हुई। जबकि एक अन्य मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस प्रयास कर रही है। इसके अलावा डीसीएम पर सवार एक संदीप विश्वकर्मा को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया है। एक मृतक की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे है। हादसा ओवरटेक करते समय हुआ। इसके अलावा स्पीड भी काफी अधिक बताई जा रही है।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त वाहन।

- कस्बा गजरौला के पास हुआ हादसा, सीओ और एआरटीओ पहुंचे, एक गंभीर

शिक्षामित्रों की मानदेय वृद्धि अब मंत्रिमंडल के विचाराधीन

प्रयागराज, अणृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परिषदीय शिक्षकों और शिक्षामित्रों के मानदेय में वृद्धि से संबंधित आदेश के अनुपालन को लेकर दाखिल अवमानना याचिका का निस्तारण कर दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा गठित समिति ने अपना कार्य पूरा कर लिया है और अब मामला मंत्रिमंडल के विचाराधीन है।

यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकलपीठ ने वाराणसी के विवेकानंद की अवमानना अर्जी पर पारित किया। कोर्ट द्वारा जितेन्द्र कुमार भारती बनाम भारत संघ एवं अन्य में 12 जनवरी 2024 को पारित निर्देशों के अनुपालन में राज्य सरकार ने उच्च अधिकारियों की एक समिति गठित की थी। इस समिति को परिषदीय कर्मियों के मानदेय को सम्मानजनक स्तर तक बढ़ाने के संबंध में प्रस्तुत निवेदनों पर विचार करने का दायित्व सौंपा गया था। बाद में न्यायालय ने 18 सितंबर 2025 को राज्य सरकार के अपर मुख्य सचिव (बेसिक शिक्षा विभाग) से अनुपालन शपथपत्र मांगा था।

रुद्रपुर में मिला शिक्षिका का जला शव, हत्या की आशंका

संवाददाता, रुद्रपुर

- लिव इन में रह रहे कथित पति को हिरासत में लिया

अमृत विचार: कोतवाली इलाके की पॉश कॉलोनी में उस वक्त सनसनी फैल गई जब 53 वर्षीय सरकारी स्कूल की शिक्षिका का जला हुआ शव कमरे में पड़ा मिला। हैरानी की बात यह है कि दिनदहाड़े हुई इस वारदात के दौरान किसी भी पड़ोसी ने महिला की चीख पुकार तक नहीं सुनी।

सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और संदेहास्पद लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे तथाकथित पति को भी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार कौशल्या फेज-दो के मकान नंबर 35 ए में सरकारी स्कूल की टीचर 53 वर्षीय सुषमा पंत अपने तथाकथित पति के साथ रहती थी।

रोजमर्रा की भांति शिक्षिका ने दिनचर्या का कार्य किया। अचानक साढ़े 11 बजे तथाकथित पति आया और शोर मचा कर बताया की उसकी पत्नी यानी सुषमा पंत का जला हुआ शव बिस्तर पर पड़ा हुआ है। इसके बाद कॉलोनी में हड़कंप मच गया और पलक झपकते ही इलाका पुलिस वाहनों के हूटर से गूंज उठा। इस दौरान फॉरेंसिक टीम के दरोगा सत्यप्रकाश रायपा और एसएसआई नवीन बुधानी ने देखा कि शिक्षिका का जला शव बिस्तर के नीचे पड़ा हुआ है और बिस्तर भी जला पड़ा है। प्रारंभिक पूछताछ में जब ज्यादातर पड़ोसियों ने तथाकथित पति पर गंभीर आरोप-प्रत्यारोप लगाना शुरू किए तो पुलिस ने संदेहास्पद मानते हुए आरोपी पति को भी हिरासत में ले लिया और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी तथाकथित पति से पूछताछ भी शुरू कर दी है, लेकिन हर कोई घटना को लेकर हैरानी और शिक्षिका के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त कर रहा था। स्थिति को देखते हुए पुलिस भी हत्या मान रही है और हत्या व आत्महत्या की दिशा में तफ्तीश शुरू कर दी है।

टीम के पहुंचने से पहले ही छात्राओं को मदरसा प्रबंधन ने रटाए जवाब

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : छात्रा के परिजनों से वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगने वाले मदरसा जामिया अहसानुल बनात के हॉस्टल में रहने वाली की छात्राओं ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम और चाइल्ड लाइन टीम को एक ही जैसा रटे रटाए जवाब दिए। टीम के सदस्यों ने मदरसा हॉस्टल में रहने वाली 8 से 10 छात्राओं से अलग अगल बात की लेकिन परिणाम एक ही जैसा निकला। छात्राओं के जवाब से टीम के सदस्यों को लगा कि मदरसा संचालक द्वारा छात्राओं को पहले से ही समझाया गया है। टीम ने छात्राओं के संबंधित दस्तावेज और उनकी सुरक्षा में रहने कर्मचारियों का डाटा मांगा। इस पर मदरसा प्रबंधन कमेटी ने टीम को डेटा देने लिए दो दिन का समय मांगा है। जिसके कारण जांच करने वाली डीएम अपनी रिपोर्ट अगले सप्ताह दे पाएगी।

जनपद से लेकर प्रदेश और देश प्रदेश में छात्रा का उसकी मां से वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगने वाले मदरसा सुर्खियों में बना हुआ है। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने मदरसे में रहने वाली छात्राओं की सुरक्षा प्रबंध परखने और मदरसा स्तर पर उसके संचालन की जांच के लिए सभी संबंधित विभाग के अध्यक्षों को टीम में शामिल किया है। इस क्रम मंगलवार को जिला अधिकारी अनुज सिंह के निर्देश पर (एएचटीयू) एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी जेएल वर्मा, बाल कल्याण समिति से बबीता सिंह और अमित सिंह व चाइल्ड लाइन से शाहनवाज हुसैन ने मदरसा में पहुंचकर उसके हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं से उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल पूछे और उनके रहने सहने और पढ़ाई से संबंधित जानकारी ली। सभी छात्राओं ने अपना नाम पता और मदरसे में दीनी तालीम हासिल करने के अलावा कुछ नहीं बताया। टीम ने 8 से 10 छात्राओं से बात की थी, लेकिन सेभी छात्राओं को जैसे पाठ पढ़ाया हो ऐसा मालूम पड़ रहा था। क्योंकि सभी के जवाब एक समान थे।

मदरो में मौजूद एएचटी यूनिट, बाल कल्याण समिति व चाइल्ड लाइन के शाहनवाज हुसैन।

- मदरसे के हॉस्टल में रहने वाली सभी छात्राओं ने दिए टीम को एक जैसे जवाब

संवाद

मुख्यमंत्री धामी ने मुनस्यारी में जनता और जवानों से किया आत्मीय संवाद

जनसेवा और सीमाओं की सुरक्षा, यही उत्तराखंड की पहचान

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, जनसेवा और सीमाओं की सुरक्षा, यही उत्तराखंड की पहचान है। मंगलवार को विकासखंड मुनस्यारी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय जनता और जवानों के साथ आत्मीय संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचे और सीमांत क्षेत्रों के लोगों को बुनियादी सुविधाएं सुलभ हों। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि सरकार निरंतर सीमांत अंचलों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने आईटीबीपी की 14वीं बटालियन, मुनस्यारी पोस्ट का भ्रमण कर जवानों से मुलाकात कर सीमाओं की सुरक्षा में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने सैनिकों से कहा कि, आपके त्याग, अनुशासन और समर्पण से ही देश सुरक्षित है। एक अन्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों से भेंटवार्ता की। मुख्यमंत्री ने अपने कॉलेज के पुराने मित्रों से भी भेंट की।

मंगलवार को जागेश्वर धाम पहुंचे सीएम धामी ने स्थानीय श्रद्धालुओं से भेंट की।

जागेश्वर धाम को मिलेगा भव्य और दिव्य स्वरूप

अल्मोड़ा : मुख्यमंत्री धामी ने मंगलवार को अल्मोड़ा में प्रसिद्ध तीर्थस्थल जागेश्वर धाम में पूजा-अर्चना की। साथ ही 76.78 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एवं स्वीकृत छह विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि, जागेश्वर धाम हमारी आस्था और विश्वास का केंद्र है, इसे दिव्य और भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए सभी संबंधित विभाग संपूर्ण समन्वय के साथ कार्य करें।

रेल मंत्रालय ने दी स्वीकृति

देहरादून : रेल मंत्रालय ने उत्तराखंड को सौगात दी है। देहरादून-टनकपुर एक्सप्रेस अब सप्ताह में तीन दिन चलेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री धामी को स्वीकृति पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय उत्तराखंड वासियों के लिए एक महत्वपूर्ण और जनहितकारी सौगात है। देहरादून से कुमाऊं क्षेत्र के यात्रियों को अब अधिक सुगम और नियमित रेल सेवा उपलब्ध होगी।

मुर्मू विस को और मोदी जनता को करेंगे संबोधित

देहरादून, अमृत विचार: उत्तराखंड गठन के 25वें वर्ष में प्रवेश के स्वागत को पूरा राज्य उत्साहित है। पहली बार यहां देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 3 नवंबर को विधानसभा को और उसके ठीक एक सप्ताह बाद प्रधानमंत्री मोदी जनता को संबोधित करेंगे। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों के कार्यक्रमों को दृष्टिगत रखते हुए सभी तैयारी व्यापक रूप से संचालित की जा रही हैं। सूत्रों ने बताया कि विधानसभा का दूसरी बार विशेष सत्र हो रहा है। राष्ट्रपति इस सत्र को संबोधित करेंगी। इससे पहले वर्ष 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने विशेष सत्र को संबोधित किया था।

सरकार के खिलाफ टिप्पणी पर सुलतानपुर के सीएमएस निलंबित

सुलतानपुर, एजेंसी

जिले में एक सरकारी अस्पताल के प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) को प्रदेश सरकार के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि एक वीडियो सामने आया है जिसमें प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भास्कर प्रसाद अस्पताल में अव्यवस्था को लेकर कुछ राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के साथ बहस के दौरान राज्य सरकार के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए दिख रहे हैं। यह विवाद शनिवार को तब शुरू हुआ जब कई राजनीतिक दलों के सदस्य बिरसिंहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और उन्होंने वहां दवाओं की कथित कमी एवं चिकित्सकों की अनुपस्थिति को लेकर चिंता जताई। शिकायतकर्ताओं ने कहा कि वह कथित अव्यवस्था के विरोध में मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) एवं सीएमएस के पुतले जलाएंगे। इसी दौरान प्रसाद ने शिकायतकर्ताओं से कथित तौर पर कहा कि मेरा पुतला मत जलाओ, सरकार का पुतला जलाओ। इस विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्थानीय विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने घटना का संज्ञान लेते हुए इस मामले में कार्रवाई किए जाने की मांग की।

घर में अकेली महिला की हंसिया से गला रेतकर हत्या

मुख्य द्वार पर लगाया ताला और मोबाइल भी ले गया हत्यारा, मृतका के मायके वालों ने पति और ससुरालियों पर दर्ज कराया दहेज हत्या का केस

अनीता की मौत के बाद कालोनी के घर पर विलाप करते परिजन। ● अमृत विचार

कालोनी में बने नए मकान के इसी मुख्य द्वार पर लगाया था ताला। ● अमृत विचार

देर रात घटनास्थल पर पहुंचे एसपी उत्तरी मुकेश चन्द्र मिश्र। ● अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : हाईवे पर स्थित ओम सिटी कॉलोनी में मंगलवार को एक विवाहिता की निर्मम हत्या कर दी गई। हत्यारे ने गला रेतकर महिला की जान ले ली और फरार होते समय घर के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया। साथ ही मृतका का मोबाइल फोन भी लेकर भाग गया। सूचना पाकर पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच शुरू कर दी है। रात में मायके वालों ने पति और ससुरालवालों के खिलाफ दहेजहत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

मृतक अनीता

जानकारी के अनुसार, हाफिजगंज क्षेत्र के ग्राम कमुआ निवासी जमुना प्रसाद का पुत्र अनिल अपनी पत्नी अनीता (21) और छोटे भाई सचिन के साथ ओम सिटी कॉलोनी में रहता है। मंगलवार सुबह अनिल ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर काम पर निकल गया, जबकि सचिन नगर स्थित एक निजी अस्पताल में ड्यूटी पर चला गया। उस समय घर में अनीता अकेली थी। शाम को ड्यूटी से लौटे सचिन ने घर के बाहर ताला लगा देखा तो पहले यही सोचा कि अनीता कहीं बाहर गई होगी। काफी देर इंतज़ार और भाई को सूचना देने के बाद संदेह होने पर ताला तोड़ा गया। अंदर कमरे में प्रवेश करते ही अनीता का खून से लथपथ शव देखकर परिजन सन्न रह गए। पास में एक हंसिया पड़ा मिला, जिसका फल टेढ़ा था, जिससे आशंका है कि अनीता ने प्रतिरोध किया होगा।

अनीता की शादी को अभी मात्र 11 माह हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही मायके पक्ष में कोहराम मच गया। मां व परिवारजन रो-रोकर बेहाल हैं। सूचना पर पहुंचे कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने निरीक्षण कर फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। इसी दौरान एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र भी घटनास्थल पहुंचे और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस हत्या के कारणों और हत्यारे की तलाश में जुटी हुई है।

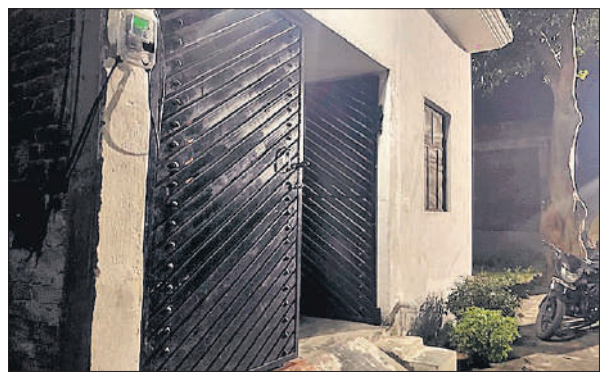

ओम सिटी में विवाहिता अनीता की हत्या में नजदीकी का हाथ होने की आशंका

नवाबगंज: ओम सिटी कॉलोनी में हुई विवाहिता अनीता की निर्मम हत्या के पीछे किसी नजदीकी व्यक्ति की संलिप्तता मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार हत्यारा इस बात से भली-भांति अवगत था कि घटना के समय अनीता घर पर अकेली थी। दोनों के बीच पहले से जान-पहचान होने की भी आशंका है। इसी कारण उसने मुख्य द्वार खुलवाकर घर में प्रवेश किया और हंसिया से गला रेतकर उसकी हत्या कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि आरोपी वारदात के बाद मुख्य गेट पर ताला लगाकर मौके से बेखौफ फरार हो गया। सूचना पर पुलिस अधीक्षक उत्तरी देर रात ही मौके पर पहुंच गए। फॉरेंसिक टीम के आने तक पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही विधायक के अनुज लेखराज गंगवार सहित बड़ी संख्या में लोग भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है तथा हत्यारे की तलाश जारी है।

कालोनी में दूर-दूर बने 15 मकान, हत्यारे को वारदात कर भागने में हुई आसानी

नवाबगंज: मोहल्ला छोड़कर नईकालोनी में अपना मकान बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति ने पड़ोसी को भी अनजान बना दिया है। क्षेत्र की ओम कालोनी तो अभी विकसित ही हो रही है। अनिल ने यहां अपना नया मकान बनवाया। उसकी अपनी ट्रैक्टर ट्रॉली थी जिससे वह मिट्टी उठाने का काम करता था। उसके साथ छोटा भाई भी रहता था। वह एक निजी अस्पताल में कंपाउडर है। अनिल दो भाई हैं और गांव में पिता के पास दो एकड़ जमीन है। संपन्न घर में आई अनीता के पिता जगदीश गंगवार की मृत्यु तीन साल पहले हो चुकी थी। वह तीन बहनें और एक भाई हैं। सभी की शादी हो चुकी है। 11 माह पूर्व शादी के बाद अनीता नए मकान में रहने आ गई थी। नई कालोनी विकसित हो रही थी लेकिन यहां दूर दूर तक कम ही मकान बने हैं, आसपास खाली प्लॉट अधिक होने से भी हत्यारे को आसानी से भागने में आसानी हुई। कोई पड़ोसी नहीं होने से शोर शराब और चीख पुकार भी किसी को सुनाईनहीं दी। इसी सुनसान माहौल का फायदा उठाकर हत्यारा आसानी से निकल गया।

न्यूज ब्रीफ

किसानों ने लगाया रुपये छीनने का आरोप

आंवला, अमृत विचार : टैम्पो से मिर्च बेचकर घर लौट रहे किसानों ने बाइक सवार पांच लोगों पर मारपीट कर रुपये छीनने का आरोप लगाया है। किसान ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घटना मारपीट की बताई है। तिगरा खानपुर गांव निवासी सुरेश पाल ने बताया कि सोमवार देर रात वह भाई गुलाब सिंह और भतीजे नितिन के साथ 5 क्विंटल 77 किलो हरी मिर्च बेचने सिरौली के गांव संग्रामपुर गया था। मंगलवार की सुबह वापस लौटते समय रामनगर गांव से निकलते ही दो बाइकों पर सवार 5 लोगों ने टैम्पो का शीशा तोड़कर उन्हें रोककर मारपीट कर उससे 13 हजार 8 सौ रुपये, एक मोबाइल और उसके भाई से दो हजार रुपये छीन लिए। इंस्पेक्टर आंवला कुंवरबहादुर सिंह ने बताया कि टैम्पो बाइक से आगे निकालने को लेकर दोनों पक्षों में मारपीट हो गयी थी। दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया है।

बीएलओ का प्रशिक्षण आज से

मीरगंज, अमृत विचार : विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का द्वितीय चरण संपन्न कराने के लिए बी एल ओ / सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में एसआईआर (विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण) के लिए बीएलओ और सुपरवाइजर को बुधवार से तहसील सभागार में प्रशिक्षण दिया जाएगा। ये जानकारी एसडीएम आलोक कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि मीरगंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन नामावलियों के सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को बुधवार को तहसील सभागार में प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी समय से अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करेंगे। प्रशिक्षण अनुपस्थित रहने वाले बीएलओ/ सुपरवाइजरों का एक दिन के वेतन/ मानदेय की कटौती की जाएगी।

युवक के साथ मारपीट

भुता। थाना क्षेत्र के गांव रुपियापुर में पुरानी रंजिश को लेकर गांव के दबंगों ने युवक के साथ गाली गलौज कर धारदार हथियार से हमला कर घायल किया है। पीड़ित प्रमोद के भाई अनुरोध कुमार की तहरीर पर गांव के हरीश, धर्मेंद्र व मोहनलाल के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ट्यूलिया में सड़क हादसा, युवक की मौत

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : टियूलिया अंडरपास पर बीती रात हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मगरासा गांव निवासी अभिषेक कुमार (27) अपने दोस्त राजा की बहन की शादी में शामिल होने के लिए एक बैंक्वेट हॉल आया था। देर रात वह अपनी बुआ के घर परधोली गांव जा रहा था और रास्ते में हादसे का शिकार हो गया। बताया जाता है कि नेशनल हाइवे 24 पर ट्यूलिया अंडरपास के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे अभिषेक की मौके पर ही मौत हो गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने आधार कार्ड के माध्यम से युवक की पहचान की। अभिषेक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। उसकी मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया।

डबल डेकर बस की टक्कर से घायल, भर्ती

नवाबगंज। नवाबगंज से जयपुर के लिए चलने वाली डग्गामार डबल डेकर बस ने। दलेलनगर में बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार चमन पुत्र तेज़राम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बरेली में निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया।

परचून की दुकान में लगी आग से नुकसान

संवाददाता, रिठौरा

● नगदी सहित घी तेल, दाल बारदाना सभी कुछ हुआ राख

अमृत विचार : हाफिजगंज के गांव भंडसर में बीती रात्रि में रामदास किराना स्टोर में बिजली के शार्ट सर्किट से परचून की दुकान में आग लग गई। इससे दुकान में रखा घी तेल सहित किराने के सामान के साथ नकदी भी जल गई। आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

गांव में रामदास के मकान में बाहरी हिस्से में परचून की दुकान चलाकर परिवार का पालन पोषण करते हैं। रात में किसी समय शार्टसर्किट से निकली चिंगारी से दुकान में आग लग गई। इससे दुकान में रखा लाखों रुपये का तेल, घी, दाल, मेवा एवं अन्य सामान, फ्रिज, इन्वर्टर, बैटरा हजारों की नगदी आदि जलकर स्वाहा हो गई।

पीड़ित रात्रि में उठा तो घर में बिजली नहीं जल रही थी और तेज धुंआ उठ रहा था। उसने परिजनों को उठाया तब तक दुकान में रखा सामान, नगदी सब कुछ जलकर स्वाहा हो चुका था। हादसे की सूचना ग्राम प्रधान पति मोहम्मद इरफान उर्फ नन्हें को दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले की तहरीर भी पीड़ित की ओर से पुलिस को दी गई है।

आग लगने से नष्ट हुआ दुकान का समान

दो सगे भाइयों पर जानलेवा हमला

मीरगंज, अमृत विचार: गांव दियोरिया अब्दुल्लागंज के मझरा अब्दुल्लागंज निवासी गेंदन लाल ने तहरीर मे कहा कि उसके पुत्र जितेंद्र पाल व भूपेंद्र सोमवार की देर रात्रि देवी जागरण में जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाये बैठे सोनू, प्रमोद ,दिनेश, सत्यपाल और ललित कुमार ने दोनो भाइयों को रोक कर गालियां दी और लाठी डंडों एवं तमंचा की बटों से मारपीटकर गंभीर घायल कर गला दबाकर जान से मारने की प्रयास किया इससे दोनों पुत्र गंभीर घायल हो गये। गेंदन लाल की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रिछा के नौ विद्यालयों को बंद करने का नोटिस

देवरनियां: ब्लॉक रिछा में बिना मान्यता चल रहे विद्यालयों के प्रति महकमे की नजरें टेढीं हो गई हैं। बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों को बंद करने की नोटिस जारी करते हुए तीन दिन में स्कूल संचालकों से जवाब मांगा गया है। साथ ही स्कूल का संचालन बंद नहीं करने पर संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की चेतावनी दी गई है।

बीईओ को बिना मान्यता स्कूल संचालन होने की जानकारी मिल रही थी। इसी के बाद ब्लाक के नौ स्कूलों को नोटिस जारी तीन दिन में जवाब मांगा गया है। इसके अलावा मान्यता से इतर (ऊपर) कक्षाएं चलाने वालों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है। ब्लाक में चल रहे अमान्य स्कूलों ने कांवेंट का बोर्ड लगाकर ग्रामीणों को अच्छी शिक्षा देने का लालच देकर हर महीने फीस वसूल रहे हैं। इससे परिषदीय स्कूलों में बच्चे कम हो रहे हैं। बीईओ जगदीश कुमार ने बताया कि अमान्य स्कूलों को नोटिस जारी किये गये हैं। मानक से कम शिक्षक होने की जांच है। अवकाश से लौटने पर उसे भी देखूंगा।

जेवरों से भरे बैग के मालिक को तलाश कर लौटाया

आंवला, अमृत विचार: कलयुग में भी ईमानदारी कायम है। एक व्यक्ति ने सडक पर मिले लाखों रुपये कीमत के जेवर और नकदी से भरे बैग को मालिक तलाश कर उसे वापस लौटा दिया। इस ईमानदारी की मिशाल की कस्बे में चर्चा बनी हुई है।

कस्बे के मोहल्ला कालीधाम निवासी भोलेराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सोमवार सुबह करीब 10 बजे वे पुरैना से बाइक द्वारा घर लौट रहे थे। उनकी बाइक पर बंधा बैग किसी तरह खुलकर गिर गया। जिसमें करीब 10 तोला सोने और आधा किलो चांदी के जेवर एवं 40 हजार रुपये नकद रखे थे। इस बीच मोहल्ला लठैता निवासी सपले सिंह चौहान को बैग मिलने पर उन्होंने भोलेराम को इसकी जानकारी दी और घर बुलाकर बैग चेक कराकर संपूर्ण जेवर व नकदी उन्हें लौटा दी। बैग वापस मिलने पर भोलेराम की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सपले सिंह चौहान ने बताया कि बैग में करीब 14 लाख रुपये मूल्य के जेवर और नकदी थी। यह उन्हें मिला तो उन्होंने इसे दूसरे की अमानत समझकर ही उठाया। उनके मन में कहीं भी लालच नहीं जागा। एक पल जेवर मिलने की खुशी तो हुई लेकिन फिर मन में आया कि दूसरे की मेहनत की कमाई से स्वयं की खुशी टिकाऊ नहीं होती है।

आंवला में जेवरों से भरा बैग चेक करता पीड़ित व्यक्ति। ● अमृत विचार

निरीक्षक की जांच में सुनरासी कोटेदार दोषी

संवाददाता, आंवला

● कोटेदार पर धारा 3/7 का दर्ज होगा मुकदमा

अमृत विचार : गरीबों को मिलने वाले अनाज की कालाबाजारी करने वाले कोटेदार के खिलाफ ग्रामीणों की शिकायत जांच में सही पाई गई है। जांच में कोटेदार अनाज की कालाबाजारी करने में दोषी निकला है। अब डीएम ने कोटेदार के खिलाफ एफआईआर कराने के आदेश दिये हें। पूर्ति निरीक्षक ने धारा 3/7 के तहत मामला दर्ज करने को तहरीर दी है।

पूर्ति निरीक्षक आंवला द्वारा बीती 25 अक्टूबर को ब्लॉक रामनगर की ग्राम पंचायत सुनरासी के उचित दर विक्रेता सत्य कुमार सिंह की गई आकस्मिक जांच में विक्रेता की दुकान पर गेहूं, चावल और चीनी का स्टॉक शून्य पाया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रेता ने बयान दिया कि उसकी दुकान में कोई भी खाद्यान्न नहीं है और किसी अन्य स्थान पर भी कोई स्टॉक नहीं है। वहीं जांच के उपरांत पाया गया कि विक्रेता की दुकान में 15.58 कुन्तल गेहूं और 23.22 कुन्तल चावल, कुल 38.80 कुन्तल खाद्यान्न एवं 0.57 कुन्तल चीनी होनी चाहिए। जोकि मौके पर नहीं पाये गये। विक्रेता ने ई-पॉस मशीन में कार्डधारकों के नाम पर वितरण अंकित कर लिया। जबकि वास्तविक वितरण में मनमर्जी से खाद्यान्न वितरित किया गया। उचित दर विक्रेता द्वारा लगभग 38.80 कुन्तल राशन की कालाबाजारी कर अवैध कमाई की गयी है। पूर्ति निरीक्षक आंवला ने डीएम की अनुमति के उपरांत कोटेदार के खिलाफ धारा 3/7 के तहत कार्रवाई के लिए सिरौली थानाध्यक्ष को शिकायत दी है।

खाद्यान्न की कालाबाजारी में बरेली शहर में भी कोटेदार के खिलाफ धारा 3/7 पर रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है।

चिकित्सा शिविर में किया पशुओं का इलाज

अमृत विचार IMPACT

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : गांव सुकटिया में मंगलवार को पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। पशु चिकित्सालय शेरगढ़ की चिकित्सा टीम ने गांव में भ्रमण कर बीमार पशुओं का उपचार किया। इस दौरान लंपी रोग से बचाव को वैक्सीनेशन किया। सोमवार के अंक में अमृत विचार ने सुकटिया गांव में पशुओं के मुंहपका खुरपका रोग से ग्रस्त होने और उनके मौत होने की खबर प्रकाशित की थी।

मंगलवार को सुकटिया गांव में पशुओं का टीकाकरण करती टीम।

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ समर राही के नेतृत्व में मंगलवार को गांव सुकटिया पहुंची चिकित्सकों की टीम ने पशुपालकों को पशुओं का टीकाकरण कराने को जागरूक किया। पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि बरसात के बाद अक्सर पशुओं में फुटरायट नामक बीमारी अपने पैर पसारने लगती है जो तकरीबन मुंहपका-खुरपका रोग से मिलती-जुलती होती है।

उन्होंने बताया कि पशुपालक पशुओं में किसी प्रकार की बीमारी होने पर स्थानीय पशु चिकित्सालय पर संपर्क कर चिकित्सा सेवा का लाभ उठाएं।

Medical Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
भगन्दर गांठ Piles in Men
डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें। | अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैंने अपने पुत्र कन्हैया उर्फ अवधेश पुत्र श्याम सिंह को चाल चलन ठीक न होने, परिवार वालों से लड़ाई, झगड़ा करने के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में किसी भी कृत्य का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **सरोजनी देवी पत्नी श्याम सिंह, श्याम सिंह पुत्र संकटा सिंह निवासी मोहल्ला ऊंची भूड़ गोला गोकर्णनाथ, जिला- खीरी।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित करना है कि मेरा पुत्र प्रदीप कुमार पुत्र भगवान दास व पुत्रवधू श्रीमती संगीता पत्नी प्रदीप कुमार पुत्री धर्मपाल निवासी ग्राम डहरपुर खुर्द परगना सलेमपुर थाना व तहसील दातागंज जिला बदायूं मेरी व मेरी परिवार की बात नहीं मानते हैं तथा गलत आचरण में पड़ गये हैं। उपरोक्त दोनों लोगों द्वारा किसी भी कृत्य व लेन देन के लिए मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा इसी लिए मैने उपरोक्त दोनों लोगों से सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। **भगवान दास पुत्र रामकिशुन निवासी ग्राम डहरपुर खुर्द परगना सलेमपुर तहसील व थाना दातागंज जिला बदायूं**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के अंक पत्रों में माता का नाम भूलवश प्रिया अंकित हो गया है जोकि गलत है जबकि उनका सही नाम बेबी है। ये दोनों नाम मेरी माता के ही है। भविष्य में माता का नाम बेबी ही पढ़ा व समझा जाये। **ध्रुव सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह निवासी लोटनपुर बदायूँ।**

सम्बन्ध विच्छेद सूचना
मैंने अपने पुत्र आकाश शर्मा व पुत्रवधू छोटी देवी पत्नी आकाश शर्मा को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति व सामाजिक रिश्तों से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे किसी भी प्रकार का कोई सरोकार नहीं होगा। **गोविन्द शर्मा पुत्र सियाराम शर्मा निवासी- मोहल्ला रंगरेजान-2, पलिया कलां, खीरी।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. इमरान को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **शाहिदा पत्नी शाबू हसन निवासी 263 सरदार नगर घाट बरेली तहसील आंवला जिला बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अर्पित सक्सेना व पुत्रवधु बरखा अग्रवाल को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **राजेश बाबू सक्सेना पुत्र स्व. बी.डी. सक्सेना निवासी 122-डी/1, राजीव कुंज कालोनी, आई वी.आर.आई. रोड, थाना प्रेमनगर जिला बरेली।**

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
● लाइब्रेरियन (अनुभवी)
● लैब टेक्नीशियन (अनुभवी)
● ओ टी टेक्निशियन (फीमेल)
● नर्सिंग स्टाफ (मेल)
● कैंटीन (कुक)
● सफाईकर्मी/स्वीपर
वेतन:- योग्यतानुसार
सम्पर्क करें:-
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो:- 8077808309, 9837357497

GAUTAM BUDDH COLLEGE OF PHARMACY
ग्राम फिरोजपुर, बल्लिया, आंवला, बरेली (उ.प्र.)
आवश्यकता (VACANCY NOTICE)
पदनाम : प्राचार्य (01 पद)
योग्यता एवं वेतनमान:
फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), नई दिल्ली के मानकों के अनुसार।
इच्छुक अभ्यर्थी अपना बायोडाटा (CV) 07 दिनों के भीतर निम्न ईमेल पर भेजें
gbcollegeofpharmacy@gmail.com
संपर्क करें : +91 9634543118

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

देवी भागवत में सुनाई दुर्योधन की कथा

बरेली, अमृत विचार : डेंटल कॉलेज रोड स्थित श्री मनोकामना वैष्णो धाम मंदिर श्रीमद् देवी भागवत कथा के पांचवे दिन मंगलवार को महामात्य का प्रसंग कथा व्यास पंडित त्रिपुष्कर शास्त्री ने सुनाया। उन्होंने दुर्योधन की कथा, नवरात्र व्रत का विधान, श्री राम का चरित्र वर्णन और श्रीराम द्वारा देवी आराधना, श्री राम को अष्टमी की रात्रि देवी का दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करना आदि कथाएं सुनाई। कथा में प्रमुख रूप से राजेश प्रकाश अग्रवाल, मुक्त सक्सेना, विकास वर्मा, कमल प्रकाश अग्रवाल, अजय कुमार शर्मा, केके अग्रवाल, वैभवदीप गुप्ता, राजकुमार अग्रवाल, दीपक शंखधर आदि लोग मौजूद रहे।

मंडल की सीनियर फुटबॉल टीम का चयन

बरेली, अमृत विचार : खेल निदेशालय की ओर से कानपुर में 30 अक्टूबर से 6 नवंबर तक प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। स्पोर्ट्स स्टेडियम में प्रतियोगिता के लिए मंडल की टीम के ट्रायल हुए, जिसमें बरेली के नमन सैनी, मो . उजैर, शिव प्रकाश, शाश्वत, तरुण चौहान, मिहिर देव, अभिषेक बिष्ट, हर्षित वार्ने, सचिन, हर्ष बिष्ट, युगांक आर्या, हर्षित सिंह शाही और शाहजहांपुर के आयुष, सत्यम सिंह तथा पीलीभीत के आकाश वर्मा, हरीश कुमार का चयन हुआ।

योग वाटिका में भूपेंद्र चौधरी ने किया पौधरोपण

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय में कुलपति निवास के पास स्थित योग वाटिका में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मंगलवार को पौधरोपण किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो . केपी सिंह, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, बहोरन लाल मौर्य, विधायक डॉ. डीसी वर्मा, एमपी आर्य सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी और शिक्षक शामिल रहे।

आत्मनिर्भर बन रहा भारत, स्वदेशी अपनाएं युवा : भूपेंद्र सिंह

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले- स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही आयात पर निर्भरता करनी होगी कम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- भाजयुमो बरेली ने अटल सभागार में आयोजित किया आत्मनिर्भर भारत युवा सम्मेलन
- भारत को ऐसा बनाना है जो अपने बाजार संग दुनिया के बाजारों को कर सके नियंत्रित

रुविवि के अटल सभागार में बोलते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: आत्मनिर्भर भारत युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने युवाओं से स्वदेशी अपनाने पर विशेष जोर दिया। भारत में बनी चीजों को इस्तेमाल करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, आज दूसरे देश भारत से रक्षा उपकरण खरीद रहे हैं, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था और मजबूत हो रही है। भारत आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होने के साथ आयात पर निर्भरता कम हो सके। साथ ही कहा, जब हम स्वदेशी अपनाते हैं तो निश्चित रूप से अपनी मिट्टी से जुड़ने का अनुभव करते हैं।

भाजयुमो बरेली की ओर से रोहिलखंड विश्वविद्यालय के अटल सभागार में मंगलवार को आयोजित सम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भारत को आत्मनिर्भर कैसे बनाएं और युवाओं का इसमें क्या योगदान रहेगा, इस पर विस्तार से जानकारी दी। कहा कि हम सभी को उन वस्तुओं का इस्तेमाल करना चाहिए, जिनको बनाने में भारत के लोगों का श्रम लगा है। हम सभी को ऐसा भारत बनाना है, जो अपने बाजार के साथ-साथ दुनिया के बाजारों को भी नियंत्रित कर सके। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि यह जन जागरूकता अभियान है। पार्टी ने बड़े स्तर पर युवा सम्मेलन, महिला सम्मेलन व किसान सम्मेलन के माध्यम से और घर-घर जागरूक करके इस अभियान को आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। नौजवानों को अपने व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देना होगा।

इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीन दयाल के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, सांसद छत्रपाल गंगवार, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, नवाबगंज विधायक डॉ. एमपी आर्य, मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा, विधान परिषद सदस्य बहोरन लाल मौर्य, कुंवर महाराज सिंह, पवन शर्मा, नीरेंद्र सिंह राठौर, मुकेश राजपूत, अंकित मौर्य, वीरपाल गंगवार, डॉ. निर्भय गुर्जर, अजय सक्सेना, अभय चौहान, अंकित शुक्ला, राहुल साहू, मीडिया प्रभारी अंकित माहेश्वरी, धर्म विजय गंगवार, रुद्र लक्ष्मीकांत अवस्थी, सूरज राठौड़, निशांत गंगवार, देवेंद्र तिवारी, अजय अरोड़ा, यशवंत चौधरी, अंकुश गुप्ता उपस्थित रहे।

एसआईआर से मतदाता सूची अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी होगी

बरेली, अमृत विचार : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा है कि एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) निश्चित रूप से भारत के निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए प्रारंभ किया है। अपनी मतदाता सूची को ठीक करने का चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने पूरे देश में एसआईआर लागू करने का जो निर्णय लिया है, भाजपा इस कदम और प्रक्रिया का स्वागत करती है। सर्किट हाउस में मंगलवार मीडिया से हुई बातचीत में भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि एसआईआर लागू होने के बाद प्रक्रिया और पारदर्शी व निष्पक्ष होगी। यह जनभागीदारी, तकनीकी रूपता, विश्वसनीय आंकड़ों के लिए अनिवार्य कदम है। इस प्रकिया का हम सबको समर्थन करना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, बिहार में एसआईआर लागू होने के बाद राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने भ्रम फैलाने का अभियान चलाया, लेकिन जब ड्राफ्ट प्रकाशित हुआ, उसके बाद कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, इससे ऐसा लगता है कि सांप सूंघ गया। यह लोग नकारात्मक एजेंडा चलाकर देश में भ्रम की स्थिति पैदा करने के साथ लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं। भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि मतदाता सूची में ऐसे भी नाम होते हैं, जो मृतक हैं, मूलस्थान बदलकर दूसरी जगह चले गए हैं। यह प्रक्रिया है मतदाता सूची को दुरुस्त करने की, इसमें भ्रम फैलाने का विपक्ष का एजेंडा है, यह लोग कोई साक्ष्य नहीं दे पाएंगे, केवल भ्रम फैलाने के लिए इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि सरकार ने एयरपोर्ट पर सुविधाएं देने के लिए बेहतर प्रयास किया है। कई एयरपोर्ट पर छोटे-छोटे विमान शुरू हुए हैं। तालाब पर कब्जे, जमीनों पर कब्जे, अराजकता, गुंडागर्दी, दंगों की समर्थक कौन सी पार्टी रही है, यह हम सब जानते हैं। आज कानून का राज है। हम लोग अनैतिक काम करने वाले के साथ खड़े नहीं होते हैं, जो अनैतिक काम करेगा, सरकार उसके खिलाफ विधि पूर्वक कार्रवाई करेगी। इस मौके पर ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य और जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

बरेली, अमृत विचार : सर्किट हाउस में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का जनप्रतिनिधियों ने पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान शहर के विकास पर चर्चा हुई। स्वागत करने वालों में कैंट विधायक एवं प्रदेश सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल, मीरगंज विधायक डॉ . डीसी वर्मा, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, बरेली जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, आंवला जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, डॉ . विनोद पागरानी, डॉ विमल भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में मनाया श्री राम जन्मोत्सव

माधव उपाध्याय।

बरेली, अमृत विचार: कटरा मानराय स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में रामकथा में मंगलवार को कथाव्यास माधव उपाध्याय ने श्री राम जन्म की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि राक्षसों का संहार करने के लिए भगवान विष्णु ने श्री राम अवतार लिया। इसके बाद मंदिर परिसर में श्री रामजन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर कमेटी की ओर से भक्तों के ऊपर पुष्प वर्षा की गई। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष अनिल ग्रोवर, उपाध्यक्ष गुलशन सेठी, व्यवस्थापक प्रदीप वर्मा, प्रेमहरि, इंद्रपाल सरपाल, कोषाध्यक्ष विपिन ग्रोवर सहित भक्त मौजूद रहे।

तीन केंद्रों पर हो रही डीएलएड की परीक्षा

- डायट फरीदपुर की निगरानी में 1100 प्रशिक्षु दे रहे परीक्षा

बरेली, अमृत विचार: डीएलएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं जिले में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, इस्लामिया बालिका इंटर कॉलेज और साहू गोपीनाथ कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित की जा रही हैं।

डायट प्राचार्य डॉ. दीप्ति वार्ष्णेय ने बताया कि परीक्षा में डीएलएड 2024 एवं 2023 बैच के लगभग 1100 प्रशिक्षु सम्मिलित हो रहे हैं। परीक्षा के बाद सभी केंद्रों से कॉपियों के बंडल डाइट फरीदपुर में जमा किए जा रहे हैं। सचल दल प्रभारी वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार ने बताया कि प्रतिदिन अभ्यर्थियों की उपस्थिति व अनुपस्थिति का विवरण निर्धारित वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। वरिष्ठ प्रवक्ता रोशनी सिंह और सौरव मिश्रा द्वारा प्रत्येक परीक्षा से पूर्व ट्रेजरी के डबल लॉक में सुरक्षित प्रश्नपत्रों को संबंधित केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य अनु पाराशरी, साहू गोपीनाथ कन्या इंटर कॉलेज में डॉ. गुड्डी पाल और इस्लामिया बालिका इंटर कॉलेज में चमन जहां को केंद्र व्यवस्थापक बनाया गया है। साथ ही प्रत्येक केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षक और सचल दल की उपस्थिति से परीक्षा बिना किसी व्यवधान के संचालित हो रही है।

डायट के कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी दिनेश कुमार सिंह, आकांक्षा सिंह और ज्योति को सौंपी गई है। प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 अक्टूबर तक चलेंगी, जबकि तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 30, 31 अक्टूबर और 3 नवंबर को इन्हीं केंद्रों पर आयोजित होंगी।

चौबारी मेला की तैयारियां तेज, क्षेत्र को चार जोन में बांटा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आठ सेक्टर बनाए, कानून व्यवस्था के दृष्टिगत प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी
- मेला क्षेत्र में 125 हैंडपंप लगाए, निगरानी को नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में टीम गठित

अमृत विचार: चौबारी स्थित रामगंगा नदी पर मेला लगवाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। संपूर्ण मेला क्षेत्र को चार जोन में बांटा गया है। इसके अन्तर्गत आठ सेक्टर बनाए गए हैं। कानून व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था के लिए चार जोनल मजिस्ट्रेट और 16 सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती 24 घंटे के लिए की गयी है।

जिलाधिकारी की ओर से मजिस्ट्रेट की ड्यूटी 1 नवंबर से 8 नवंबर तक लगाई गई है। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) देश दीपक सिंह को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट बनाया है। रिजर्व में दो जोनल मजिस्ट्रेट और चार सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए हैं। उप जिला मजिस्ट्रेट सदर को मेला मजिस्ट्रेट, तहसीलदार सदर को सहायक मेला मजिस्ट्रेट नामित किया है। अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम गोविंद मौर्य को अतिरिक्त मेला मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। तहसीलदार (न्यायिक) मीरगंज सुरभि राय को अतिरिक्त सहायक मेला मजिस्ट्रेट नामित किया। यात्रियों की सुविधा के लिए सिटी बस सर्विस के लिए एआरटीओ (प्रशासन) डॉ. पीके सरोज, संभागीय परिवहन अधिकारी पंकज सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। विद्युत व्यवस्था के लिए अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण ग्रामीण खण्ड द्वितीय ओम प्रकाश सिंह को नामित किया है। मार्गों की व्यवस्था के लिए अधिशासी अभियन्ता राज्य सेतु निर्माण निगम अरुण गुप्ता को जिम्मेदारी दी है। अग्निशमन व्यवस्था मुख्य अग्निशमन अधिकारी मनु पर्मा संभालेंगे। पेयजल की चेकिंग अधिशासी अभियन्ता जल निगम संजय कुमार करेंगे। पशु स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. मनमोहन पाण्डेय को नामित किया। मार्ग एवं दुकानों की व्यवस्था, घाटों की साफ-सफाई एवं लेबलिंग के लिए अधिशासी अभियंता, लोनिवि प्रांतीय खंड भगत सिंह एवं अधिशासी अभियन्ता, बाढ़ खंड नीरज कुमार को जिम्मेदारी दी है। खाद्य पदार्थों की जांच सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय अपूर्व श्रीवास्तव करेंगे। बदायूं- बरेली रोड रामगंगा पुल पर सड़क एवं परिवहन व्यवस्था के लिए तहसीलदार नवाबगंज दुष्यंत प्रताप सिंह व तहसीलदार बहेड़ी भानु प्रताप सिंह को नामित किया है। मेला में 125 हैंडपंप की स्थापना होगी। 16 बड़े जेनरेटर तथा 30 छोटे जनरेटर की व्यवस्था रहेगी। घाट पर टेंट, खोया-पाया केन्द्र, स्नान घाट पर चेंजिंग रूम की व्यवस्था, तैराकी टीम, गोताखोरों की व्यवस्था, एवं लाउडस्पीकर की व्यवस्था के लिए 19 प्रबंधकों की नियुक्ति की गई है। नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में निगरानी टीम गठित की गई है।

चौबारी मेले में बनेगा चार बेड का मिनी अस्पताल

बरेली, अमृत विचार : 1 से 8 नवंबर तक आयोजित होने वाले चौबारी मेले में स्वास्थ्य विभाग की टीम मुस्तैद रहेंगी। मेले में चार बेड का मिनी अस्पताल बनाया जाएगा, ताकि बीमार होने पर श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न हो। सीएमओ डॉ . विश्राम सिंह ने बताया कि चौबारी मेले में डॉक्टर के साथ ही अन्य स्टाफ की टीमें गठित कर दी गईं हैं। यहां तीन शिफ्टों में एक-एक डॉक्टर की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही दो एंबुलेंस भी 24 घंटे यहां तैनात रहेंगी। यहां एक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित होगा जिसमें चार बेड भी आरक्षित किए गए हैं। इसके बाद भी अगर किसी को गंभीर समस्या होगी तो उसे एंबुलेंस के माध्यम से तुरंत स्थानीय सीएचसी भेजकर उपचारित कराया जाएगा।

न्यूज डायरी

श्री गंगा कलश यात्रा का किया स्वागत

बरेली, अमृत विचार : श्री गंगोत्री धाम के गंगाजल से भगवान पशुपतिनाथ का विशेष जलाभिषेक करने के लिए ' 'श्री गंगा कलश यात्रा मंगलवार को गांधीनगर निवासी सुशील मित्तल आईटी प्रभारी ब्रजक्षेत्र के आवास पर पहुंची। कलश यात्रा का कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत किया। संजीव अग्रवाल ने रावल शिव प्रकाश महाराज का शॉल ओढ़ाकर कर स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सुशील मित्तल, राज बहादुर सक्सेना, अरुण कश्यप, अमरीश कठेरिया, रोहित राकेश, सचिन गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

आनंद आश्रम में संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया

बरेली, अमृत विचार : रामपुर गार्डन स्थित आनंद आश्रम में आनंद आश्रम ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को संकीर्तन मंडल के सदस्यों ने संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ किया। उसके बाद श्री सुंदर कांड सेवा समिति की ओर से आशुतोष शर्मा ने संगीतमय सुंदर कांड पाठ का गुणगान किया। मंदिर में राधा श्यामा तेरी कृपा बनी रहे, मिश्री से मीठे बोल, भजनों में भक्त झूमते हुए नजर आए। कार्यक्रम में समिति के मंत्री अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, शशि कांत मोदी, सुंदर कांड सेवा समिति से आशीष मालू, सीए मनोज अग्रवाल, राम दयाल मेहता, राम सेवक भारद्वाज आदि लोग मौजूद रहे।

आईएमए पदाधिकारियों ने जोड़ा साहिब यात्रा का किया स्वागत

बरेली, अमृत विचार : ऐतिहासिक और यादगार जोड़ा साहिब गुरु चरण यात्रा का बरेली आगमन पर आईएमए के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। आईएमए की ओर से अध्यक्ष डॉ . अतुल श्रीवास्तव, सचिव डॉ . अंशु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डॉ . शालिनी माहेश्वरी, पीआरओ डॉ . कामेन्द्र सिंह और डॉ . रुचि श्रीवास्तव उपस्थित रहे। सभी ने गुरु साहिब के चरणों में नतमस्तक होकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

दानिश ने उत्तरी जोन शूटिंग चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

बरेली, अमृत विचार : राइफल क्लब के शूटर दानिश अहमद ने नई दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज तुगलकाबाद में आयोजित 44वीं उत्तरी जोन शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 बोर ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक जीता। दानिश वर्ष 2025 में तीन पदक जीतने वाले बरेली के पहले शूटर बन गए हैं। इससे पहले वह स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप और ऑल इंडिया प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। राइफल क्लब ने दानिश अहमद की इस उपलब्धि पर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मजदूरों को पार्टी से जोड़ने का काम करें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ता सम्मेलन में राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने किया संबोधित

अमृत विचार: गांधी उद्यान स्थित होटल रोहिला में मंगलवार को राष्ट्रीय लोक दल का कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कहा कार्यकर्ता रीढ़ की हड्डी के समान है। सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में जाकर पार्टी नीतियों को बताएं। गरीब किसान और मजदूरों को पार्टी से जोड़ने का काम करें।

किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलजीत सिंह बिट्टू ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों की पार्टी है और किसानों के हितों के लिए हमेशा सजग रहती है।

अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दिलनवाज खान ने कहा कि दिलनवाज खान ने कहा अल्पसंख्यकों के हितों के लिए राष्ट्रीय लोकदल हमेशा साथ खड़ी है। रुहेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष चौधरी रामवीर सिंह ने कहा कि जिले में अध्यक्ष मो. मतलूब के नेतृत्व में पार्टी अच्छा काम कर रही है। महानगर अध्यक्ष विजय बहादुर सक्सेना ने कहा कि सदस्यता अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा। सभी कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में जाकर अधिक से अधिक सदस्य बनाएं। इसका समापन पटेल चौक पर किया जाएगा।

इस मौके पर सदस्यता प्रभारी राजवीर सिंह गुर्जर, जिलाध्यक्ष मुरादाबाद मनोज चौधरी, प्रदेश सचिव सर्वेश पाठक, कुलदीप पंवार, सहादत हुसैन, कमल जीत सिंह, शाहवान खान, गीता सिन्हा, नंद किशोर मिश्रा, संजीव शर्मा, चौधरी सनी, किस्मत अली, अबरार अली, ओमपाल, जाफर मंसूरी, राजवीर उपाध्याय, परमेश्वरी कश्यप, हसीन, गुड्डू अल्वी, जाबिर खान, इमरान खान, झम्मन लाल, वीरेंद्र गंगवार, रवि ढाका, योगेन्द्र सिंह, मनवीर सिंह, तरुण चहल आदि लोग मौजूद रहे।

महिलाओं ने नाली निर्माण के लिए मेयर को दिया ज्ञापन

- नौ साल से बंशी नगला में नाली नहीं बनने से भरता है पानी

बरेली, अमृत विचार : बंशी नगला के मांझे वाले बागीचा के पास पिछले नौ साल से नाली का निर्माण न होने से लोग परेशान हैं। जल निकासी की समस्या की वजह से घरों के बाहर जलभराव होने से मच्छरों के लार्वा पनप रहे हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में इलाके की महिलाएं मेयर कार्यालय पहुंची और नाली निर्माण कराने के लिए मेयर डॉ. उमेश गौतम के कार्यालय में ज्ञापन दिया है।

मंजू रानी ने बताया कि नाली न होने से घरों के अंदर और बाहर पानी भर जाता है, जिससे संक्रामक रोग फैलने की संभावना है। कई बच्चे संक्रमण की चपेट में भी आ चुके हैं। नाली निर्माण के लिए कई बार स्थानीय पार्षद से गुहार लगाई है लेकिन समस्या जस की तस बनी है। ज्ञापन देने वालों में गीता, लक्ष्मी, सत्तो, अंचल, नीरज राना, जगदीश, सोमवती, मोहन लाल, मुन्नी देवी, शांति देवी व शकुंतला समेत अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

मेयर कार्यालय के बाहर ज्ञापन देकर आती महिलाएं। ● अमृत विचार

दिनेश बने प्रांतीय चेयरमैन

दिनेश सक्सेना के प्रांतीय चेयरमैन बनने पर स्वागत करते साथी।

बरेली, अमृत विचार: सहारनपुर में पंजाब नेशनल बैंक स्टाफ यूनियन (पीएनबीएसयू) उत्तर प्रदेश के 12वें अधिवेशन में बरेली के दिनेश कुमार सक्सेना को सर्वसम्मति से प्रांतीय चेयरमैन चुना गया।

चरन सिंह यादव को संयुक्त महामंत्री बनाया गया। संगठन के इस निर्णय से बरेली इकाई में हर्ष का माहौल है। समर्थकों और साथियों ने शहर लौटने पर दिनेश कुमार सक्सेना और चरन सिंह यादव का स्वागत किया। दिनेश कुमार सक्सेना ने कहा कि वे अपने साथियों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। चरन सिंह यादव ने कहा कि वह बरेली और प्रदेश के अन्य जिलों में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर संजय शर्मा, कामेश पाल, मुकेश श्रीवास्तव, जगपाल, मुकेश यादव, अरुण कुमार, अमित खंडेलवाल, आकाश बत्रा और मुकेश बाजपेई समेत कई सदस्यों ने शुभकामनाएं दीं।

सुभाष पटेल की पहली पुण्यतिथि मनाई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

पूर्व मेयर को श्रद्धांजलि अर्पित करते भूपेंद्र चौधरी साथ में रश्मि पटेल व अन्य।

- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी समेत तमाम वीआईपी हुए शामिल

अमृत विचार: पूर्व मेयर एवं विधायक कुंवर सुभाष पटेल की पहली पुण्यतिथि पर मंगलवार को डोहरा रोड स्थित निशांत पटेल स्पोर्ट्स स्टेडियम में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी समेत बड़ी संख्या में भाजपा समेत सभी दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं और हजारों की संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

प्रदेश अध्यक्ष ने पूर्व मेयर की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन निस्वार्थ सेवा, अटूट साहस और सामाजिक परिवर्तन का जीवंत प्रतीक है। कुंवर सुभाष के जनहित में किए कार्यों को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की जिपं अध्यक्ष अर्चना, आगरा की मंजू भदोरिया, कासगंज की रत्नेश कश्यप, फर्रुखाबाद की मोनिका यादव, मुरादाबाद की डॉ. शेफाली सिंह, मैनपुरी की अर्चना भदौरिया, मेयर डॉ. उमेश गौतम, शाहजहांपुर की अर्चना वर्मा, संजीव सिंह, राजीव गुप्ता, सोमपाल शर्मा, आदेश प्रताप सिंह, अधीर सक्सेना, केएम अरोरा, विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, एमपी आर्य, संजीव अग्रवाल, डीसी वर्मा, सपा जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप, अशोक यादव, डॉ. केशव अग्रवाल, अजय शुक्ला, केपी सिंह, देवेंद्र पटेल, मनोहर सिंह पटेल, महेंद्र पटेल, मनोहर पटेल समेत हजारों संख्या में लोग शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

श्रीमद्भागवत में गिरिराज जी की कथा सुनाई

आंवला, अमृत विचार : नगर की महाराज पुरम कॉलोनी स्थित गायत्री शक्ति पीठ स्थल पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास आचार्य सुशील मिश्र ने गिरिराज जी की कथा का रसपान कराया।आचार्य मिश्र ने प्रवचन में कहा कि भगवान को पाने के लिए कुछ खोना नहीं पड़ता, बल्कि भगवान का होना पड़ता है। भागवत हमें भगवान से जोड़ने का मार्ग बताती है। जब तक मनुष्य के भीतर इच्छाओं की आग जलती रहती है, तब तक भगवान की प्राप्ति संभव नहीं होती।कथा के उपरांत ठाकुर जी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। कृष्ण सखी महिला मंडल की सखियों के साथ पंडित चिरौंजी लाल शर्मा, मोहित माहेश्वरी, मनोज माहेश्वरी समेत अनेक भक्तों ने भक्ति भाव से भाग लिया।

शौचालय टूटे और टोटियां पड़ी हैं खराब

गांवों के विकास की धुरी बिथरी ब्लॉक परिसर में न पानी और न शौचालय की व्यवस्था, लोग परेशान

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

अमृत विचार: ब्लाक की 74 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता और घर घर शौचालयों की व्यवस्था को दुरुस्त् रखने की जिम्मेदारी निभाने वाला ब्लाक कार्यालय परिसर खुद अव्यवस्था का शिकार है। ब्लाक के अफसर केवल अपने कमरे में बैठने तक सीमित रह गये हैं। कार्यालय में समस्या लेकर आने वाले ग्रामीणों और किसानों की समस्या तो दूर मूलभूत सुविधा मुहैया कराने की फुरसत नहीं है। यह हाल कहीं और का नहीं जिला मुख्यालय से मात्र 10 किमी दूर बिथरी बीडीओ कार्यालय का है। यहां आमजन को मिलने वाली सुविधाएं ही ध्वस्त पड़ी हैं, जिससे लोग परेशानियों का सामना करने को मजबूर हैं।

बिथरी चैनपुर ब्लॉक परिसर में लगे दोनों वॉटर कूलर खराब पड़े हैं। इसके साथ ब्लॉक में बने शौचालय भी खराब और बंद पड़े हुए हैं। हाथ धोने को लगा वाशबेसिन में टंकी तक नही लगी है। वह भी खराब हालत में है। ब्लॉक परिसर में लगे सरकारी नल से पीला पानी आता है, इसे लोग पीने से बचते हैं। कोई साधन न होने की वजह से उन्हें मजबूरन वही पानी पीना पड़ता है।

ब्लॉक में अपनी फरियाद लेकर आने वाले लोगो का कहना है कि बीडीओ से इन समस्याओं को लेकर कहने जाते हैं तो वह सुनते ही नही हैं डांट फटकार कर कमरे से बाहर जाने को कह देते हैं।

● बदहाल व्यवस्था:अफसर नहीं देते ध्यान, किससे लगाएं गुहार

आरोप गलत हैं, लोगों से बात कर उनकी समस्याएं सुनकर निस्तारण करवाया जाता है। आमजन से जुड़ी सुविधाएं जल्द शुरू करवाई जाएंगी।

–कौशल गुप्ता, बीडीओ,बिथरी

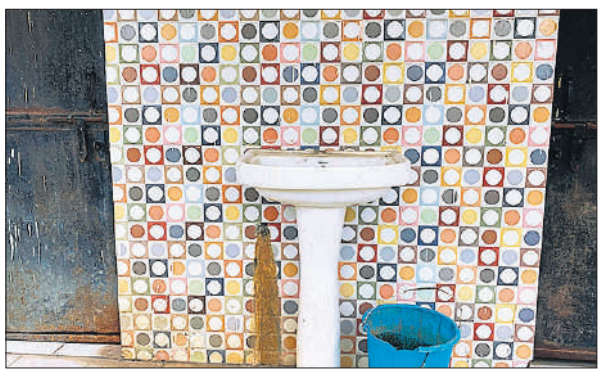

बिथरी चैनपुर ब्लॉक कार्यालय में वाशबेसिन और वाटर कूलर की टोटियां भी टूटी हैं।

शौचालय के टूटे दरवाजे और फैली गंदगी

बोले फरियादी

- मुन्ना लाल बताते हैं कि ब्लाक कार्यालय में पानी,शौचालय की कोई व्यवस्था नही है। दूर गांव से आने पर दिक्कत का सामना करना पड़ता है। लेकिन,कोई सुनने वाला नही है।
- लालता प्रसाद ने बताया कि गर्मी में कई बार ब्लाक कार्यालय जाना हुआ। बिजली गई तो जनरेटर नहीं चलाया। वह खराब था। इससे पंखा नहीं चला। ठंडे पानी की मशीन भी उस समय नहीं चली।
- दानवीर कहते हैं कि ब्लॉक से जुड़ी समस्याओं को कोई सुनने वाला नही है,यहां बैठे बड़े अफसर टाल मटोल कर वापस कर देते हैं। जिससे एक काम के लिए कई बार चक्कर लगाना पड़ता है।

निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्य की तैयारियां हुईं तेज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मिले दिशा-निर्देश के बाद संबंधित अधिकारियों को चिट्ठी जारी

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य कराने के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मिले दिशा-निर्देश के बाद शाम को उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को चिट्ठी लिखी, जिसमें 7 फरवरी 2026 तक चलने वाले कार्यक्रमों की अधिकारियों को जानकारी दी गयी।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने चिट्ठी में बताया है कि 3 नवंबर तक तैयारी, प्रशिक्षण व मुद्रण कार्य, 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक मतदाताओं की गणना, 4 दिसंबर को मतदान केंद्रों का पुनर्व्यवस्थापन कार्य, 5 दिसंबर से 8 दिसंबर तक नियंत्रण तालिका, ड्राफ्ट रोल की तैयारी, 9 दिसंबर से 12 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां भरने, 9 दिसंबर से 31 जनवरी तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय, दावों और आपत्तियों का निस्तारण और 3 फरवरी 2026 को मतदाता सूची के मापदंडों की जांच व अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति प्राप्त करने और 7 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

नहीं होगा अधिकारियों का स्थानांतरण

पुनरीक्षण कार्य शुरू होने के बाद उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने डीडीओ और बीएसए को चिट्ठी भेजकर अधिकारियों के स्थानांतरण पर रोक लगा दी है। कहा है कि नामावलियों की तैयारियों के संबद्ध अधिकारियों का स्थानांतरण भारत निर्वाचन आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा।

स्किल डेवलेपमेंट और समन्वय का पढ़ाया पाठ

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: नागरिक सुरक्षा कोर (सिविल डिफेंस) की ओर से वार्डन एवं स्वयंसेवकों को विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षित करने के लिए मंगलवार को द्वितीय चरण की शुरुआत अर्बन हाट के ऑडिटोरियम में हुई। एसपी सिटी मानुष पारीक ने वार्डंस को अच्छी भेषभूषा, अच्छा व्यवहार, स्किल डेवलेपमेंट और दूसरों विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि वार्डंस निस्वार्थ व स्वैच्छिक रूप से जुलूसों, मेलों, यातायात जागरूकता, पर्यावरण जागरूकता, उर्स, सांप्रदायिक सौहार्द्र आदि कामों में समय से डटे रहते हैं। जब हम फील्ड में जाते हैं तो पीली ड्रेस वाले वार्डंस हर जगह अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद रहते हैं। आईवीआरआई रोड पर ब्लैक आउट की जो रिहर्सल हुई, उसकी चर्चा पूरे देश में हुई। उनके साथियों ने उन्हें फोन कर रिहर्सल की प्रशंसा की।

अर्बन हाट में स्वयंसेवकों के साथ मौजूद एसपी सिटी। ● अमृत विचार

● एसपी सिटी मानुष पारीक ने सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग के द्वितीय चरण की शुरुआत की

इससे पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत एसपी सिटी, उपनियंत्रक राकेश मिश्र और डिप्टी चीफ वॉर्डन रंजीत वशिष्ठ ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की। उपनियंत्रक ने मनुष्य निर्मित आपदाओं, बचाव, सीपीआर आदि पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि सातों दिन हर विषय पर मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण देंगे। बरेली प्रदेश का पहला जिला है जहां प्रथम चरण का प्रशिक्षण पूरा होने के बाद दूसरे चरण का आरम्भ हो गया जबकि अन्य किसी जनपद में अभी शुरू ही नहीं हुआ है। सहायक उप नियंत्रक पंकज कुदेशिया ने नागरिक सुरक्षा की संरचना, नागरिक सुरक्षा सेवा पर प्रशिक्षार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। प्रमोद डागर ने लेडर (सीढ़ी) का आपदा के समय प्रयोग सिखाया। डिप्टी चीफ वॉर्डन ने मुख्य अतिथि का आभार जताया।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार: छठ पूजा के चौथ दिन उगते सूर्य को अर्घ्य अपर्ति किया। इसी के साथ छठ महापर्व का समापन हो गया। केसर चीनी मिल कॉलोनी में नगर पालिका के सभासद रमेश सिंह की देखरेख में भमसेन और व्रती घाट स्थल को दुल्हन की तरह सजाया गया।

मंगलवार को सुबह व्रती महिलाओं और पुरुष श्रद्धालुओं की भीड़ घाट पर उमड़ी। यहां व्रतियों ने श्रद्धा और आस्था के साथ उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इस दौरान साउंड सिस्टम पर छठी मइया के भक्ति गीत गूंजते रहे।

इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता व पालिका अध्यक्ष पति अजय जायसवाल बॉबी, केसर चीनी मिल के सीईओ शरत मिश्रा, भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष जितेंद्र सक्सेना, डॉक्टर सुमन श्रीवास्तव, वी रगगनाथन,, नीरज अग्रवाल,,ए,एम,गर्ग, दिलीप देसाई, विमल माथुर, विकास शर्मा, नगर पालिका सभासद रमेश सिंह, गुलजार सिंह, अमित बंसल, मिथिलेश श्रीवास्तव,, अजय सिंह, कुंदन सिंह, श्री सुरेश प्रसाद सिंह, अमन गुप्ता, गौरव जायसवाल ने पूजा पंडाल में पहुंचकर श्रद्धा भाव के साथ छठी मईया को नमन किया और क्षेत्र की तरक्की की कामना की।

बहेड़ी में छठ पूजा में शामिल व्रती महिलाएं। ● अमृत विचार

सेमीखेड़ा चीनी मिल में श्रद्धा के साथ मनाया गया छठ महापर्व

देवरनियां : सूर्योपासना का महापर्व छठ पूजा किसान सहकारी चीनी मिल सेमीखेडा में पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस मौके पर किसान सहकारी चीनी मिल परिसर में रहने वाले परिवार की महिलाओं समेत अन्य महिलाओं ने मिल परिसर में छठ पूजा की। घाट बनाया गया, जिसे पूजा के दौरान घाट को केले के पत्तो, दीपों से सजाया गया। इसमें मिल प्रबंधन ने पूर्ण सहयोग दिया।

चीनी मिल में छठपूजा करती महिलाएं। ● अमृत विचार

पब्लिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल इण्डिया शेल्टर फाइनेंस कार्पोरेशन लि. शाखा सिविल लाइन्स, सर्किट हाउस चौराहा, नियर आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के ऊपर, बरेली से विशाल पुत्र लायक राम निवासी मीरपुर वाहनपुर, जिला पीलीभीत एक किता आवासीय मकान आराजी तादादी 67.55 वर्गमीटर वाकै नवादा जोगियान पर.तह. बरेली में स्थित है जिसकी चौहददी पूरब में सम्पतित राजू, पश्चिम में रास्त 10 फिट चौड़ा, उत्तर में मकान नत्थूलाल गंगवार व दक्षिण में मकान गौरीलाल है, उक्त सम्पत्ति को बंधक रखकर ऋण ले रहे है, उक्त सम्पत्ति जिसकी रजिस्ट्री उपनिबंधक बरेली के कार्यालय में बही संख्या 1 जिल्द संख्या 4758 के पृष्ठ 291 से 320 तक क्रमांक 2104 पर दिनांक 24.02.2012 को रजिस्ट्रीकृत किया गया। जो कहीं गुम हो गया है जिसके गुम होने की सूचना ई–थाना पर दिनांक 27.10.2025 को दर्ज करा दी गयी ह। जिसका एल.ए.आर. नम्बर–20250000782862 है। अत: सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति/बैंक/संस्था आदि को उक्त बंधक सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्यदिवस के 7 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल इण्डिया शैल्टर हाउसिंग फाईनेंस लि. शाखा 143, द्वितीय तल मेन रोड, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के बराबर में, बरेली के कार्यालय पर या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त ऋण कर दिया जायेगा।

मुनीश कुमार सक्सेना (एडवोकेट)
चैम्बर नं.- 27, न्यू बिल्डिंग बंगलिया सिविल कोर्ट, बरेली सूचीबद्ध अधिवक्ता इण्डिया शेल्टर फाईनेंस कार्पोरेशन लि. शाखा सिविल लाइन्स, सर्किट हाउस चौराहा, नियर आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के ऊपर, बरेली
मो. 9997389012

यूपी का बड़ा कार्यक्रम होगा स्थापना दिवस

सर्किट हाउस में पदाधिकारियों के साथ बैठक करते अपना दल एस के प्रदेश अध्यक्ष आरपी गौतम व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● बरेली पहुंचे अपना दल (एस) के प्रदेश अध्यक्ष ने की तैयारियों की समीक्षा

अमृत विचार: जिले में होने वाला अपना दल (एस) के स्थापना दिवस का कार्यक्रम पश्चिमी उत्तर प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम सामाजिक न्याय और विकास के सिद्धांतों को समर्पित होगा। ये बातें मंगलवार को अपना दल (सोनेलाल) के प्रदेश अध्यक्ष आरपी गौतम और दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री रामलखन पटेल ने सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता में कहीं।

प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि बैठक का उद्देश्य जिले में होने वाले स्थापना दिवस कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करना था। कहा कि पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के लिए यह आयोजन केवल एक समारोह नहीं, बल्कि उनके मान, सम्मान और अधिकारों का दिवस है। सभी से आग्रह किया कि वे अपने घरों, गांवों और शहरों से अपने साथियों और पड़ोसियों को साथ कार्यक्रम स्थल पर जरूर पहुंचें। जिला अध्यक्ष एड. अनुज गंगवार ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और सभी तैयारियां जोरों पर हैं। मनीष कुमार, अजय गंगवार, गोपेंद्र पाल, रविकांत, महेश कन्नौजिया, अतुल पटेल, इंजी. निशांत सक्सेना समेत बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकारी जमीन पर बनाईं दुकानें, नोटिस

बहेड़ी, अमृत विचार: नगर पालिका परिषद प्रशासन ने सरकारी संपत्ति पर निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है, बहेड़ी नगर के ग्राम टांडा की सरकारी भूमि को राजस्व अभिलेखों में सार्वजनिक रास्ते के रूप में दर्ज किया गया है।लेकिन इस भूमि पर मोहम्मद नासिर, मोहम्मद नाजिम और साजिम पुत्रगण जहूर अहमद, निवासी मोहल्ला छोटी मस्जिद, किच्छा ने कब्जा कर दुकानों का निर्माण कर लिया है।

पालिका ने इस अवैध कब्जे पर दूसरा नोटिस जारीकी है औरकहा कि निर्माण स्वेच्छा से नहीं हटाया गया, तो कार्रवाई की जाएगी। नोटिस में साफ लिखा गया है कि सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी का भौमिक अधिकार नहीं होता। साथ ही पालिका ने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण गिराने का खर्च भी कब्जेदारों से वसूला जाएगा। नगर पालिका द्वारा नोटिस की प्रतिलिपि एडीएम बरेली, एडीएम प्रशासन, एसडीएम बहेड़ी और प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को भेजी गई है।

बहुओं ने मां-बाप को घर से निकाला

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : थाना क्षेत्र क एक गांव निवासी बुजुर्ग मां बाप ने अपने बेटों और बहुओं पर मारपीट कर घर से निकालने पैसे छीनने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के अगरास निवासी आशिक हुसैन ने बताया कि उनके दो बेटे सज्जाद हुसैन, सादिक हुसैन ने अपनी पत्नियों खुशबू व रबीना के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान उनसे रुपये भी छीन लिए गए। आशिक हुसैन के मुताबिक, एसएसपी के आदेश पर फतेहगंज पश्चिमी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था, उस समय पुलिस ने उन्हें गुमराह कर तहरीर बदलवा दी। उन्होंने आरोप लगाया कि दर्ज रिपोर्ट में रुपये छीनने की धारा नहीं बढ़ाई गई है, जिससे पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

बुजुर्ग मां बाप न्याय की गुहार लगाते हुए।

आशिक हुसैन ने बताया कि वे और उनकी पत्नी बुजुर्ग हैं और इस घटना के बाद सड़क पर रहने को मजबूर हैं। आरोप लगाया कि पुलिस इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है, जिससे उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने एसएसपी से बेटों और बहुओं के खिलाफ दर्ज रिपोर्ट में रुपये छीनने की धारा बढ़ाने की मांग करते हुए कार्यवाही की गुहार लगाई है।

थाना क्षेत्र क एक गांव निवासी बुजुर्ग मां बाप ने अपने बेटों और बहुओं पर मारपीट कर घर से निकालने पैसे छीनने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है, जिससे उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने एसएसपी से बेटों और बहुओं के खिलाफ दर्ज रिपोर्ट में रुपये छीनने की धारा बढ़ाने की मांग करते हुए कार्यवाही की गुहार लगाई है।

रामलीला में ताड़का वध का मंचन

रिठौरा, अमृत विचार: प्राचीन रामलीला मेला में मंगलवार को पौराणिक महत्व की लीलाओं का भावपूर्ण मंचन किया गया। इस दौरान ऋषि विश्वामित्र के आगमन और राक्षसी ताड़का वध की कथा को कलाकारों ने जीवंत किया, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। सनातनी कथा गुरु-शिष्य परंपरा और धर्म-रक्षा का मंचन किया। ऋषि विश्वामित्र के आदेश पर, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने ताड़का का वध कर दिया।

पंचायत घर निर्माण का विरोध,सौंपा ज्ञापन

नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, मीरगंज

● गांव के मझरे में पंचायत भवन का निर्माण कराए जाने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

अमृत विचार : मंगलवार को ग्राम पंचायत दोद आलमपुर विकासखंड शेरगढ़ के चार दर्जन से अधिक ग्रामीण तहसील मीरगंज पहुंचे। तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन कर एसडीएम को सम्बोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार अरविंद कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। बताया कि गांव में पंचायत घर स्वीकृत हुआ है, जिसे प्रधान ने गांव के मझरे में निर्माण शुरू कराया है। इसकी शिकायत पर सुनवाई नहीं हुई। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। इससे नाराज ग्रामीणों ने तहसील परिसर में एकत्र होकर नारेबाजी की और निष्पक्ष जांच की मांग की।

इस दौरान टेकचंद, शिवलाल, रामवीर, राम बहादुर, ओमकार शर्मा, अनूप कुमार,सोमपाल, रामकिशोर, बाबूराम, बेनीराम, प्रमोद आदि मौजूद रहे। प्रधान इंद्रपाल का कहना है कि गांव में नवीन परती की जमीन उपलब्ध नहीं थी।जिसके चलते मझरा में निर्माण कराया गया है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली।

पता:– ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल विकास भवन, बरेली।

पत्रांक:– 2006 /ग्रा0अ0वि0/निविदा–पत्रा0/बाण्ड क्लर्क/2025–26 दिनांक:–13.10.2025

–:: निविदा सूचना ::–

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली में भवन/सडक निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में पात्र ए0,बी0,सी0,डी0 एवं ई0 श्रेणी के निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य के लिये निविदा जमा कर सकते है।

2– तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण:–

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) (GST सहित)	धरोहर धनराशि (रूपये में)	निविदा मूल्य समस्त करों सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	बरेली	ग्राम बेहटा बुजुर्ग में बन्ने खाँ के मकान से शमशान भूमि तक इण्टरलॉकिंग रोड का निर्माण कार्य (वि0नि0–मझगवां)	8.216	16500.00	766.00	03 माह
2	बरेली	परिमण्डल कार्यालय/स्टोर में शैड, रंगाई–पुताई एवं अन्य कार्य। (अन्य योजना)	4.000	8000.00	677.00	03 माह

3. निविदा विक्री की अवधि दिनांक:– 20.11.2025 से 22.11.2025 तक पूर्वान्ह वजे से अपरान्ह वजे तक)
4. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय दिनांक 25.11.2025 को मध्याहन 12:00 बजे तक
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–बरेली।
6. निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 25.11.2025 अपरान्ह 12:30 बजे

अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

UP – 239523 दिनांक: 27/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड, बरेली।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना: ओटी–11–2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर / निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये **"खुली"** निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सं:– ओटी–11–2025, कार्य का विवरण:–** रहजनवां–दोहरीघाट, खलीलाबाद–बहराईच नई लाइन एवं गोरखपुर कैण्ट – बाल्मिकीनगर दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत ट्रैक लाइन में आने वाले मौजूदा मास्टो या पोर्टलो को 'सुरक्षित रूप से हटाना/काटने का कार्य एवं अन्य सम्बन्धित कार्य।, **अनुमानित लागत:–** रु.77,77,470.20, **बयाना राशि:** – रु.1,55,600.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:–** रु निल, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:–** 12 माह, **निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय:** 25.11.2025 को 15.00 बजे। **नोट:** • इस निविदा के विरुद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण
मुजाधि/विद्युत–172 **गोरखपुर**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना संख्या : SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T21 Date:24.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई–निविदा आमंत्रित करते है। **क्र. सं. 1 कार्य का नाम:** इज्जतनगर मंडल के बंदरों की आबादी वाले खंडों में ओएचई मास्ट और पोर्टल पर चढ़ाई–रोधी उपकरण का प्रावधान से संबंधित कार्य। **टेंडर रिफरेंश नं:** SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T21 **कार्य का अनुमानित लागत (रु. में) :** 64,67,203.72 **अमानत राशि/बिड सिक्यूरिटी :** 1,29,400.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में :** 00.00 **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 18.11.2025 11:00 **कार्य पूरा करने की अवधि :** 9 माह। • खुली ई–निविदा दिनांक 18.11.2025 को 11:00 बजे तक जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट, **www.ireps.gov.in.** पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजी/टीआरडी/इज्जतनगर
मुजाधि/विद्युत–171

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

न्यायालय अपर जिलाधिकारी प्रशासन बरेली

वाद संख्या–1863/2025–191/2025

सोमपाल बनाम सतीश 1.सतीश कुमार 2. राजकुमार पुत्रगण रोशन 3. जाहिद हुसैन पुत्र मोहम्मद नवी समस्त निवासी ग्राम रिठौरा, परगना, तहसील व जिला बरेली। चूंकि मुसम्मी सोमपाल पुत्र बाबू राम निवासी ग्राम रिठौरा परगना तहसील व जिला बरेली में आपके नाम एक नालिश वास्ते धारा 38 (1) उ0प्र0 राजस्व संहिता के अन्तर्गत दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 30.10.25 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा में वखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैरहाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज तारीख मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया। **जज**

ब्रीफ न्यूज

अमित खरे होंगे संसद टीवी के सीईओ

नई दिल्ली। सेवानिवृत्त नौकरशाह अमित खरे उपराष्ट्रपति के सचिव के रूप में सेवाएं देने के अलावा संसद टीवी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में भी काम करेंगे। खरे संसद टीवी के सीईओ के रूप में लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह की जगह लेंगे। संसद टीवी की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि संसद टीवी की शासी परिषद ने फैसला किया है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी अमित खरे, जो वर्तमान में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति के सचिव के पद पर कार्यरत हैं, अपने मौजूदा दायित्वों के अलावा, तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक संसद टीवी के सीईओ के कार्यों का भी निर्वहन करेंगे।

महाराष्ट्र में रेत नीति को लागू करने के निर्देश

नागपुर। महाराष्ट्र सरकार ने निर्माण कार्यों में प्राकृतिक नदी रेत के विकल्प के रूप में विनिर्मित रेत (एम-सैंड) के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नयी नीति की घोषणा की है जिसका इसका मकसद रेत की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करना, अवैध खनन पर रोक लगाना और पर्यावरणीय क्षरण को कम करना है।

उपराष्ट्रपति की सुरक्षा में सेंध, दो हिरासत में

कोयंबटूर। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन के कोयंबटूर दौरे से पहले उनकी सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दोनों आरोपी दोपहिया वाहन से बिग बाजार स्ट्रीट के अवरोधक वाले हिस्से से गुजरे थे, जिसके बाद ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उनका पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें हिरासत में लिया गया है और जांच जारी है।

ईरान में फिरौती के लिए बंधक चार वापस लौटे

गांधीनगर। ऑस्ट्रेलिया जाते समय ईरान में बंधक बनाए गए चार लोग मंगलवार को सुरक्षित घर लौट आए। इन लोगों में गुजरात के गांधीनगर जिले का एक दंपति भी शामिल है। गांधीनगर के पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासमसेट्टी ने कहा कि जिले के मनसा तालुका के अंतर्गत आने वाले बापूपुरा गांव के निवासी चारों लोग दिल्ली के रास्ते घर लौट आए। मनसा से भाजपा विधायक जयंती पटेल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में कहा था कि पीड़ितों का ईरान की राजधानी तेहरान में उस समय अपहरण कर लिया गया था जब वे हवाई अड्डे से टैक्सी में होटल जा रहे थे।

तेजस्वी प्रण : हर परिवार में सरकारी नौकरी, वक्फ कानून पर रोक का वादा

महागठबंधन ने जारी किया घोषणापत्र, कहा- पुरानी पेंशन स्कीम भी बहाल करेंगे

बिहार विस चुनाव

पटना, एजेंसी

महागठबंधन ने मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 'तेजस्वी प्रण' नाम से अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया, जिसमें वादा किया गया कि उसकी सरकार बनने के 20 दिन के भीतर एक विधेयक लाकर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

महागठबंधन ने इसके अलावा संसद द्वारा पारित वक्फ संशोधन अधिनियम पर बिहार में रोक लगाने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, केंद्र सरकार द्वारा तैयार नई शिक्षा नीति के 'दुष्प्रभावों' की समीक्षा करने, आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने के लिए विधानसभा द्वारा पारित कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की केंद्र सरकार से अनुशंसा करने तथा कई अन्य वादे किए हैं। विपक्षी गठबंधन की तरफ से राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा, विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और कई अन्य नेताओं की मौजूदगी में चुनावी घोषणा पत्र जारी किया गया।

पटना में चुनावी घोषणा पत्र जारी करते तेजस्वी यादव और महागठबंधन के नेता।

शराबबंदी कानून से ताड़ी और महुआ को बाहर करेंगे

पटना। महागठबंधन ने घोषणापत्र में वादा किया है कि बिहार में लागू शराबबंदी कानून की समीक्षा की जाएगी और सुसंगत नीति बनाई जाएगी। इस कानून के तहत जेल में बंद दलितों और अन्य गरीबों को तत्काल राहत दी जाएगी। महागठबंधन ने यह भी कहा कि ताड़ी और महुआ आधारित पारंपरिक रोजगार को शराबबंदी कानून से मुक्त किया जाएगा। इस चुनावी राज्य में बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद अधिनियम एक अप्रैल 2016 को लागू हुआ था। नीतीश कुमार द्वारा नवंबर 2015 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की तरफ से इस कानून का वादा किया गया था।

तेजस्वी ने कहा, हमने जनता के सामने हमेशा अपना 'विजन' रखा है और आज 'संकल्प पत्र' बिहार के सामने रख रहे हैं। हमने प्रण लिया है कि बिहार को नंबर-एक बनाएंगे। आरोप लगाया कि भाजपा के लोगों और भ्रष्ट अधिकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पुतला बनाकर रखा है। वह नीतीश कुमार के प्रति पूरी सहानुभूति रखते हैं।

महागठबंधन ने घोषणापत्र में वादा किया है कि सरकार बनने के 20 दिन के भीतर ही बिहार के हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के लिए विधेयक लाया जाएगा तथा 20 महीने की रूपरेखा के कार्यान्वयन पर काम शुरू हो जाएगा। यह वादा भी किया है कि सरकार पांच साल के कार्यकाल में सवा करोड़ रोजगार का सृजन करेगी। विपक्षी गठबंधन का कहना है कि अगर सरकार बनी तो एसीएटी, पिछड़े भूमिहीन लोगों को शहरी क्षेत्र में तीन डिसमिल तथा ग्रामीण क्षेत्र में पांच डिसमिल आवासीय भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के कानून के क्रियान्वयन पर एनएचआरसी रखेगा नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मानसिक बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों के अधिकारों और आवश्यकताओं की सुरक्षा के लिए 2017 के एक कानून के क्रियान्वयन के लिए दायर जनहित याचिका मंगलवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को हस्तांतरित कर दी और उसे मामले की निगरानी करने को कहा।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि आयोग को अधिवक्ता गौरव कुमार बंसल की 2018 में दायर याचिका पर गौर करना चाहिए। कोर्ट ने केंद्र के हलफनामे पर गौर किया और कहा कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 को लागू करने के लिए वैधानिक प्राधिकरण गठित किए गए हैं। उसने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने कई अन्य मांग भी की हैं। इनकी निगरानी भी एनएचआरसी करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने तीन जनवरी, 2019 को केंद्र, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उस याचिका पर नोटिस जारी किया था जिसमें दावा किया गया था कि अधिनियम के प्रावधानों को लागू न करना नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता का घोर उल्लंघन है।

- सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को भेजा

याचिका में किया गया था बदायूं की दरगाह का जिक्र

जनहित याचिका में कहा गया है कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए यूपी के बदायूं में बड़े सरकार की दरगाह के मानसिक आश्रय स्थल में मानसिक बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों को जंजीरों से बांध दिया गया है। अदालत ने ऐसे रोगियों की तस्वीरों पर गौर किया और इसे बहुत चिंता का विषय बताया था।

गलत तरह से गिरफ्तारी और कैद रखने के लिए मुआवजे की याचिका पर होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बलात्कार और हत्या के एक मामले में बरी किए जाने से पहले 12 साल तक जेल में रहे एक व्यक्ति की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया जिसमें उसकी गलत तरीके से गिरफ्तारी, अभियोजन और दोषसिद्धि के लिए मुआवजे का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सोमवार को कहा, नोटिस जारी करें जिसका जवाब 24 नवंबर को दिया जाए। हम अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल से अनुरोध करेंगे कि वे इस मामले में अदालत की सहायता करें। पीठ इसी तरह के मुद्दे को उठाने वाली तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। एक मामले में, याचिकाकर्ता को मार्च 2019 में महाराष्ट्र के ठाणे की एक अधीनस्थ अदालत ने मृत्युदंड दिए जाने का फैसला सुनाया था और नवंबर 2021 में मुंबई उच्च न्यायालय ने उसे सुनाई गई मौत की सजा बरकरार रखी। शीर्ष अदालत ने इस साल मई में त्रुटिपूर्ण और भ्रष्ट जांच का हवाला देते हुए याचिकाकर्ता को आरोपों से बरी कर दिया।

बाबरी मस्जिद से जुड़ी पोस्ट पर नहीं रद्द होगा केस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर बाबरी मस्जिद से जुड़े पोस्ट के आरोप में विधि स्नातक के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने से इन्कार कर दिया है। इस पोस्ट में कहा गया था कि बाबरी मस्जिद एक दिन फिर से बनाई जाएगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि उसने पोस्ट देखी है और याचिकाकर्ता मोहम्मद फैय्याज मंसूरी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती।

प्रशांत किशोर का टीएमसी मुख्यालय के पते पर भी वोट, चुनाव आयोग ने दिया नोटिस

पटना/कोलकाता। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर मंगलवार को उस समय विवादों में घिर गए जब यह सामने आया कि वह अपने गृह राज्य बिहार के साथ ही पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में भी मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया गया है।

पश्चिम बंगाल में एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार पश्चिम बंगाल में मतदाता के रूप में पंजीकृत किशोर का पता 121, कालीघाट रोड के रूप में दर्ज है, जो कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस मुख्यालय का पता है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी का निर्वाचन क्षेत्र है। अधिकारी ने कहा, उनका मतदान केंद्र बी रानीशंकरी लेन स्थित सेंट हेलेन स्कूल के रूप में सूचीबद्ध है। पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान किशोर ने टीएमसी के लिए राजनीतिक सलाहकार के रूप में काम किया था। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि किशोर का नाम बिहार में रोहतास जिले के सासाराम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत करगहर विधानसभा क्षेत्र में पंजीकृत है। उनका मतदान केंद्र मध्य विद्यालय, कोनार है।

32 %उम्मीदवारों पर दर्ज है मामले

पटना। बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में मैदान में उतरे 1,303 उम्मीदवारों में से 423 (32 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले हैं और इनमें से 354 (27 प्रतिशत) उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) और 'बिहार इलेक्शन वॉच' ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 सीट पर मतदान होगा। रिपोर्ट के अनुसार, 33 उम्मीदवारों पर हत्या से संबंधित मामले, 86 पर हत्या के प्रयास जैसे मामले और 42 पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामलों में आरोपी हैं।

पूर्व अग्निवीरों की निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती सुनिश्चित कराएं राज्य : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा है कि वे पूर्व अग्निवीरों की निजी सुरक्षा एजेंसियों और प्रशिक्षण संस्थानों में भर्ती सुनिश्चित करें, क्योंकि उनके पास सशस्त्र बलों में काम का अनुभव है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सशस्त्र बलों में अपना कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों के आगे के कैरियर को दिशा देने के लिए सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को पत्र भेजा है। जून 2022 में केंद्र ने अग्निपथ भर्ती शुरू की थी, जिसके तहत तीनों सेनाओं में साढ़े 17 से 21 साल की आयु के युवाओं की चार वर्षों के लिए भर्ती का प्रावधान है। इनमें 25 प्रतिशत युवाओं को 15 वर्ष सेवा में बनाए रखा जाना है। अग्निवीरों का पहला बैच अगले साल सेवाकाल पूरा करेगा। पत्र में कहा गया है कि मंत्रालय के पुलिस दो प्रभाग को एक प्रणाली तैयार करने का निर्देश दिया गया है, जिसके तहत सरकारी विभागों, एजेंसियों, बैंकों द्वारा आउटसोर्स की गई सुरक्षा प्रदाता एजेंसियों में अग्निवीरों का समायोजन सुनिश्चित किया जा सके।

जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

- झारखंड से संचालित फर्जी पासपोर्ट रैकेट का भी पर्दाफाश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में मंगलवार को 59 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर एक बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ करने का दावा किया। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि व्यक्ति के कथित रूप से एक विदेशी परमाणु वैज्ञानिक के साथ संबंध थे।

वह पाकिस्तान समेत कई देशों की यात्रा कर चुका है। झारखंड के जमशेदपुर से संचालित एक फर्जी पासपोर्ट रैकेट से भी वह जुड़ा था। आरोपी की पहचान मोहम्मद आदिल हुसैन के रूप में हुई है और उसे सैयद आदिल हुसैन, नसीमुद्दीन और सैयद आदिल हुसैनी नामों से भी जाना जाता है। उसे दो दिन पहले दिल्ली के सीमापुरी से पकड़ा गया।

पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि आरोपी विदेश में स्थित एक परमाणु वैज्ञानिक के संपर्क में भी था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) प्रमोद सिंह कुशवाह ने बताया कि आदिल जमशेदपुर के टाटा नगर का निवासी है। अधिकारी ने कहा कि आदिल और उसके भाई अख्तर हुसैनी पर अन्य देशों को संवेदनशील जानकारी मुहैया कराने और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर कई भारतीय पासपोर्ट हासिल करने का संदेह है। पूरा नेटवर्क कथित तौर पर जमशेदपुर से संचालित हो रहा था जहां जाली दस्तावेज की मदद से फर्जी पहचान पत्र और पासपोर्ट तैयार किए जा रहे थे। तलाशी के दौरान पुलिस ने आदिल के कब्जे से एक असली और दो जाली पासपोर्ट जब्त किए।

पाकिस्तान गया था, विदेशी वैज्ञानिक से संबंध

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार मोहम्मद आदिल हुसैन के एक विदेशी परमाणु वैज्ञानिक से संबंध थे और वह झारखंड के जमशेदपुर से संचालित एक फर्जी पासपोर्ट रैकेट से भी जुड़ा हुआ था। पाकिस्तान समेत कई देशों की यात्रा कर चुका था। सूत्र ने दावा किया कि उसने जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके एक संवेदनशील प्रतिष्ठान के तीन पहचान पत्र हासिल किए थे। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) प्रमोद सिंह कुशवाह ने बताया कि आदिल और उसके भाई अख्तर हुसैनी पर अन्य देशों को संवेदनशील जानकारी मुहैया कराने और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर कई भारतीय पासपोर्ट हासिल करने का संदेह है।

गवाह को अदालत में झूठी गवाही देने के लिए धमकाना संज्ञेय अपराध

नई दिल्ली, एजेंसी

- उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया प्रावधान

उच्चतम न्यायालय ने एक अहम फैसले में, मंगलवार को कहा कि किसी भी व्यक्ति को झूठी गवाही देने के लिए धमकाना एक संज्ञेय अपराध है और 2006 में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में जोड़े गए एक प्रावधान की अस्पष्टता पर स्थिति स्पष्ट की, जिसकी वजह से दो उच्च न्यायालयों ने अलग-अलग व्याख्या की थी।

न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि विधिक योजना से यह साफ है कि आईपीसी की धारा 195ए को धारा 193 (झूठी गवाही के लिए सज़ा), 194 (मौत की सज़ा वाले अपराध में दंड दिलाने के इरादे से झूठी गवाही देना या गढ़ना), 195 (उम्रकैद या सात साल या उससे अधिक की जेल की सज़ा वाले अपराध में सज़ा दिलाने के इरादे से झूठी गवाही देना या गढ़ना) और 196 (झूठी गवाही) के तहत आने वाले अपराधों से अलग अपराध के रूप में बनाया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि आईपीसी की धारा 193 से 196 के तहत अपराधों के लिए शिकायत केवल वही लोग कर सकते हैं जिनके नाम का जिक्र दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 195(1)(बी)(आई) में किया गया है और ये सभी गैर-संज्ञान अपराध हैं।

पीठ ने कहा, ''हालांकि, धारा 195ए के तहत किया गया अपराध एक संज्ञेय अपराध है और यह किसी व्यक्ति को उसकी जान, प्रतिष्ठा, संपत्ति या किसी ऐसे व्यक्ति की जान या प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर झूठी गवाही देने के लिए उकसाने से जुड़ा है, जिसमें उस व्यक्ति की दिलचस्पी हो। पीठ ने कहा कि किसी गवाह को अदालत में आने से बहुत पहले भी धमकी दी जा सकती है, हालांकि ऐसी धमकी के तहत झूठी गवाही देना उस अदालत में चल रही कार्यवाही से जुड़ी होती है। पीठ ने कहा कि शायद यही वजह है कि इस अपराध को संज्ञेय बनाया गया ताकि जिस गवाह या दूसरे व्यक्ति को धमकी दी गई है, वह तुरंत कदम उठा सके। इसके लिए वह या तो धारा 154, सीआरपीसी के तहत संबंधित पुलिस अधिकारी को इस संज्ञेय अपराध के होने की मौखिक जानकारी दे सकता है, या मजिस्ट्रेट के पास शिकायत कर सकता है।

पीड़ित परिवार को 28 लाख रुपये देने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने वर्ष 2022 में बीएमडब्ल्यू कार दुर्घटना में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के परिवार को 28.77 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। पीठासीन अधिकारी चारु गुप्ता निजी कर्मचारी रंजन कुमार के परिवार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थीं, जिनकी 10 जुलाई 2022 को एक तेज गति से गुजर रही बीएमडब्ल्यू कार की चपेट में आने से मौत हो गई थी। याचिका के मुताबिक, लाला लाजपत राय मार्ग के पास बीएमडब्ल्यू कार की टक्कर से कुमार की मौत हो गई थी। यह कार महाराष्ट्र में पंजीकृत थी। याचिका में कहा गया है कि कुमार फुटपाथ पर घायल अवस्था में पाए गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

एसआईआर पर सवाल उठाने वाले इसमें लें भाग

- मप्र के सीईओ ने राजनीतिक दलों से प्रक्रिया में शामिल होने को कहा
- 1951-04 के बीच आठ बार अपनाई गई एसआईआर की प्रक्रिया

भोपाल, एजेंसी

मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) संजीव कुमार झा ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के लिए राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में भाग लेना आवश्यक है क्योंकि उन्होंने इसकी पवित्रता पर सवाल उठाए हैं। आयोग ने सोमवार को नवंबर से फरवरी के बीच 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर कराने की घोषणा की। जिन राज्यों में एसआईआर होना है, उनमें अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी झा और संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी राम प्रताप सिंह जादौन ने बताया कि राजनीतिक दलों के लिए एसआईआर में भाग लेना जरूरी है क्योंकि उन्होंने पहले भी इसकी पवित्रता पर सवाल उठाए हैं। उन्हें इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अपने बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) भी नियुक्त करने चाहिए। 1951 से 2004 के बीच देश में आठ बार एसआईआर की प्रक्रिया अपनाई गई और आखिरी बार ऐसा लगभग 21 साल पहले 2002-2004 में किया गया था। मध्यप्रदेश में एसआईआर आखिरी बार एक जनवरी, 2003 को किया गया था। जादौन ने बताया कि मतदाता सूची में बदलाव मतदाताओं के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने, उन्हें नए स्थान पर पंजीकृत कराने, मृतकों और विदेशी नागरिकों के नाम सूची से हटाने के आधार पर किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची का एसआईआर शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीईओ यशवंत कुमार ने कहा कि राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से न छूटे। उन्होंने कहा कि इस कवायद के तहत 28 अक्टूबर से तीन नवंबर तक प्रकाशन और प्रशिक्षण गतिविधियां होंगी, जिसके बाद चार नवंबर से चार दिसंबर तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर फॉर्म वितरित करेंगे। 27 अक्टूबर तक के आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में 2,11,05,391 मतदाता हैं। 2003 में जब एसआईआर हुआ था, तब राज्य में 1,32,90,338 मतदाता पंजीकृत थे।

राज्य में 70.55% मतदाताओं को कोई दस्तावेज देने की जरूरत नहीं

जयपुर। राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवीन महाजन ने बताया कि राज्य में 70.55 प्रतिशत मतदाताओं को एसआईआर के दौरान दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी। महाजन ने बताया कि आयोग ने एसआईआर से पहले ही व्यापक मतदाता मैपिंग का काम कर लिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मतदाताओं को जिस दिन एसआईआर की घोषणा हुई है, उस दिन से ही दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी। जब बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर फार्म जमा करना शुरू करेंगे, जिसके बाद यह आंकड़ा 80 प्रतिशत को पार कर सकता है। राज्य में इस समय 5.48 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें से 70.55 प्रतिशत का मिलान 2002 और 2005 के बीच तैयार की गई पिछली एसआईआर मतदाता सूचियों से किया जा चुका है।

फरीदाबाद में कार के अंदर किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म

फरीदाबाद, एजेंसी

- चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया मामला

फरीदाबाद में चार युवकों ने 15 साल की एक किशोरी का अपहरण कर उससे अपनी कार में कथित तौर पर बलात्कार किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आठवीं कक्षा की छात्रा को 26 अक्टूबर की शाम सात बजे से 27 अक्टूबर को तड़के चार बजे तक बंधक बनाकर रखा गया, जिसके बाद आरोपी उसे उसके घर के पास छोड़कर अपनी गाड़ी में फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, लड़की की बहन ने शिकायत में आरोप लगाया है कि उसकी छोटी बहन 26 अक्टूबर की शाम करीब सात बजे सेक्टर-18 के बाजार गई थी और जब वह घर नहीं लौटी, तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन वह नहीं मिली। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि मेरी बहन 27 अक्टूबर को तड़के करीब 4:30 बजे घर पहुंची। उसने बताया कि पिछली शाम चार युवकों ने उसे कार में अगवा कर लिया था। वे उसे एक सुनसान इलाके में ले गए, उसे नशीला पदार्थ दिया और उससे बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मंगलवार को पुराना फरीदाबाद पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत चार अज्ञात युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अकासा एयर को खामियां दूर करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन कंपनी अकासा एयर में कई नियामकीय उल्लंघन और बार-बार दोहराई जाने वाली प्रक्रियागत खामियों का जिक्र करते हुए उसे सुधारात्मक कदम उठाने के लिए कहा है।

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि डीजीसीए ने अप्रैल से सितंबर, 2025 के बीच की निगरानी रिपोर्ट की विस्तृत समीक्षा के बाद यह निष्कर्ष निकाला है। उड़ान सुरक्षा, सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली और उड़ान ड्यूटी अवधि सीमा जैसे क्षेत्रों की समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि अकासा एयर में प्रक्रियागत त्रुटियां, दस्तावेजी खामियां और प्रणालीगत अनुपालन की नाकामी बार-बार दोहराई जा रही हैं।

अध्ययन | उपग्रह चित्रों के विश्लेषण के आधार पर दावा, पांच शहरों में 25 हजार इमारतें खतरे में

देश के पांच महानगरों में धंस रही करीब 900 वर्ग किलोमीटर भूमि

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली और चेन्नई सहित भारत के पांच महानगरों में लगभग 900 वर्ग किलोमीटर भूमि संभवतः धंस रही है और इससे 19 लाख लोगों को प्रति वर्ष चार मिलीमीटर से अधिक की भू धंसाव दर का सामना करना पड़ सकता है। एक अध्ययन में यह आकलन किया गया है। अमेरिका के वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट और स्टेट यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं ने 2015-23 के दौरान एकत्रित उपग्रह चित्रों का विश्लेषण किया और पाया कि 2,400 से अधिक इमारतों पर पहले से ही संरचनात्मक क्षति का खतरा मंडरा रहा है। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि भूमि धंसने से बाढ़ और भूकंप का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि जब किसी शहर के नीचे की जमीन असमान रूप से धंसती है, तो इससे नींव कमज़ोर हो सकती है, बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं और ढांचा कमजोर हो सकता है। 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' पत्रिका में प्रकाशित अनुसंधान पत्र के मुताबिक अगर भूमि में धंसाव की यह दर जारी रही, तो अगले 50 वर्षों में 23,500 से ज्यादा इमारतों को बहुत ज्यादा संरचनात्मक क्षति का सामना करना पड़ सकता है। अध्ययन में दिल्ली और चेन्नई के अलावा मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु की इमारतों का अध्ययन किया गया।

भवनों का भार और अत्यधिक जलदोहन कारण : वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट एंड स्टेट यूनिवर्सिटी के स्नातक छात्र और अनुसंधान पपत्र के प्रमुख लेखक नितेशनिर्मल सदाशिवम ने बताया कि अध्ययन में शामिल शहरों में भूमि धंसाव के प्रमुख कारकों में अत्यधिक भूजल का दोहन शामिल है, तथा घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भवनों का भार भी भूमि धंसाव का कारण बन रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान धंसाव दर और भविष्य की स्थितियों का सटीक विश्लेषण इंगित करता है कि दिल्ली-एनसीआर में भवनों को नुकसान पहुंचने का खतरा सबसे अधिक है।

2030 तक नई दिल्ली दुनिया का सबसे बड़ा महानगर

अनुसंधान पत्र के लेखकों ने कहा कि अनुमान है कि 2030 तक नई दिल्ली, जापान के तोक्यो को पीछे छोड़कर विश्व की सबसे बड़ा महानगर बन जाएगा तथा भारत में दो अतिरिक्त महानगर भी उभरने की संभावना है। उन्होंने कहा कि देश की जनसंख्या 2024 तक 0.92 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिससे कई शहरी क्षेत्रों में पानी की गंभीर कमी हो सकती है। अनुसंधानकर्ताओं ने पांचों महानगरों में 13 लाख से अधिक भवनों का अध्ययन किया जहां आठ करोड़ आबादी रहती है।

भूधंसाव से 19 लाख लोग प्रति वर्ष हो रहे प्रभावित

उन्होंने पाया कि 878 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में भू धंसाव की जानकारी मिली, जिससे लगभग 19 लाख लोग प्रति वर्ष चार मिलीमीटर से अधिक की धंसाव दर से प्रभावित हो रहे हैं। अध्ययन के मुताबिक शहरों में व्यापक पैमाने पर भू-धंसाव देखा गया, जिसमें नयी दिल्ली में सबसे अधिक दर 51 मिलीमीटर प्रति वर्ष से भू धंसाव देखी गई। इसके बाद चेन्नई में 31.7 मिलीमीटर प्रति वर्ष तथा मुंबई में 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष की दर से भू-धंसाव दर्ज किया गया। कोलकाता में भू-धंसाव की दर सबसे अधिक 16.4 मिलीमीटर प्रति वर्ष दर्ज की गई।

अमृत विचार

बुधवार, 29 अक्टूबर 2025

हमें अपने संकल्प पर विश्वास करना चाहिए और उस पर टिके रहना चाहिए।

–**अटल बिहारी बाजपेयी**, पूर्व प्रधानमंत्री

चुनावी स्वच्छता अभियान

देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दूसरे चरण की घोषणा भारतीय लोकतंत्र की चुनावी प्रक्रिया में विश्वसनीयता और पारदर्शिता के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची की शुद्धता, सटीकता ही निष्पक्ष चुनाव की नींव होती है और इस दृष्टि से यह कदम लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करेगा। यह केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधि प्रणाली की शुद्धिकरण का भगीरथ प्रयास है। उत्तर प्रदेश को केंद्र में देखें तो इस पहल का महत्व और भी बढ़ जाता है। देश का सबसे बड़ा राज्य होने के नाते, यहां के मतदाता आंकड़े चुनावी समीकरणों को निर्णायक रूप से प्रभावित करते हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में लगभग 16 करोड़ मतदाता हैं। निर्वाचन आयोग के अनुमान के अनुसार, इस पुनरीक्षण प्रक्रिया में करीब 25 लाख नए मतदाता जुड़ने की संभावना है, जबकि 12 लाख नामों के हटने की आशंका है। इनमें मुख्यतः मृतकों, दोहराए गए नामों या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटेंगे। बेशक यह प्रक्रिया राज्य के लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अधिक विश्वसनीय बनाएगी।

पिछले 21 वर्षों से इस स्तर का व्यापक पुनरीक्षण न होना चिंता का विषय रहा है। इसके पीछे तकनीकी सीमाएं, प्रशासनिक उदासीनता और राज्यों के बीच समन्वय की कमी तथा परिस्थिति विशेष जैसे कारण बताए गए, लेकिन अब डिजिटल वेरिफिकेशन, आधार लिंकेज, मोबाइल ऐप आधारित फील्ड एंट्री और ऑनलाइन शुद्धिकरण प्रणाली जैसी नई तकनीक ने इस प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और किंचित सरल तथा त्रुटि-मुक्त बनाया है। इससे फर्जी वोटर पहचानने, दोहराव रोकने और स्थानांतरित मतदाताओं को सही बूथ पर दर्ज करने में मदद मिलेगी, पर पूरी तरह शुद्ध सूची सुनिश्चित करने के लिए आयोग को निरंतर निगरानी और त्रिस्तरीय सत्यापन प्रणाली लागू करनी होगी। फील्ड वेरिफिकेशन टीमों को प्रशिक्षण और पूरी जवाबदेही के साथ काम करना होगा, विपक्ष के 'वोट चोरी' के आरोपों का तथ्यात्मक उत्तर इससे दिया जा सकेगा। आयोग के अनुसार प्रक्रिया निष्पक्ष है। बिहार में हालिया पुनरीक्षण के दौरान 65 लाख नाम हटाए और 48 लाख नए मतदाता जोड़े गए, लगभग 40 हजार संदिग्ध प्रवासी मतदाताओं की पहचान की गई। असम को इस सूची से फिलहाल बाहर रखा गया है, क्योंकि वहां राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर और मतदाता सूची का तालमेल जटिल है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल की सरकारों की तकनीकी हस्तक्षेप और डेटा गोपनीयता की आपत्तियों पर आयोग ने इन राज्यों को आश्वस्त किया है कि मतदाता सूची से जुड़ा हर डेटा सुरक्षित रहेगा और राज्य सरकारों को सत्यापन प्रक्रिया में बराबर भागीदारी दी जाएगी। फिर भी राजनीतिक विवाद अनिवार्य है।

कुल मिलाकर, मतदाता सूची को अद्यतन करने का यह विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम लोकतंत्र की आत्मा को निर्मल रखने का यह प्रयास है, जो वोट के अधिकार को सुरक्षित बनाने के साथ उस जनविश्वास को भी सुदृढ़ करता है, जिस पर लोकतांत्रिक शासन की इमारत खड़ी है, जिसकी सफलता नागरिकों की जागरूकता और आयोग की निष्पक्षता दोनों पर समान रूप से निर्भर करती है।

प्रसंगवश

संघ का मंत्रः राष्ट्रधर्म और निःस्वार्थ सेवा

एक अद्भुत संरचना, त्याग और निःस्वार्थ सेवा का भाव, संघ को अन्य संस्थाओं से अलग व पवित्र बनाता है। संघ आज अपने सौ वर्ष का चक्र पूरा करने के उपलक्ष्य में शताब्दी वर्ष मना रहा है। अत्यंत सरलता व सादगी के साथ। वर्तमान समय की परिस्थितियों को देखने-विचारने के पश्चात, एक गहन चिंतन से शोधित करते हुए, सघन विचार-विमर्श से परिष्कृत करने के उपरांत संघ ने समाज को पांच परिवर्तन का विचार दिया। समाज को सुमार्ग पर लाने के लिए, अंदर से रक्षा तंत्र का मजबूत करते हुए राष्ट्र धर्म का हितैषी संघ आज 'शताब्दी वर्ष' की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र चिंतन के प्रति समर्पित है।

गौरव शर्मा 'जौली'

लेखक

अनेक बुद्धिजीवियों, विचारकों, समाजसेवकों, संगठनों के विचार, विगत 3-4 बरसों से लिए जा रहे थे। तद्उपरांत बैठकों में सभी विचारों को समाहित किया गया और पंच परिवर्तन का विचार संघ ने हिंदू समाज के सामने रखा। असंतोष को जन्म देकर ही वामपंथ अपनी जड़े मजबूत करता आया है। वामपंथी विचारधारा के लिए 'जात-पात' सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। शूद्र, ठाकुर, बनिया, ब्राह्मणवाद जैसे शब्द वामपंथ के तरकश में रखे अलौकिक तीर हैं, जो राष्ट्र की भावना को भेद देते हैं। राष्ट्र भावना की जड़ में है शास्त्र, वेद, ऋचाएं। ये सभी को संस्कार से जोड़ती हैं। संस्कार का मार्ग, धर्म के आंगन में खुलता है। धर्म ही हमें सनातन रूपी अलौकिक सत्ता से रूबरू करवाता है। सनातन से साक्षात्कार होते ही हम अपनी जननी मातृभूमि मां भारती के ऋण को चुकाने हेतु सत्कर्म प्रारंभ कर देते हैं। वामपंथ झूठे नैरेटिव गढ़ते हुए सनातन को मार्ग से विचलित करने का कार्य पिछले 70 बरसों से करता आ रहा है, किंतु हमारे शास्त्र शाश्वत हैं, सत्य हैं।

जिस रामायण को महान् ऋषि वाल्मीकि ने लिखा, वहीं हमारे मंदिर-मठों में स्वीकार्य है। जाति में श्रेष्ठ, किंतु संस्कार विहीन रावण का वध श्रीराम ने किया। सारा खेल संस्कारों का है। नई सनातन पीढ़ी को समरसता के माध्यम से समाज को मजबूत दिशा देने का प्रयास करेगा संघ। संवाद के माध्यम से सामंजस्य स्थापना के बाद परिवार को समाज से जोड़ देना ही संघ की प्राथमिकता है। इसके लिए, संघ भी अपना एक रोड मैप तैयार कर रहा है। 'सर्वभवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया' हमारे ऋषि-मुनियों ने एक ऐसी धरा क कल्पाना की थी, जो हरी भरी हो, जहां जन मानस सुख से जीवनयापन करता हो व निरोगी काया को प्रथम सुख बताते हुए, वसुंधरा के प्रति अपने कर्तव्यबोध का ज्ञान कराया था।

प्रत्येक राष्ट्र के निर्माण में उस देश के नागरिकों का चरित्र व राष्ट्र के प्रति संवेदना महत्वपूर्ण होती है। व्यक्ति निर्माण व प्रथम चरण हैं कर्तव्य बोध। किसी भी राष्ट्र का उत्थान व पतन का महत्वपूर्ण बिन्दु, उस राष्ट्र के व्यक्ति से जुड़ा होता है। सभ्यता, संस्कृति के लिए सजगता के साथ-साथ राष्ट्र के उत्थान के लिए कर्तव्य बोध होना परम आवश्यक है। भारत के मूल स्वरूप में उसकी संस्कृति है। धर्म है। वैदिक ज्ञान, वैदिक गणित, योगाचार्य आदि महत्वपूर्ण विषयों की जरूरत पूरा विश्व महसूस कर रहा है। एक लंबी अवधि के उपरांत भारतीय सरकार भी अपनी संस्कृति, सभ्यता को लेकर जागृत अवस्था में आई है। व्यक्ति निर्माण समाज की प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित करने वाली इकाई है। इन्हीं सब चिंतन के प्रत्येक नगर, बस्ती में स्वयंसेवक सामाजिक समीक्षा करने में लग्न है। ब्यौरा भी प्रांत व क्षेत्र स्तर तक भेजा जा रहा है। संघ एक बार पुनः 'जौहरी' की भूमिका अदा करते हुए सामाजिक रत्नों को शोधित करने का बीड़ा उठा रहा है।

नक्सलवादः वैचारिक मोर्चे पर भी जरूरी है प्रतिबद्धता

सर्वेश कुमार सिंह

स्वतंत्र पत्रकार

'लाल आतंक' पराभव की ओर है। वर्ष 2025 को माओवाद के सशस्त्र संघर्ष के अंत के रूप में यादि किया जाएगा। भारत में लाल आतंक का अंत असंभव मान लिया गया था। एक पूर्व प्रधानमंत्री ने हताशा प्रकट कर दी थी। कह दिया था, यह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन आत्मविश्वास से लबरेज और संकल्पबद्ध गृहमंत्री अमित शाह ने इस असंभव को संभव बना दिया है। गृहमंत्री शाह ने घोषणा कर दी है कि 31 मार्च 2026 तक 'नक्सलवाद मुक्त भारत' होगा। इसकी कल्पना भी एक दशक पहले नहीं थी कि कोई इतने आत्मविश्वास के साथ संकल्प दिवस की घोषणा कर देगा।

तारीख बताकर नक्सलवाद का अंत करेगा, लेकिन ऐसा होता दिखायी दे रहा है, क्योंकि चार दिन में यानी कि 14 से 17 अक्टूबर के बीच शीर्ष नक्सल कमांडरों के नेतृत्व में तीन सौ से अधिक नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। हाथों में एसएलआर, एके 47 और इंसास राइफलें संभालने वाले नक्सवादी इन तीन दिनों के भीतर हाथों में गुलाब और संविधान की प्रतियां लेकर पुलिस और प्रशासन के सामने आ गए, लेकिन, सशस्त्र संघर्ष को परास्त करने के बाद भी वैचारिक मोर्चे पर समर शेष है।

डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सलवादी कमांडर और वैचारिक प्रेरक की भूमिका निभाने वाले भूपति ने 15 अक्टूबर को गढ़चिरोली में हथियार डाल दिए। समर्पण करने वाले नक्सलवादियों की संख्या 60 थी। इसके एक दिन बाद ही छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में 210 नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण किया। यहां दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य भास्कर उर्फ राजमन मंडावी, कमेटी प्रवक्ता रूपेश उर्फ विकल्प, रनीता, राजू सलाम के नेतृत्व में समर्पण हुआ। इसके साथ ही बस्तर में बीएसएफ के सामने नक्सलवादियों ने हथियार डाले। आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती का सामना करके भारत सफलता के एकदम निकट है। यह चुनौती लगभग छह दशक से भारत की आंतरिक सुरक्षा चिंता की केंद्र बिन्दु बनी हुई थी, लेकिन चार दिन में तीन सौ से अधिक नक्सलवादियों के आत्मसमर्पण से यह उम्मीद बंधी है कि अब भारत ने इस चुनौती का सफलता से सामना कर लिया है। ये आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में शीर्ष माओवादी कमांडरों के नेतृत्व में हुए।

माओवादी विचार से प्रेरित नक्सलवाद की अब कमर टूट चुकी है। भूपति के आत्मसर्पण और उसके द्वारा अन्य साथियों को लिखे गए पत्रों से स्प्ष्ट है कि इनके वैचारिक प्रेरक ने तात्कालिक परिस्थियों को समझते हुए ही समर्पण का निर्णय लिया है। उसने अन्य साथियों को भी लिखा है कि अब सशस्त्र संघर्ष का समय नहीं है, परिस्थितियां अनुकूल नहीं है, इसलिए अहिंसा का रास्ता अपनाकर सामान्य जनजीवन में लौटना ही सही निर्णय होगा।

इस आतंक को संप्रग सरकार के कार्यकाल में 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती करार दिया था, किंतु संयुक्त प्रगतिशील सरकार ने इसे जितनी बड़ी चुनौती बताया, उसके अनुपात में योजनाएं और अभियान पर्याप्त नहीं थे, बल्कि नक्सलवादियों के साथ आंध्र प्रदेश में वार्ता के लिए 2004 में एक तरफा कार्रवाई रोकने की नीति ने स्थिति को और अधिक भयावह बना दिया था। इसी का परिणाम था कि नक्सलवादियों ने कई जघन्य आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया। इन घटनाओं से यह लगने लगा था कि लाल आतंक देश में बेलगाम है। वर्ष 2003 से 2013 का यह वही दौर था जब उन्होंने सुरक्षा बलों के काफिलों पर बड़े हमले किए थे। नक्सल आतंक 2013 में सबसे ज्यादा जिलों में व्याप्त था। उस समय देश के 126 जिले माओवादी हिंसा की घटनाओं से प्रभावित थे। अब 2025 की शुरुआत में यह संख्या घटकर 18 रह गई। मौजूदा समय में यह 11 जिलों तक सीमित है। इनमें भी सिर्फ तीन जिले ही अति प्रभावित की श्रेणी में हैं।

वर्ष 2013 में छत्तीसगढ़ के दरभा घाटी में घात लगाए बैठक नक्सलवादियों ने कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला कर दिया था। इसमें 24 कांग्रेस नेता मारे गए थे। तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू पर 2003 में जानलेवा हमला किया गया था। दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ के कैंप पर 2010 में हमला किया गया। इसमें 76 जवान शहीद हुए थे। नक्सलवादियों का यह सबसे बडा हमला था। उत्तर प्रदेश के चंदौली में नौगढ़ क्षेत्र में 20 नवंबर 2004 को पीएसी की गाड़ी को बारुदी सुरंग से उड़ा दिया गया था, इसमें 17 जवान शहीद हो गए थे। इसमें 12 जवान पीएसी के तथा 5 नागरिक पुलिस के थे।

गृह मंत्री अमित शाह ने आत्मविश्वास और सटीक योजना के साथ यह दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है कि 31 मार्च 2026 तक देश नकस्लवाद मुक्त हो जाएगा, तो इस पर कोई संदेह नहीं होता। इसका कारण है कि जिस तेजी से नक्सली हथियार डाल रहे हैं। लाल गुलाब के फूल और संविधान हाथ में लेकर बाहर आ रहे हैं, उससे यह विश्वास होता है कि गृहमंत्री इस संकल्प को समय सीमा में या उससे भी पहले पूरा कर लेंगे।

जिस कुशलता और सुदृढ़ रणनीति के साथ केंद्र सरकार ने इस मोर्चे पर सफलता अर्जित की है, वह अमित शाह की दूरदर्शिता, कुशल रणनीतिक सूझबूझ और दृढ संकल्प को दर्शाता है। भारत की यह ऐसी उपलब्धि है, जिसे सुरक्षा की दृष्टि से तीन दशक की सबसे बड़ी घटना के रूप में देखा जा सकता है। यह लड़ाई किसी युद्ध से कम नहीं थी। इसमें जो जानें गईं, सरकारी संपत्तियों को जो नुक्सान हुआ, सरकारी धन का जो व्यय हुआ, वह किसी भी बाहरी युद्ध से कम नहीं था। नक्सलवाद ने पूर्वोत्तर और दक्षिण पूर्व के कई राज्यों में विकास को बाधित कर दिया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा कर दी है कि 31 मार्च 2026 तक 'नक्सलवाद मुक्त भारत' होगा। इसकी कल्पना भी एक दशक पहले तक संभव नहीं थी।

आमने

अगर किसी भी योग्य मतदाता का नाम सूची से हटाया गया तो टीएमसी लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगी। हम एक पारदर्शी वोटर लिस्ट के पक्ष में हैं। अगर किसी का नाम हटाने की कोशिश हुई, तो लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन होगा। दिल्ली में निर्वाचन आयोग का घेराव होगा।

–**कुणाल घोष**

प्रवक्ता, तृणमूल कांग्रेस

सामने

बंगाल में कोई भी फर्जी या अवैध मतदाता नहीं होना चाहिए। ममता बनर्जी सरकार एसआईआर से इसलिए डर रही है, क्योंकि उनके वोटबैंक में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए शामिल हैं। टीएमसी को डर है कि अवैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हट जाएंगे।

–**केया घोष**, भाजपा नेता

'चिकन नेक' पर पाक की नापाक निगाह

दिग्विजय सिंह

कानपुर

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत से पिटने के बाद अब पाकिस्तान, भारत के मित्र देशों और पड़ोसियों से अपने सैन्य रिश्ते को मजबूत करने में जुट गया है। यह कोशिश भारत को चौतरफा घेरने की है। भारत के सऊदी अरब से गहरे रिश्ते हैं। पाकिस्तान ने पहले सऊदी अरब से सैन्य समझौता किया। इसमें तय हुआ कि एक देश पर हमला दोनों देशों के विरुद्ध युद्ध माना जाएगा। इस समझौते से पहले पाकिस्तान ने बांग्लादेश को भारत के विरुद्ध किया और अब मालदीव से सैन्य समझौता करके यह बताने का प्रयास कर रहा है कि वह भारत को चैन से बैठने नहीं देगा, हालांकि वह भूल रहा है कि भले ही बांग्लादेश को उसने अपने पाले में कर लिया है, लेकिन मालदीव और सऊदी अरब को लाख कोशिश के बाद भी भारत के विरुद्ध नहीं कर पाएगा।

इंडिया आउट का नारा देकर मालदीव की सत्ता में आए मोहम्मद मुइज्जू ने पहले तो भारत के विरुद्ध खूब जहर उगला था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक दांव ने उन्हें घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया था। अब वे भारतीय नेतृत्व का गुणगान कर रहे हैं। बांग्लादेश और भारत के रिश्ते हमेशा मजबूत रहे हैं, लेकिन वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद पाकिस्तान को वहां जड़ें जमाने का मौका मिल गया, क्योंकि मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की नीतियां भारत विरोधी रही हैं और वे अब कट्टरपंथियों के हाथ की कठपुतली बन गए हैं। यही वजह है कि बड़े पैमाने पर बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। मोहम्मद यूनुस लगातार भारत विरोधी बयान दे रहे हैं और कई बड़े प्रोजेक्ट को रद्द भी कर चुके हैं।

पाकिस्तान के दूसरे सबसे बड़े ताकतवर सैन्य कमांडर ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टॉफ कमेटी के चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने यूनुस के साथ बैठक की। यूनुस ने उन्हें एक विवादित नक्शा दिया, जिसमें भारत के कुछ हिस्से को बांग्लादेश का बताया गया है। भारत के विरोध में अंधे हो चुके मोहम्मद यूनुस किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। कहा जा रहा है कि वे चिकन नेक के करीब द्वितीय विश्वयुद्ध की पुरानी पड़ चुकी हवाई पट्टियों के रखरखाव की जिम्मेदारी पाकिस्तान को सौंप सकते हैं।

हाल ही में बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार जमा ने इन हवाई पट्टियों का दौरा किया था। जनरल साहिर शमशाद इसी सिलसिले में वहां जाना चाहता है, हालांकि अभी ये अटकलें हैं कि पाकिस्तान को हवाई पट्टियां सौंपी जा सकती हैं, लेकिन बांग्लादेश के हुक्मरानों का भारत के प्रति जो रवैया है उससे लगता है कि अटकलें सही हो सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो भारत के लिए यह रणनीतिक रूप से अच्छा नहीं होगा।

चिकन नेक को सिलीगुड़ी कॉरिडोर भी कहा जाता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण और रणनीतिक रूप से संवेदनशील यह मार्ग काफी संकरा है। भारत सरकार ने यहां सेना, वायुसेना, रडार और मिसाइलों की तैनाती कर रखी है। यह भारत को चीन की चुंबी घटी के संदर्भ में रणनीतिक बढ़त देता है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान के बीच स्थित होने के कारण इसे संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। बांग्लादेश की सत्ता में बैठे जिम्मेदार लोगों द्वारा इस चिकन नेक को लेकर दिए जाने वाले बयानों से भारत सरकार और हमारी सेना सतर्क है।

पिछले दिनों असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बांग्लादेश को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा था कि बांग्लादेश की दो-दो चिकन नेक को तोड़ दिया जाएगा। उनका इशारा बांग्लादेश के चटगांव और रंगपुर इलाकों को लेकर था। यह भी जानना जरूरी है कि पिछले एक साल से पाकिस्तान के सैनिक बांग्लादेशी सेना को प्रशिक्षित कर रहे हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि द्वितीय विश्वयुद्ध की पुरानी पड़ चुकी हवाई पट्टियों पर अमेरिका की भी नजर है। वह भी चाहता है कि बांग्लादेश की ये हवाई पट्टियां उसे मिल जाएं, ताकि वह यहां अपना एयरबेस बनाकर चीन और भारत पर नजर रख सके। अमेरिका के स्पेशल फोर्सेज के कमांडो की मौजूदगी भी बांग्लादेश में है, ऐसी चर्चाएं लगातार हो रही हैं।

जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने मालदीव की यात्रा की है। जनरल ने मालदीव से सैन्य संबंधों को और बढ़ाने पर चर्चा की है। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुइज्जू और मिर्जा के बीच चर्चा दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित रही। मुइज्जू भारत का विरोध करके ही सत्ता में आए थे। उन्होंने भारत के विरुद्ध अकड़ भी खूब दिखाई थी, लेकिन जब भारतीय पर्यटकों ने मालदीव से मुंह मोड़ लिया तो उनकी अकड़ ढीली हो गई, क्योंकि मालदीव की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान भारतीय पर्यटकों का है।

अब मुइज्जु और उनकी सरकार के मंत्री भारत का विरोध करने से बचते हैं। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के हाथों पिटे पाकिस्तान के साथ वे भारत विरोधी किसी गतिविधि का हिस्सा बनेंगे, यह मुश्किल है। वैसे तो सऊदी अरब से रक्षा समझौता करने के बाद पाकिस्तान के हुक्मरानों ने बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन अफगानिस्तान से हुए संघर्ष में इस समझौते की हवा निकल गई थी।

भारत के विरोध में अंधे हो चुके मोहम्मद यूनुस 'चिकन नेक' के करीब द्वितीय विश्वयुद्ध की पुरानी पड़ चुकी हवाई पट्टियों के रखरखाव की जिम्मेदारी पाकिस्तान को सौंप सकते हैं।

सोशल फोरम

एक 'नींद' ने सुलझा दी गणित की गूढ़ समस्या

कोलंबिया विश्वविद्यालय में गणित के एक कोर्स के दौरान एक छात्र कक्षा में सो गया, जब उसकी नींद खुली, तो उसने देखा कि प्रोफेसर ने व्हाइट बोर्ड पर दो समस्याएं लिखी थीं। उसने सोचा कि ये होमवर्क है, इसलिए वह उन्हें अपनी नोटबुक में नोट करके घर ले गया।

ट्रवेल प्वाइंट

फेसबुक

जब उसने उन समस्याओं को हल करने की कोशिश की, तो वे उसे बेहद कठिन लगीं, लेकिन उसने हार नहीं मानी। घंटों लाइब्रेरी में बैठकर उसने संदर्भ पुस्तकों की मदद से अध्ययन किया और अंततः वह एक समस्या को हल करने में सफल हो गया, भले ही यह काफी चुनौतीपूर्ण था। अगले दिन कक्षा में प्रोफेसर ने जब होमवर्क के बारे में कुछ नहीं पूछा, तो वह चकित हुआ और खड़े होकर पूछा, "सर, आपने पिछले लेक्चर में दिए गए असाइनमेंट के बारे में कुछ क्यों नहीं पूछा?"

प्रोफेसर ने उत्तर दिया, "असाइनमेंट? वो तो मैंने केवल ऐसे उदाहरण के तौर पर लिखी थीं, जिन्हें अभी तक वैज्ञानिक हल नहीं कर पाए हैं।"

छात्र चौंक गया और बोला, "लेकिन मैंने उनमें से एक को हल कर लिया है! मैंने इस पर चार पेपर भी लिखे हैं।" उसकी इस उपलब्धि को बाद में मान्यता मिली और कोलंबिया विश्वविद्यालय में उसके लिखे चारों पेपर आज भी प्रदर्शित हैं।

इस छात्र का नाम था जॉर्ज डैंटजिग और यह समस्या Math Stack Exchange से ली गई थी। डैंटजिग ने यह सिद्ध किया कि Student's t-test के संदर्भ में, एकमात्र तरीका, जिससे हम ऐसी hypothesis testing बना सकते हैं, जो standard deviation से स्वतंत्र हो, वह है एक निरर्थक परीक्षण, जो हमेशा समान संभावना से रिजेक्ट या एक्सेप्ट करता है जो व्यावहारिक नहीं है।

यह कहानी हमें बताती है कि उन लोगों की बात मत सुनो, जो कहते हैं कि तुम कुछ नहीं कर सकते। आज की पीढ़ी अक्सर निराशा और नकारात्मकता से घिरी होती है। कुछ लोग जानबूझकर दूसरों के भीतर असफलता और हार का बीज बोते हैं, लेकिन तुम्हारे पास अपनी मंजिल पाने की ताकत है, बाधाओं को पार करने की शक्ति है और अपने सपनों को साकार करने का साहस है। बस खुद पर विश्वास रखो और लगातार प्रयास करते रहो।

सामयिकी

एसआईआर की जरूरत और सियासत के सवाल

चुनाव आयोग एसआईआर (मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण) का दूसरा चरण शुरू करने जा रहा है। बारह राज्यों में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) होगा। बिहार के बाद अब चुनाव आयोग ने दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ सहित देश के नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर कराने जा रहा है। संबंधित राज्यों की मौजूदा वोटर लिस्ट फ्रीज हो गई है। एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो गई है और सात फरवरी 2026 को खत्म होगी। इस दौरान चार नवंबर से चार दिसंबर तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने के साथ सत्यापन भी करेंगे। सात फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी। बीएलओ घर-घर जाकर जो गणना (एन्यूमरेशन) फॉर्म देंगे, इसमें मतदाता की हर डिटेल पहले से भरी होगी और फोटो लगानी होगी। इन राज्यों में 21 साल बाद एसआईआर की प्रक्रिया की जा रही है। इससे पहले 2002 से 2004 में एसआईआर किया गया था, इसलिए इस बार होने वाली पूरी प्रक्रिया में 2003 की वोटर लिस्ट को आधार बनाया जाएगा। चुनावी राज्य असम में अभी एसआईआर नहीं होगी। चुनाव आयोग के अनुसार असम के लिए अलग से रिवीजन ऑर्डर्स जारी किए जाएंगे और वहां अलग तारीख की घोषणा की जाएगी। अलबत्ता राजनीतिक दल मतदाता सूचियों पर लगातार सवाल उठा रहे हैं।

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

इस महाअभियान में एक दर्जन सूबों के करीब 51 करोड़ मतदाताओं के नाम की जांच की जाएगी और सात लाख से अधिक बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) इस टास्क को अंजाम देंगे। इससे चुनाव आयोग को मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन (अपडेट करने) बनाने में मदद मिलेगी। मृत, स्थानांतरित या दोहरी प्रविष्टियों (डबल एंट्रीज) को हटाकर पारदर्शिता बढ़ाई जानी है। एसआईआर अभियान एक मजबूत, निष्पक्ष और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एक अच्छे लोकतंत्र की यही पहचान है कि उसकी चुनाव प्रक्रिया भरोसेमंद हो। एसआईआर के दौरान केंद्र या राज्य सरकार से जारी पेंशन का कागज सरकारी या स्थानीय निकाय, बैंक, पोस्ट ऑफिस, एलआईसी से जारी सर्टिफिकेट, जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, शैक्षिक प्रमाणपत्र, स्थायी निवास प्रमाणपत्र, अधिकार प्रमाणपत्र, जाति प्रमाण पत्र, एनआरसी राज्य या स्थानीय निकाय का परिवार रजिस्टर, जमीन या आवास आवंटन सर्टिफिकेट, आधार जैसे दस्तावेज मान्य होंगे।

बिहार में जब चुनाव के लिए बहुत कम वक्त बचा था, तब चुनाव आयोग ने अचानक एसआईआर की शुरुआत क्यों कर दी! ऐसे सवाल उठाए गए थे। उस दौरान यह बात कही गई थी कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने में पर्याप्त वक्त है, अगर वहां पहले एसआईआर कराया जाए तो यह देश व समाज के लिए बेहतर होगा। देश के विभिन्न राजनीतिक दलों और नागरिक समाज की भी समान जिम्मेदारी बनती है कि वे चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने में अपना भरपूर सहयोग करें। जब सभी पक्ष अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएंगे, तभी लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होंगी, इसलिए जब चुनाव आयोग पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की बात करता है, तो सबसे पहले उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी मौजूदा जिम्मेदारियां बिना किसी विवाद और संदेह के पूरी हों। तभी देश की जनता का भरोसा इस संवैधानिक संस्था पर और अधिक मजबूत होगा। देश में एसआईआर अच्छी बात है, लेकिन इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए कि ऐसे मतदाताओं के नाम सूची से नहीं हटने चाहिए, जो पात्र हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

फिल्म निर्माता मुजफ्फर अली की फिल्म उमराव जान के एक गीत को अक्सर लोगों को गुनगुनाते हुए सुना जाता है। दिल चीज क्या है आप मेरी जान लीजिए, दीवार-ओ-दर को गौर से पहचान लीजिए। इसके सुर, लय और ताल के साथ ही दिल में स्पंदन और मानस पटल पर कई तस्वीरें एक साथ उभरती हैं। फिल्म में उस दीवार और दर का संबंध कहां से है यह अलग बात है, लेकिन अयोध्या (तत्कालीन फैजाबाद) से इस दीवार और दर का गहरा नाता है। फिल्म के कई सीन फैजाबाद में पूरब का ताजमहल कहे जाने वाले बहू बेगम के मकबरे की बारादरी में शूट किए गए थे। उम्मत-उज़-ज़ोहरा 'बहू बेगम' अवध के नवाब शुजाउद्दौला की पत्नी थीं। यह मकबरा बहू बेगम ने ही बनवाया था। वर्तमान में यह ऐतिहासिक इमारत क्षरण के दौर से गुजर रही है। खंडहर में बदल रही है। अवैध कब्जे हो रहे हैं। कहने के लिए यह पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है, लेकिन स्थिति ठीक नहीं है। कभी यह तत्कालीन फैजाबाद की शान थी। *-राजेंद्र कुमार पांडेय*

बदहाल हो रहा 'पूरब का ताजमहल'

बहू बेगम मकबरा का निर्माण

पूरब के ताज महल कहे जाने वाले बहू बेगम मकबरा का निर्माण अवध के तीसरे नवाब शुजाउद्दौला (जन्म 19 जनवरी 1732, निधन 26 जनवरी 1775) ने ईस्ट इंडिया कंपनी से 22-23 अक्टूबर 1764 को लड़ाई हारने, फैजाबाद को अपनी राजधानी बनाने और अकाल के दौर में लोगों को काम देने के लिए अपनी पत्नी उम्मत-उज-जोहरा (जिन्हें बाद में बहू बेगम के नाम से जाना गया) के लिए शुरू कराया था। यह गैर-मुस्लिम वास्तु कला का उत्कृष्ठ नमूना है। जानकार कहते हैं कि इसमें ईरान से आए कारीगर और सामानों के साथ देशी मजदूरों और सामान का प्रयोग किया गया। हालांकि नवाब इसे पूरा नहीं करा पाए। जिम्मेदारी उनके बेटे आसफुद्दौला के पास आई, लेकिन लखनऊ को राजधानी बनाने के बाद उसने इसे इसके हाल पर छोड़ दिया, तो बहू बेगम ने निर्माण को आगे बढ़ाया। निर्माण के दौरान ही उनकी भी मौत हो गई, लेकिन उन्होंने इसके लिए धनराशि की व्यवस्था पहले से कर रखी थी। इसी से उनके खास सिपहसालार दाराब अली खान ने 42 मीटर ऊंचे मकबरे का निर्माण पूरा कराया, जहां से पूरे शहर को देखा जा सकता है। शहर के मौलाना जफर अब्बास कुम्मी बताते हैं कि बहू बेगम मकबरे के साथ की इमारतें नवाबी शान-ओ-शौकत का बेजोड़ नमूना है। इसके निर्माण में चार सौ मजदूर आठ साल तक लगातार लगे रहे। नवाबी काल में पूरब के ताजमहल के साथ व्यवस्थित शहर बसाने के लिए कई निर्माण कराए गए। इनमें गुलाबबाड़ी के साथ चौक की ऐतिहासिक घंटाघर सहित इकदरें और तीन दरें है। चौक में ही सैकड़ों साल पुरानी मस्जिद हसन रजा खां भी है।

नवाब काल में चौक ही बाजार हुआ करती थी। शहर फैजाबाद के चौक इलाके की पहचान चारों ओर बने दरों (मेहराबदार दरवाजे) से भी होती है। इन्हीं दरों के बीच शहर का महत्वपूर्ण बाजार बसता था। इसे त्रिपोलिया कहा जाता था, जहां दुकानें होती थीं। अब इसे घंटाघर के नाम से जाना जाता है। यहां मौजूद दुकानों में अब भी कई सैकड़ों साल पुरानी हैं। इन दरों पर यूरोपियन शैली के बेलबूटे उकेरे गए हैं। यह दरें एक प्रकार से इंट्री गेट थे। बाजार को वास्तु और ज्योतिषीय गणना के हिसाब से अर्ध चंद्राकार बनाया गया है। दरों को बनाए जाने का मकसद रायल बाजार को सुरक्षा और भव्यता देना था। शाही परिवार से या फिर दूसरे लोग बाजार में दाखिले के लिए इसी गेट से अंदर जा सकते थे। उनकी जांच पड़ताल की जा सकती थी। दरों की नक्काशी भी अद्भुत थी। लखौरी ईंटों और चूना सुर्खी से बने इन दरों पर उकेरे गए बेलबूटे की नक्काशी आकर्षण का केंद्र थी। दरों के दोनों किनारों पर दो बड़ी मछलियों की तस्वीर उकेरी गई है। यह शाही चिह्न था। इनकी भी अलग एक कहानी है। स्वतंत्रता के बाद सरकार ने इसी से राज चिह्न लिए जाने की बात कही जाती है। दरों की नक्काशी और मछलियों की अपनी सांस्कृतिक पहचान है। अब तो इनका क्षरण हो रहा है, लेकिन किसी समय में यह शहर की शोभा थे। पिछले कुछ दिनों से पूर्वी तीनदरें की मरम्मत के साथ सजाया, संवारा और संरक्षित किया जा रहा है। वहां लगाए गए मजदूर बताते हैं कि इसे उसी पद्धति से बनाया जा रहा जैसे यह पहले बना था। उम्मीद है कि इसका आकर्षण फिर वापस लौटेगा।

शहर के बीचों-बीच स्थित घंटाघर

शहर के बीचों-बीच स्थित घंटाघर शहर की एक पहचान है। कभी घंटाघर के समय की आवाज पर शहर सोता और जागता था। घंटाघर को बलरामपुर स्टेट के राजा ने जार्ज फिफ्थ के भारत आने पर खुशनूदी में लगवाया था। इसकी तकनीक अद्भुत थी। इसे लंदन से मंगवाकर स्थापित किया गया था। कभी यह घड़ी पानी की लहरों से चलती थी। इसकी आवाज पूरे शहर को सुनाई पड़ती थी। बाद में यह अपनी आभा खोता चला गया।

नगर पालिका फैजाबाद के पूर्व चेयरमैन विजय गुप्ता बताते हैं कि घड़ी के चलने के लिए घंटाघर के नीचे एक कुंआ है। यहां से घिर्री और महीन तार से ऊपर की सुई व घंटे को जोड़ा गया था। कुएं के पानी में एक बार लहर उत्पन्न करने के बाद यह लगातार चलती और समय बताती रहती थी, लेकिन बाद में खराब हो गई। उन्होंने दो बार इसकी मरम्मत कराई। बरेली के कारीगर से इसे ठीक कराया गया। पहली बार कुएं के पानी से चली, लेकिन घिर्री और तार न मिलने के कारण दोबारा, उन्होंने इस पर इलेक्ट्रॉनिक घड़ी लगवाई। साल भर चलने के बाद यह भी बंद हो गई। बीच में इसकी मरम्मत की जिम्मेदारी अयोध्या विकास प्राधिकरण ने भी ली थी, लेकिन बाद में वापस कर दिया। इस समय इसकी जिम्मेदारी नगर निगम के पास है, लेकिन शहर की शान घंटाघर की घड़ी बंद पड़ी है।

खोता जा रहा है आकर्षण

नवाबी काल की इमारतें अब अवैध कब्जों और रखरखाव के अभाव में बर्बाद हो रही हैं। इनका आकर्षण खोता जा रहा है। चाहे वह गुलाबबाड़ी की दरें हों या फिर बहू बेगम के मकबरे का दर। बहू बेगम मकबरे के दरें में कहीं दफ्तर तो कहीं स्कूल चल रहे हैं। चौक के दरे तो जगह-जगह रगड़ से टूट गए। अवैध कब्जे और गंदगी, अव्यवस्था से यह अपने हाल पर आंसू बहा रहे हैं। मरम्मत और रंगरोगन के अभाव में इनकी आभा जाती रही।

उत्तराखंड का रंगमंच
अपने ही रंगों की तलाश में

उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के साथ रंगकर्म की स्थिति उतनी ही चुनौतीपूर्ण है। थियेटर की दुनिया में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पहचान बना चुके वरिष्ठ अभिनेता एवं रंगकर्मी श्रीश डोभाल कहते हैं कि प्रदेश में रंगकर्म आज भी प्रोत्साहन और विजन के अभाव में पिछड़ा हुआ है। पेश हैं उनसे किए गए चुनिंदा सवालों के जवाब-

थियेटर से निकलता है फिल्मों का रास्ता

थियेटर सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि समाज का दर्पण है। फिल्मों की ओर जाने का रास्ता थियेटर से होकर ही निकलता है। यहां अनुशासन, गहराई और मनुष्य की आत्मा तक पहुंचने की शक्ति मिलती है। अगर उत्तराखंड इसे अपना ले, तो यहां से भी अगली पीढ़ी के निर्मल पांडे जन्म ले सकते हैं। आज जब मंच के परदे उठते हैं और रोशनी चेहरे पर पड़ती है, तो यह केवल एक नाटक की शुरुआत नहीं होती, बल्कि एक सपने का जीवित होना होता है। हमारे जैसे कलाकार उस सपने को जीते हैं और याद दिलाते हैं कि उत्तराखंड का रंगमंच अभी अपने असली रंगों की तलाश में है।

हरीश उप्रेती करन
हल्द्वानी

थियेटर के विकास में सरकार को गंभीर होना होगा

राज्य सरकार को रंगकर्म को लेकर गंभीर होना चाहिए। रंगकर्मियों के लिए कम से कम एक पुरस्कार तो होना ही चाहिए, ताकि कलाकारों का मनोबल बढ़े। अच्छे ऑडिटोरियम हों और वे आसानी से उपलब्ध भी कराए जाएं, तभी मंच पर नई पीढ़ी आएगी। अगर सरकार और समाज थोड़ी और गंभीरता दिखाए तो उत्तराखंड का रंगमंच भी नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

फिल्म और थियेटर में जमीन-आसमान का अंतर

फिल्म में गलती सुधारने का मौका होता है, थियेटर में नहीं। यहां दर्शक सामने होते हैं, उनकी सांसें आपके संवाद के साथ चलती हैं। एक चूक और पूरा अभिनय बेअसर। यही इसे कठिन भी बनाता है और खूबसूरत भी।

थियेटर से जीवन की आर्थिकी नहीं चलती

उत्तराखंड में कॉमर्शियल थियेटर का कोई ढांचा नहीं है। कलाकार अगर मंच से जुड़ा रहना चाहता है, तो उसे दूसरी आजीविका का सहारा लेना ही पड़ता है, जबकि महाराष्ट्र, गोवा या बंगाल में यही थियेटर जीवन जीने का साधन है।

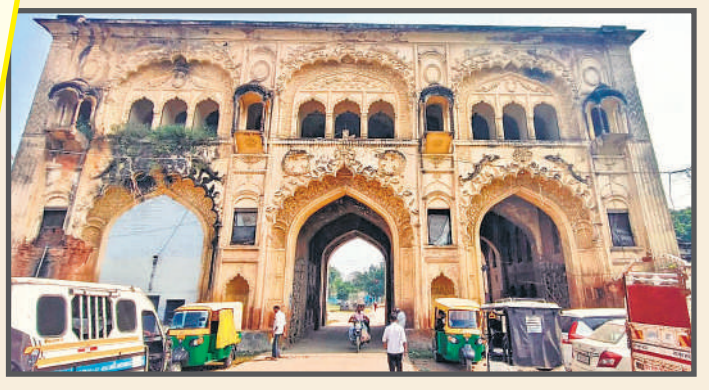

चंबा की रामलीला में कभी बंदर तो कभी राक्षस बने

मेरे रंगमंच की शुरुआत चंबा की रामलीला से हुई, जहां कभी बंदर तो कभी रावण की सेना में राक्षस बन जाता था। उच्च शिक्षा के लिए देहरादून आया तो जागृति संस्था से जुड़ा और वहीं से रंगमंच की ओर झुकाव बढ़ा। 1981 में एनएसडी में चयनित होने के बाद खुद को पूरी तरह थियेटर को समर्पित कर दिया।

रंगऋषि श्रीष डोभाल का परिचय

15 भाषाओं में नाटकों का निर्देशन, कन्नड़ में आठ नाटकों का मंचन, 35 से अधिक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय निर्देशकों के साथ काम और छह नाटकों का अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में सफल मंचन, श्रीश डोभाल का यह सफर, उन्हें सच्चा रंगऋषि बनाता है। राजस्थान के राज्यपाल द्वारा प्रदान किया गया गोल्डन अचीवर्स अवॉर्ड उनकी उपलब्धियों में चार चांद लगाता है।

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) से 1985 में स्नातक रहे श्रीश डोभाल ने प्रकाश झा की परिणति समेत नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं तीन फिल्मों के अलावा आसमां कैसे-कैसे और खिलती कलियां जैसे दो दर्जन से अधिक टीवी धारावाहिकों के अलावा कई टेलीफिल्मों में अभिनय किया है। हाल ही में उन्हें रंगमंच में उल्लेखनीय योगदान के लिए बलराज साहनी नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वह राजकुमार राव अभिनीत 'बधाई दो' फिल्म में भी नजर आ चुके हैं। उनकी गढ़वाली फिल्म 'रैबार' 19 सितंबर को देश के प्रमुख शहरों और अमेरिका में रिलीज हुई है।

रक्त अभिषेक नाटक में रंगकर्मी श्रीश डोभाल

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,628.16	25,936.20
गिरावट	150.68	29.85
प्रतिशत में	0.18	0.11

सोना 1,21,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,45,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 29 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2475, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 2005, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1925, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1945, क्लासिक किग्रा 2160, मोर 2200, चक्र टिन 2330, ब्लू 2175, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2520

किराना : (प्रतिकु.) हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल : (प्रति कु.) डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा ,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7550-8900, मलका छांटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 10800

चीनी : पीलीभीत 4400,सितारगंज 4300

एमसीएक्स में तकनीकी खराबी से 4 घंटे देर से खुला बाजार, जांच शुरू

अनिश्चितता के बीच आपदा बहाली साइट पर स्थानांतरित करना पड़ा कामकाज

मुंबई, एजेंसी

मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मंगलवार को तकनीकी खराबी के कारण कामकाज बाधित रहा। इसके चलते एक्सचेंज में चार घंटे से ज्यादा देरी से कारोबार शुरू हो सका और कामकाज को आपदा बहाली साइट पर स्थानांतरित करना पड़ा।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ने कहा कि उसकी सभी कारोबारी प्रणालियां अब सामान्य रूप से काम कर रही हैं और इस मामले की जांच प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर दी गई है। एमसीएक्स ने शेयर बाजार को बताया, एक्सचेंज में एक तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार को कारोबार शुरू होने में देरी हुई। कामकाज को आपदा बहाली (डीआर) साइट पर स्थानांतरित कर दिया गया और कारोबार दोपहर 1.25 बजे शुरू हुआ। कमोडिटी एक्सचेंज ने आगे कहा कि सभी कारोबारी प्रणालियां अब सामान्य रूप से काम कर रही हैं। एमसीएक्स ने बताया कि इस मामले की जांच प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर दी गई है। एमसीएक्स ने बताया, हम कारण की पहचान करने और जरूरी सुधारात्मक उपाय लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे निष्कर्षों और की गई कार्रवाई के बारे में हम समय से सूचना देंगे। इससे पहले, तकनीकी खराबी के कारण एमसीएक्स पर व्यापारिक गतिविधियां चार घंटे से ज्यादा समय तक बाधित रहीं, जिससे सत्र की शुरुआत में कई बार देरी हुई और बाजार सहभागियों में अनिश्चितता पैदा हो गई।

चार बार घोषित किया समय, शुरू नहीं हुआ बाजार

एक्सचेंज ने शुरुआत में सुबह नौ बजे से शुरू होने वाले सत्र को सुबह 9:30 बजे, फिर 10:30 बजे, 11:49 और 12:35 बजे के लिए पुनर्निर्धारित किया था, और फिर दोपहर 1:20 से 1:24 बजे के बीच एक विशेष सत्र की घोषणा की, जिसके बाद दोपहर 1:25 बजे से सामान्य कारोबार शुरू हुआ। इस व्यवधान ने सोना, चांदी, कच्चा तेल और तांबा, जस्ता तथा एल्युमीनियम जैसी आधार धातुओं का कारोबार प्रभावित हुआ। बाजार खुलने के बाद इनकी कीमत में एकाएक गिरावट आई। एमसीएक्स के शेयर के भाव भी गिर गए।

सोना 4,100 रुपये गिरकर 1,21,800 पर, चांदी 6,250 रुपये टूटी

नई दिल्ली। अमेरिका-चीन व्यापार तनाव कम से सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में मांग कम होने के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 4,100 रुपये गिरकर 1,21,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं और वैश्विक बाजारों में 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, सोमवार को सोने की कीमत 1,25,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 4,100 रुपये गिरकर सभी करों सहित 1,21,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जो पिछले बंद भाव 1,25,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, मंगलवार को सोने में और गिरावट आई और सुरक्षित निवेश मांग में कमी से यह और बढ़ गई। बिकवाली तेज होने से सोने की कीमतें तीन सप्ताह के निचले स्तर पर आ गईं। इस गिरावट का कारण तकनीकी बिक्री है। चांदी की कीमतों में भी मंगलवार को 6,250 रुपये की भारी गिरावट दर्ज की गई और यह सभी करों सहित 1,45,000 रुपये किलोग्राम रह गई। संघ के अनुसार, चांदी की कीमत सोमवार को 1,51,250 रुपये किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना दबाव में रहा और 94.36 डॉलर या 2.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,887.03 डॉलर प्रति औंस रह गया। पिछले सत्र में, यह 132.02 डॉलर या 3.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,000 डॉलर के स्तर से नीचे बंद हुआ था।

- **चीन-अमेरिका में व्यापार तनाव कम होने का असर**

शेयर बाजार में मुनाफावसूली, सेंसेक्स 151 अंक फिसला

मुंबई। एशियाई बाजारों में कमजोरी के बीच मंगलवार को आईटी, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और रियल्टी शेयरों में मुनाफावसूली से स्थानीय शेयर बाजार नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 151 अंक टूट गया जबकि निफ्टी को 30 अंक का नुकसान हुआ।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 150.68 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,628.16 अंक पर बंद हुआ। मजबूती के साथ सत्र की शुरुआत करने वाला सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 559.45 अंक तक टूटकर 84,219.39 अंक पर आ गया था।

एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 29.85 अंक यानी 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,936.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फाइनेंस के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही। टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर चढ़कर बंद हुए।

- **एशियाई बाजारों में कमजोरी का असर, निफ्टी भी 30 अंक गिरा**

अमेजन 14,000 कॉरपोरेट नौकरियों में करेगी कटौती

सिएटल। ऑनलाइन खुदरा कंपनी अमेजन कृत्रिम मेधा (एआई) पर खर्च बढ़ाने के कारण करीब 14,000 कॉरपोरेट नौकरियों में कटौती करेगी।

अमेजन में 'पीपल एक्सपीरियंस एंड टेक्नोलॉजी' की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बेथ गैलेटी ने मंगलवार को कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा, यह छंटनी नौकरशाही को कम करने एवं संसाधनों को स्थानांतरित करने के माध्यम से कामकाज को और भी मजबूत करने की दिशा में कदम है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम अपने सबसे बड़े दांव पर निवेश कर रहे हैं जो हमारे ग्राहकों की वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों के लिए सबसे अधिक मायने रखता है।

घरेलू आर्थिक उत्पाद में सेवा क्षेत्र का 55% योगदान मगर रोजगार का सृजन कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के आर्थिक उत्पाद की वृद्धि का प्रमुख आधार बन चुके सेवा क्षेत्र ने 2024-25 में राष्ट्रीय सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) में लगभग 55 प्रतिशत का योगदान दिया है और अब धीरे धीरे अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों में सेवा कारोबार का विस्तार दिखने लगा है। नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट 'भारत का सेवा क्षेत्रः रोजगार रूझानों और राज्य-स्तरीय सक्रियता पर अंतर्दृष्टि' में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में सेवा कार्यबल का बहुआयामी विवरण प्रस्तुत किया गया है जो इस क्षेत्र के दोहरे चरित्र को उजागर करती है। सेवा क्षेत्र में एक तरफ आधुनिक, उच्च-उत्पादकता वाले सेवा कारोबार है जो वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी तो हैं, लेकिन इनमें रोजगार सृजन की क्षमताएं सीमित हैं। दूसरी ओर पारंपरिक सेवा क्षेत्र हैं जो बड़ी संख्या में श्रमिकों को अपने में समाहित करते हैं लेकिन ऐसी सेवाएं मुख्यतः अनौपचारिक और कम वेतन वाले कारोबार के रूप में बनी हुई हैं। सेवाओं के क्षेत्र में रोजगार की गुणवत्ता में सुधार उत्पादन वृद्धि से पीछे चल रहा है।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम द्वारा यहां जारी यह रिपोर्ट उत्पादन और रोजगार के व्यापक दृष्टिकोण से सेवा क्षेत्र का पहला समर्पित मूल्यांकन हैं जो समग्र रुझानों से आगे बढ़कर अलग-अलग और राज्य-स्तरीय रूपरेखा प्रस्तुत करती हैं। इस अवसर पर आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी और सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग संघों के प्रतिनिधि और शिक्षा जगत के सदस्य उपस्थित थे। रिपोर्ट में पाया गया है कि सेवा-आधारित विकास का प्रसार अब क्षेत्रीय रूप से अधिक संतुलित होता जा रहा है।

- **नीति आयोग की रिपोर्ट, श्रमिकों का इन सेवाओं में कम वेतन**

सिफारिश : अनुकूल रणनीति विकसित करें

रिपोर्ट में राज्य स्तर पर, स्थानीय क्षमताओं के आधार पर सेवाओं के कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए अनुकूलित रणनीतियां विकसित करने, संस्थागत क्षमता में सुधार करने, सेवाओं को औद्योगिक प्रणालियों के साथ एकीकृत करने और शहरी एवं क्षेत्रीय सेवा समूहों का विस्तार करने की सिफ़ारिश की गई है। आयोग की ओर से मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अुनसार यह रिपोर्ट दर्शाती है कि सेवायें भारत में रोजगार वृद्धि और महामारी के बाद की स्थिति में सुधार का मुख्य आधार बनी हुई हैं ,फिर भी इनमें चुनौतियां कायम हैं।

नोएल टाटा समेत तीन ने मेहली मिस्त्री की ट्रस्टी के रूप में पुनर्नियुक्ति के खिलाफ किया मतदान

नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और उनके करीबी माने जाने वाले दो अन्य प्रभावशाली न्यासियों ने मेहली मिस्त्री की ट्रस्टी के रूप में पुनर्नियुक्ति के खिलाफ मतदान किया है। इससे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी को नियंत्रित करने वाली परोपकारी इकाई में दरार और गहरी हो गई।

टाटा समूह के संरक्षक रतन टाटा का पिछले साल निधन होने के बाद नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स का प्रमुख नियुक्त किया गया था। मेहली मिस्त्री को दिवंगत रतन टाटा के करीबी माना जाता है। मामले से अवगत लोगों ने बताया कि टीवीएस मोटर कंपनी के मानद चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह ने मंगलवार को मिस्त्री की न्यासी (ट्रस्टी) के रूप में पुनः नियुक्त किए जाने के खिलाफ मतदान किया। मिस्त्री का तीन साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद यह मतदान हो रहा था।

- **रतन टाटा के करीबी माने जाते हैं मेहली, खत्म हो चुका है कार्यकाल**

उन्होंने बताया कि हालांकि मिस्त्री के करीबी तीन अन्य न्यासी सिटीबैंक इंडिया के पूर्व सीईओ प्रमित झावेरी, मुंबई के वकील डेरियस खंबाटा और पुणे के समाजसेवी जहांगीर एच. सी. जहांगीर ने उनकी पुनर्नियुक्ति का समर्थन किया। यह विभाजन हाल ही में आम सहमति से संचालित दृष्टिकोण से एक स्पष्ट बदलाव का प्रतीक है।

नॉमिनी के बिना भी खाता खोलने से मना नहीं कर सकेंगे बैंक

मुंबई। बैंक खाता खोलने के पात्र लोगों को अब नॉमिनी का नाम देने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे और न ही इसके लिए खाते के परिचालन पर किसी प्रकार का प्रतिबंध लगा सकेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को जमा खातों, सेफ डिपॉजिट लॉकर और बैंकों के पास सुरक्षित कस्टडी में रखे गए सामान के संबंध में नॉमिनी से जुड़े नए निर्देश जारी किए जो एक नवंबर से प्रभावी होंगे।

केंद्रीय बैंक ने 31 पुराने सर्कुलरों को समाप्त कर दिया है। उसने कहा है कि खाता खुलवाते समय बैंक ग्राहकों को नॉमिनेशन के फायदों के बारे में पूरी जानकारी देगा, लेकिन कोई ग्राहक बिना नॉमिनी के खाता खोलना चाहता है तो अन्य पात्रताएं पूरी करने की स्थिति में खाता खोला जाना चाहिए। नॉमिनेशन न होने के कारण कोई प्रतिबंध भी नहीं लगाया जाना चाहिए। बैंक ने कहा है कि खाता खोलते समय ग्राहक से भरवाए जाने वाले फॉर्म में नॉमिनेशन का कॉलम अनिवार्य है।

- **1 नवंबर से लागू होंगे आरबीआई की ओर से जारी नए निर्देश**

विनिर्माण क्षेत्र के दम पर सितंबर में चार प्रतिशत बढ़ा देश का औद्योगिक उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के दम पर सितंबर में चार प्रतिशत बढ़ा है। मंगलवार को इस संबंध में आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया औद्योगिक उत्पादन सितंबर, 2024 में 3.2 प्रतिशत बढ़ा था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने अगस्त, 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन के वृद्धि के आंकड़ों को चार प्रतिशत के अस्थाई अनुमान से संशोधित कर 4.1 प्रतिशत कर दिया है। एनएसओ के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन सितंबर 2025 में 4.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि सितंबर 2024 में यह चार प्रतिशत बढ़ा था। खनन उत्पादन में 0.4 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि एक साल पहले इसमें 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। बिजली उत्पादन में सितंबर में 3.1 प्रतिशत वृद्धि हुई जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 0.5 प्रतिशत हुई थी। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि 2024-25 की पहली छमाही में 4.1 प्रतिशत रही थी। विनिर्माण क्षेत्र में 23 उद्योग समूहों में से 13 ने सितंबर, 2024 की तुलना में सितंबर, 2025 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की।

- **सितंबर 2024 में हुई थी 3.2 प्रतिशत की वृद्धि**

आंकड़े क्षमता उपयोग में वृद्धि का संकेत, पर जोखिम भी बरकार

नई दिल्ली। औद्योगिक उत्पादन के सितंबर के आंकड़ों को देश की आर्थिक गतिविधियों की आगे की दिशा के बारे में एक मिलाजुला संकेत मानते हुए विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि ताजा आंकड़े औद्योगिक क्षमता के उपयोग में वृद्धि दर्शाने वाले हैं, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था की ओर से आर्थिक वृद्धि के लिए जोखिम बना हुआ है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि सितंबर तिमाही में औद्योगिक वृद्धि दर जून तिमाही के 2 प्रतिशत की तुलना में सुधर कर 4.1 प्रतिशत हो गई लेकिन हमें बाहरी कारकों के कारण विकास में गिरावट का जोखिम दिखाई दे रहा है। जोशी ने सितंबर में ऊंचे शुल्क के कारण अमेरिका को हुए निर्यात में सालाना आधार पर 11.9 प्रतिशत की गिरावट का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि उसके साथ व्यापार समझौता जल्द ही हो जाता है, तो इससे कुछ हद तक प्रभाव कम हो जाएगा।

अगले बजट में अपेक्षित कर बदलावों पर उद्योग जगत से सुझाव मांगे

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने एक फरवरी, 2026 को पेश होने वाले वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट में अपेक्षित कर बदलावों और कर अनुपालन में आसानी पर उद्योग जगत से सुझाव मांगे हैं। आम बजट से पहले व्यापार और उद्योग संघों को भेजे गए एक पारंपरिक संदेश में राजस्व विभाग की कर अनुसंधान इकाई ने उनसे 10 नवंबर तक अपने सुझाव भेजने को कहा है। ये सुझाव शुल्क संरचना, दरों में बदलाव और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के आधार को व्यापक बनाने, और अनुपालन को आसान बनाने से संबंधित हो सकते हैं।

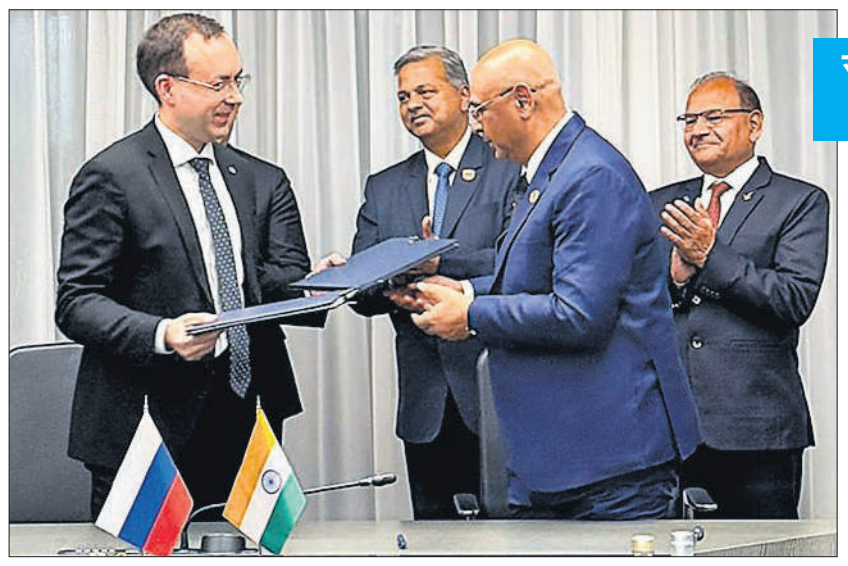

रूस के लिए विमान बनाएगी एचएएल

नई दिल्ली। भारत और रूस ने दो इंजन वाले 'नैरो-बॉडी' असैन्य विमान के निर्माण के लिए समझौता किया है। सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एसजे-100 विमान के निर्माण के लिए रूसी सरकार के नियंत्रण वाली यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कोऑपरेशन (यूएसी) के साथ यह समझौता किया है। समझौते पर सोमवार को मॉस्को में एचएएल के प्रभात रंजन और यूएसी के ओलेग बोगोमोलोव ने हस्ताक्षर किए। यह भारत में यात्री विमान के निर्माण की दिशा में पहली परियोजना है।

भारत का 2050 तक वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा केंद्र बनने का इरादा: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2050 तक भारत न केवल अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करेगा, बल्कि वैश्विक सौर ऊर्जा मांग के एकीकरण और नवाचार, विनिर्माण तथा ज्ञान के आदान-प्रदान का केंद्र बनने का लक्ष्य भी रखता है। राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के आठवें सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु कार्रवाई और ग्रामीण समृद्धि के बीच तालमेल टिकाऊ वृद्धि की कुंजी है। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता में चौथे, पवन ऊर्जा में चौथे और सौर ऊर्जा उत्पादन में तीसरे स्थान पर मौजूद होने का जिक्र करते हुए मुर्मू ने कहा, यह हमारे मजबूत नीतिगत ढांचे और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उड़ानों में पावर बैंक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध संभव

- **इंडिगो के विमान में आग लगने की घटना के बाद डीजीसीए ने शुरू की कवायद**

नई दिल्ली, एजेंसी

विमानन नियामक डीजीसीए वैश्विक व्यवहार का अध्ययन करने के बाद उड़ानों में पावर बैंक के इस्तेमाल पर कुछ हद तक प्रतिबंध लगा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इंडिगो की एक उड़ान में 19 अक्टूबर को एक यात्री के पावर बैंक में आग लगने के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) उड़ानों में पावर बैंक के इस्तेमाल की जांच कर रहा है। अधिकारी ने बताया कि कुछ प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, लेकिन पावर बैंक के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की कोई योजना नहीं है। अधिकारी ने कहा कि वैश्विक व्यवहार पर विचार किया जा रहा है और उसके बाद कोई निर्णय लिया जाएगा।

दिल्ली हवाई अड्डे पर दीमापुर जाने वाले इंडिगो विमान में एक यात्री के पावर बैंक में आग लग गई थी। चालक दल ने आग बुझा दी थी। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने 25 अक्टूबर को कहा था कि डीजीसीए इस घटना की समीक्षा करेगा।

पायलटों का आग्रह, उड़ान ड्यूटी मानदंड लागू करने में न दें छूट

मुंबई। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने मंगलवार को विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए से आग्रह किया कि वह विमान चालक दल के लिए नई उड़ान ड्यूटी और आराम अवधि मानदंडों को लागू करने में एयरलाइन कंपनियों को कोई छूट न दें। एफआईपी ने कहा कि इस संबंध में छूट देने वाले किसी भी संचार या आदेश को तुरंत रद्द कर देना चाहिए। देश में 5,000 से अधिक पायलट का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले संगठन ने यह भी कहा कि अगर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ऐसा करने में विफल रहता है तो वह कानूनी सहारा ले सकता है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने डीजीसीए को इन मानदंडों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

भारत में बनाया जाएगा विमानन सुरक्षा केंद्र जांचकर्ताओं और पेशेवरों को देगा प्रशिक्षण

नई दिल्ली। विमान हादसों की जांच करने वाले अधिकारियों और विमानन पेशेवरों को वैश्विक मानकों पर प्रशिक्षण देने के लिए देश में एक राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र स्थापित किया जाएगा।

नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि विमानन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार नियामकीय और जांच संबंधी भूमिकाओं में पेशेवरों की संख्या दोगुनी कर रही है। उन्होंने कहा, भारत क्षेत्र में अपनी तरह का पहला राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र स्थापित कर रहा है, जो विमान दुर्घटना के जांचकर्ताओं और विमानन पेशेवरों को प्रशिक्षित करेगा। यह हमारी दीर्घकालिक दृष्टि को दर्शाता है कि हम विश्वस्तरीय सुरक्षा ढांचा और मानव संसाधन तैयार करें।

सिन्हा ने एशिया-प्रशांत दुर्घटना जांच समूह की 13वीं बैठक के उद्घाटन सत्र में यह बात कही। यह बैठक पहली बार भारत में आयोजित हो रही है। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए 260 लोगों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। इस हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है।

रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन

कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने कहा- अमेरिकी प्रतिबंध तेल खरीदने पर नहीं बल्कि कुछ कंपनियों पर

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और अन्य भारतीय तेल कंपनियां रूस से कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह बंद नहीं करेंगी क्योंकि हालिया प्रतिबंध केवल विशिष्ट रूसी आपूर्तिकर्ता के लिए हैं न कि तेल पर। यह ऐसी स्थिति है जो गैर-प्रतिबंधित संस्थाओं के माध्यम से प्रवाह जारी रखने की संभावना को खोलती है।

अधिकारियों ने बताया कि अब तक चार रूसी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं, लेकिन भारत को सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता कंपनी रोसनेफ्ट जो लगभग 45 प्रतिशत तेल प्रवाह का प्रबंधन करती है, वह वास्तविक उत्पादक नहीं बल्कि एक 'एग्रीगेटर' है। रूस के क्षेत्रों से कच्चे तेल का एकत्रीकरण अन्य गैर-प्रतिबंधित संस्थाओं द्वारा किया जा सकता है, जिससे आपूर्ति जारी रह सकती है। अमेरिका के पिछले सप्ताह रूस के दो शीर्ष कच्चे तेल निर्यातकों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल के लिए कोई नया ऑर्डर नहीं दिया है। वे बदले हुए परिदृश्य का आकलन कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता में कोई त्रुटि न हो।

आईओसी के निदेशक (वित्त) अनुज जैन ने कहा, जब तक हम प्रतिबंधों का पालन कर रहे हैं, हम रूसी कच्चे तेल की खरीद बिल्कुल बंद नहीं करेंगे। रूसी कच्चे तेल पर प्रतिबंध नहीं है। प्रतिबंध संस्थाओं और आपूर्ति शृंखलाओं पर लगे हैं।

- **गैर प्रतिबंधित संस्थाओं के जरिए जारी रखा जा सकता है प्रवाह**

प्रतिबंध के बाद रूसी कंपनी ल्यूकऑयल विदेशी संपत्तियां बेचने की तैयारी में

फ्रैंकफर्ट। रूस की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी ल्यूकऑयल ने मंगलवार को कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगाए गए नए प्रतिबंधों के जवाब में अपनी अंतरराष्ट्रीय परिसंपत्तियां बेचने जा रही है। ल्यूकऑयल ने बयान में कहा कि वह संभावित खरीदारों से बातचीत कर रही है और सौदे 21 नवंबर तक की 'रियायत अवधि' के भीतर पूरे कर लिए जाएंगे। हालांकि, जरूरत पड़ने पर कंपनी इस अवधि को बढ़ाने की मांग भी करेगी। ल्यूकऑयल की 11 देशों में स्थित तेल एवं गैस परियोजनाओं में हिस्सेदारी है। इसकी बुल्गारिया एवं रोमानिया में रिफाइनरी हैं और नीदरलैंड की एक रिफाइनरी में भी 45 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा कंपनी के पास कई देशों में पेट्रोल पंप नेटवर्क भी है। ट्रंप ने 22 अक्टूबर को ल्यूकऑयल के साथ रूस की एक अन्य तेल कंपनी रॉसनेफ्ट पर भी नए प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में बढ़ेंगे विमान

मुंबई। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने मंगलवार को कहा कि उसकी किफायती सेवा एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में अगले कैलेंडर वर्ष में 20 से 24 विमान शामिल किए जा सकते हैं।

एयर इंडिया के बेड़े में फिलहाल 110 विमान हैं जिनमें एयरबस 320/321, बोइंग 737 व 737 मैक्स शामिल हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस के पहले रेट्रोफिटेड विमान के प्रदर्शन के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने कहा, 'हम अगले कैलेंडर वर्ष में 20 से 24 विमान लाने की योजना बना रहे हैं।

हाईवे परियोजनाओं में ठेकेदारों अफसरों का ब्योरा होगा: गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा करने वाले जल्द संबंधित ठेकेदारों और अधिकारियों के नाम, पते और मोबाइल नंबर आदि विवरण प्राप्त कर सकेंगे। मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय उद्योग परिसंघ के एक कार्यक्रम में कहा कि इसका मकसद न केवल देश में हाईवे परियोजनाओं का प्रबंधन करने वालों, बल्कि अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करना है। गडकरी का यह बयान एनएचएआई की उस घोषणा के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि वह यात्रियों को प्रासंगिक जानकारी और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर बताने को राष्ट्रीय राजमार्ग के विभिन्न हिस्सों पर क्यूआर कोड वाले साइनबोर्ड लगाएगा।

रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत-यूएई

नई दिल्ली, एजेंसी

- यूएई के कमांडर मेजर जनरल सईद ने की द्विपक्षीय बैठकें

भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, सैन्य संबंधों को मजबूत बनाने और क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए साझा प्रतिबद्धता को दोहराया है। भारत यात्रा पर आए संयुक्त अरब अमीरात सेना के कमांडर मेजर जनरल यूसुफ़ मायुफ़ सईद अल हल्लामी की यहां दो दिन तक विभिन्न स्तर पर हुई बैठकों में दोनों पक्षों ने इस बारे में सहमति व्यक्त की।

मंगलवार को यहां एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मेजर जनरल अल हल्लामी की यात्रा को दोनों देशों की सेनाओं के बीच दीर्घकालिक संबंधों को मज़बूत बनाने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। दो दिन की इस यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बैठकें हुईं जिससे रणनीतिक और रक्षा हितों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सैन्य सहयोग, आदान-प्रदान और सहभागिता बढ़ाने की नींव और मज़बूत हुई।

यात्रा के दौरान मेजर अल हल्लामी ने अपने भारतीय समकक्ष सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ कई विषयों पर उपयोगी चर्चा कीं। ये बातचीत दोनों सेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने और उसे मजबूत करने के तरीकों पर केंद्रित रही। इस यात्रा के कई परिणामों से दोनों देशों के बीच संबंधों और अधिक मजबूत हुए हैं। संयुक्त अरब अमीरात सेना के कमांडर को ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत जानकारी दी गई और उन्हें महानिदेशक सूचना प्रणाली और सेना डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा भारत की रक्षा क्षमताओं और भारतीय सेना के लिए एआई रोडमैप के बारे में भी जानकारी दी गई।

इससे पहले मेजर जनरल अल हल्लामी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन का भी दौरा किया और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत से मुलाकात की। उन्होंने भारतीय रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत की और ड्रोन और काउंटर ड्रोन सिस्टम, विस्फोटक, मिसाइल सिस्टम, आर्टिलरी सिस्टम और टैंकों के लिए प्रतिक्रियाशील कवच पर जानकारी ली।

विमान यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल

इमरजेंसी लैंडिंग के बढ़ते मामले

अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे के बाद देश में विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग की घटनाएं बढ़ गई हैं। इस हादसे में 241 लोगों की मौत हो गई थी, हाल के दिनों में इमरजेंसी लैंडिंग कराने की कई घटनाएं हुईं। विमानों को अपने गंतव्य से बीच रास्ते ही लौटना पड़ा और इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी जिससे यात्रियों की जान सांसत में रही। जिससे विमानन क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में विमानन कंपनियों को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करके यात्रियों का भरोसा जीतना होगा। आइए जानते हैं विमानों को क्यों करनी पड़ती है इमरजेंसी लैंडिंग और इन घटनाओं को रोकने के लिए नियामक संस्था डीजीसीए और सरकार ने क्या उपाय किए।

डीजीसीए के नियम

- विमान की जांच : विमान की नियमित जांच करनी होती है।
- पायलट की ट्रेनिंग : पायलटों को इमरजेंसी लैंडिंग के लिए ट्रेनिंग देनी होती है।
- सुरक्षा प्रोटोकॉल : विमान में सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना होता है।

नियमों का पालन करना जरूरी

इमरजेंसी लैंडिंग की घटनाएं विमानन क्षेत्र में एक बड़ा खतरा हैं। इन घटनाओं को कम करने के लिए विमान की नियमित जांच, पायलट की ट्रेनिंग, सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन और नई तकनीक का उपयोग करना होता है। डीजीसीए के नियमों का पालन करना भी जरूरी है।

इमरजेंसी लैंडिंग क्यों करनी पड़ती है?

- मौसम की खराबी : खराब मौसम के कारण विमान को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ती है।
- चिकित्सा आपातकाल : विमान में किसी यात्री को चिकित्सा आपातकाल होने पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ती है।
- सुरक्षा खतरा : विमान में सुरक्षा खतरा होने पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ती है।
- तकनीकी खराबी : विमान में तकनीकी खराबी होने पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ती है।

कुछ प्रमुख घटनाएं

- एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 को थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में बम होने की सूचना मिली थी।
- एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-117 को बर्मिंघम में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। रैम एयर टर्बाइन के सक्रिय होने के बाद विमान लैंड हुआ।
- 25 अक्टूबर को एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-469 ने नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसमें 170 यात्री सवार थे। यह एक संदिग्ध बर्ड स्ट्राइक के कारण हुई थी।
- 22 अक्टूबर को इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6961 ने वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसमें 166 यात्री सवार थे। यह मध्य-वायु ईंधन रिसाव के कारण हुई थी।
- हाल के दिनों में स्पाइसजेट की एक फ्लाइट ने दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसमें एक तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा।
- 11 अक्टूबर को एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट ने तिरुचिरापल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग की। यह हाइड्रोलिक फेलियर के कारण हुई थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

एफएटीएफ सूची से द. अफ्रीका बाहर निकला

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका को करीब तीन साल बाद वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की संदिग्ध (ग्रे) सूची से बाहर निकलने में सफलता मिली है। वैश्विक धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण निगरानी संस्था ने पिछले सप्ताह पेरिस में अपनी तीन दिवसीय पूर्ण बैठक के समापन के बाद इस निर्णय की घोषणा की। एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल देशों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है और ऐसे देशों को धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण आदि का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक कमियों को दूर करना होता है।

एलन मस्क ने शुरू किया ग्रोकिपीडिया

वाशिंगटन। एलन मस्क ने ग्रोकिपीडिया नामक एक क्राउडसोर्स्ड ऑनलाइन विश्वकोश शुरू किया है, जिसे वह विकिपीडिया के प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मस्क ने कहा कि ग्रोकिपीडिया डॉट कॉम संस्करण 0.1 अब लाइव है और वादा किया कि संस्करण 1.0 (शुरुआती संस्करण से) 10 गुना बेहतर होगा। कहा कि ग्रोकिपीडिया का लक्ष्य सत्य, संपूर्ण सत्य और केवल सत्य पेश करना है।

नौका पर अमेरिकी हमले में 14 की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में सोमवार को कथित तौर पर नशीले पदार्थों से लदी नौकाओं को निशाना बनाकर तीन हमले किए, जिनमें 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति जीवित बच गया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। अमेरिका ने सितंबर की शुरुआत में पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल नौकाओं पर हमले शुरू किए थे। यह पहली बार है, जब उसने हमले की जानकारी दी है।

लाहौर बना दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर

लाहौर। एक निजी प्रौद्योगिकी कंपनी के आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान का लाहौर शहर सोमवार को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा। एक सप्ताह में ऐसा दूसरी बार हुआ है, जहां धुंध का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानदंडों से कहीं अधिक खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर का अपना वायु गुणवत्ता सूचकांक नहीं है। आईक्यूएयर के नामक कंपनी के मुताबिक लाहौर का वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर 312 तक पहुंच गया।

पूर्वी एशिया में शांति, स्थिरता व आर्थिक समृद्धि को देंगे बढ़ावा

कुआलालंपुर घोषणा पत्र में आसियान के सदस्य देशों ने व्यक्त की वचनबद्धता

कुआलालंपुर, एजेंसी

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के सदस्य देशों ने क्षेत्र में मतभेदों और विवादों का निपटारा अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से करने तथा शांति, स्थिरता और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के प्रति वचनबद्धता व्यक्त करते हुए मंगलवार को यहां कुआलालंपुर घोषणा पत्र को आम सहमति से मंजूरी दी। घोषणा पत्र में अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित बहुपक्षवाद को शांतिपूर्ण और समृद्ध विश्व का आधार बताया गया है। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने 20 वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

घोषणा पत्र में कहा गया है कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय कानून और उसे बढ़ावा देने में संवाद तथा सम्मेलन की भूमिका बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें कहा गया है कि हम आपसी समझ, सम्मान, विश्वास और मित्रता को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित करते हैं साथ ही अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से मतभेदों और विवादों का निपटारा करने और क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बनाए रखने, बढ़ावा देने और बनाए रखने के साझा हित को भी रेखांकित करते हैं। सदस्य देशों ने कहा है कि हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आधारित बहुपक्षवाद के प्रति पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करते हैं जो शांतिपूर्ण और समृद्ध विश्व का अनिवार्य आधार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोमवार को 20वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। इससे पहले, लक्सन के साथ अपनी बैठक के दौरान, जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि हमारे द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने और मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए उनकी (लक्सन की) प्रतिबद्धता का स्वागत है। जयशंकर ने अपने मलेशियाई समकक्ष हसन के साथ अपनी बैठक को गर्मजोशी से पूर्ण बताया और कहा कि दोनों विदेश मंत्रियों ने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने म्यांमा की स्थिति पर भी चर्चा की। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने हसन को आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों की सफल मेजबानी के लिए शुभकामनाएं भी दीं। रविवार को, जयशंकर ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ वार्ता की थी। जयशंकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हमारे द्विपक्षीय सहयोग और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के उनके (इब्राहिम के) विचारों का मैं सम्मान करता हूं। मलेशिया आसियान के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में कुआलालंपुर में समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन और संबंधित बैठकों की मेजबानी कर रहा है।

आसियान शिखर सम्मेलन के समापन पर अध्यक्षता हस्तांतरण के दौरान फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस को हथौड़ा सौंपते मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम।

अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के पालन पर भी जोर

घोषणा पत्र में यह भी कहा गया है कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने और उसे कायम रखने के साथ-साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधों के सिद्धांतों (बाली सिद्धांत) पर 2011 के पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन घोषणापत्र में निर्धारित सिद्धांतों को भी बढ़ावा देता रहेगा। सदस्य देशों ने कहा है कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन रचनात्मक, स्पष्ट तथा स्वतंत्र संवाद और विचार-विमर्श के साथ-साथ व्यावहारिक सहयोग के माध्यम के रूप में अपनी भूमिका को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है जिससे कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की प्रक्रिया समय के साथ सकारात्मक और उपयोगी बनी रहे और आसियान तथा क्षेत्र के हितों को फायदा पहुंचे।

आर्थिक सहयोग बढ़ाएंगे सदस्य देश

घोषणा पत्र में आसियान की केन्द्रीय भूमिका पर जोर देते हुए कहा गया है कि आर्थिक चुनौतियों के विरुद्ध क्षेत्रीय लचीलापन सुनिश्चित करने और क्षेत्र में विकास के अंतर को कम करने के लिए पारस्परिक हित के क्षेत्रों में भागीदार देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। सदस्य देशों ने सम्मेलन को सुदृढ़ बनाने के लिए भी अनेक कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की।

नेतन्याहू ने गाजा पर हमले का आदेश दिया

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने सेना को गाजा में तुरंत शक्तिशाली हमले करने का आदेश दिया है, जिसके जवाब में हमास ने घोषणा की कि वह एक बंधक का शव लौटाने में देरी करेगा। इस घटनाक्रम को अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्ध-विराम के लिए एक नयी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। नेतन्याहू ने सेना के यह जानकारी देने के कुछ ही देर बाद गाजा पर फिर से हमले करने का आदेश दिया कि हमास ने दक्षिणी गाजा में इजराइली बलों पर गोलीबारी की है। इससे पहले, दोनों पक्षों में तब तनाव बढ़ गया था, जब नेतन्याहू ने कहा था कि हमास की ओर से रातोंरात लौटाए गए एक बंधक के अवशेष, लगभग दो साल पहले इजराइली सैनिकों द्वारा गाजा में बरामद किए गए एक बंधक के शव के हैं। नेतन्याहू ने अवशेषों की वापसी को अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्ध-विराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया, जिसके तहत हमास को सभी इजराइली बंधकों के शवों को जल्द से जल्द लौटाना है।

केन्या में छोटा विमान क्रैश, 11 लोगों की मौत

नैरोबी, एजेंसी

- तटीय क्षेत्र क्वाले में हादसा, मृतकों में अधिकांश विदेशी पर्यटक

केन्या के तटीय क्षेत्र क्वाले में मंगलवार तड़के एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार 11 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में अधिकांश विदेशी पर्यटक शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, विमान 'मसाई मारा राष्ट्रीय अभयारण्य' जाते समय हादसे का शिकार हुआ। यह अभयारण्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।

विमानन कंपनी 'मोम्बासा एयर सफारी' ने एक बयान में कहा कि विमान में सवार जिन 11 लोगों की मौत हो गई, उनमें हंगरी के आठ व्यक्ति और दो जर्मन नागरिकों के अलावा केन्या निवासी एक पायलट शामिल है। बयान के अनुसार, दुर्घटना डायनी हवाई पट्टी से लगभग 40 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी वन क्षेत्र में हुई। विमानन कंपनी ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि विमान ने डायनी हवाई पट्टी से किस समय उड़ान भरी थी। उसने कहा कि उड़ान के समय पायलट संपर्क करने में विफल रहा और हवाई अड्डे के नियंत्रण टावर ने विमान का पता लगने से 30 मिनट पहले तक उससे संपर्क करने की कोशिश की थी।

एजेंसियों ने शुरू की हादसे की जांच

क्वाले काउंटी के आयुक्त स्टीफन ओरिंडे ने बताया कि जांच एजेंसियां स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े पांच बजे हुई दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही हैं। उस समय तटीय केन्या में भारी बारिश हो रही थी। इसके पहले, केन्या के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने कहा था कि विमान में 12 लोग सवार थे। डायनी से समुद्र तट के पश्चिम में स्थित मासाई मारा राष्ट्रीय अभयारण्य तक विमान से पहुंचने में दो घंटे का समय लगता है। यह अभयारण्य बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है, क्योंकि यहां तंजानिया के सेरेन्गेटी से हर साल बड़ी संख्या में 'वाइल्डबीस्ट' प्रवास के लिए पहुंचते हैं। हिंद महासागर के किनारे केन्या के सफेद रेत वाले समुद्र तट दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

भारतीय ने विमान में दो किशोरों को मारा चाकू

न्यूयॉर्क। शिकागो से जर्मनी जा रही एक उड़ान में 28 वर्षीय एक भारतीय ने कांटे वाले चम्मच से दो किशोरों पर वार किया और एक सह-यात्री को थप्पड़ मारा। मैसाचुसेट्स जिला के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने सोमवार को बताया कि यह घटना शनिवार को लुफ्थांसा की एक उड़ान में हुई, जिसे घटना के बाद बोस्टन लोगान अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा ले जाना पड़ा। शिकायत के अनुसार, प्रणीत कुमार उसिरिपल्ली ने 17 वर्षीय एक किशोर यात्री के कंधे पर धातु के कांटा (फोर्क) से वार किया तथा फिर 17 वर्षीय एक और यात्री के सिर के पिछले हिस्से पर वार किया, जिससे उसके सिर में चोट आई। उसिरिपल्ली को 25 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था और बाद में बोस्टन में संघीय अदालत में पेश किया जाएगा।

तुर्किये में भूकंप से इमारतें ढहीं, 22 घायल

अंकारा, एजेंसी

- रिक्टर स्केल पर 6.1 रही तीव्रता, जमीन से 5.99 किमी गहराई

पश्चिमी तुर्किये में सोमवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आने से कम से कम तीन इमारतें ढह गईं। अधिकारियों ने बताया कि जो इमारतें ढही हैं, वे पूर्व में आए एक भूकंप के कारण पहले ही क्षतिग्रस्त थीं। आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एएफएडी) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात 10 बजकर 48 मिनट पर आए 6.1 तीव्रता के इस भूकंप का केंद्र बालिकेसिर प्रांत के सिंदिरगी शहर में जमीन से 5.99 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद आए कई झटके इस्तांबुल और आसपास के बर्सा, मनीसा और इजमिर प्रांतों में महसूस किए गए। देश के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि सिंदिरगी में कम से कम तीन खाली इमारतें और दो मंजिला एक दुकान ढह गई। ये इमारतें पहले आए भूकंप में क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं। बालिकेसिर के गवर्नर इस्माइल उस्ताओग्लू ने बताया कि भूकंप के कारण 22 लोग घायल हो गए।

पूर्वी नेपाल में आया हल्का भूकंप

काठमांडू। पूर्वी नेपाल के कोशी प्रांत के संखुवासभा जिले में मंगलवार को 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि इससे किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार भूकंप काठमांडू से 225 किलोमीटर पूर्व में तिब्बत सीमा के पास किमाथांगका क्षेत्र के आसपास सुबह 7:32 बजे दर्ज किया गया।

ट्रंप ने अमेरिका को बताया जापान का सबसे मजबूत सहयोगी

तोक्यो, एजेंसी

- जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची की ट्रंप ने की प्रशंसा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार से अपनी व्यस्त एशिया यात्रा की शुरुआत में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची से मुलाकात की और दोनों देशों को सबसे मजबूत स्तर पर सहयोगी करार दिया। वह जापानी प्रधानमंत्री को अमेरिकी विमानवाहक पोत पर भी ले गए जहां उन्होंने अमेरिकी सैनिकों से बातचीत की।

ट्रंप एशिया में अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में शामिल जापान की यात्रा कर रहे हैं, फिर भी उनकी यात्रा के दौरान कई बातों को लेकर अनिश्चितता की स्थिति है। कुछ ही दिन पहले देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची को अपने देश के आर्थिक हितों की रक्षा करते हुए ट्रंप के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने होंगे।

ट्रंप एक व्यापार समझौते के तहत 550 अरब अमेरिकी डॉलर का जापानी निवेश हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने मंगलवार को ताकाइची मुलाकात की और उनसे हाथ मिलाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ताकाइची की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बहुत मजबूती से हाथ मिलाया। ताकाइची ने बताया कि जापान अगले साल अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वाशिंगटन को चेरी के 250 पेड़ देगा और चार जुलाई के इस समारोह के लिए अकिता प्रांत से आतिशबाजी भी करेगा।

नोबेल के लिए ट्रंप को नामित करेंगी ताकाइची

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस का कहना है कि जापान की नई प्रधानमंत्री सनाई ताकाइची ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बताया है कि वह उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर रही हैं। ट्रंप को प्रभावित करने की चाहत रखने वाले विदेशी नेताओं के बीच ऐसा करना एक आम बात हो गई है, और हाल के महीनों में कई नेताओं ने उनके नामांकन का समर्थन किया है - या कम से कम ऐसा करने का वादा किया है। ट्रंप की इस समय जारी एशिया यात्रा में सोमवार को कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने भी उन्हें नामांकित किया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 अक्टूबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 09.23 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

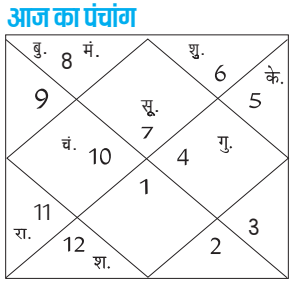

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 17.29 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष
आज आपके साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। किसी बड़ी समस्या से आपको छुटकारा मिल सकता है। अधीनस्थ कर्मचारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति सबल रहेगी। विदेश से नौकरी के अवसर मिलने के योग बन रहे हैं।

वृष
आज आपनी वाणी में अत्यंत मिठास रहेगी। अध्यात्मिक विषयों में आप रुचि लेंगे। दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा पद दिया जा सकता है। नए प्रोजेक्ट्स को लेकर आप अत्यधिक सक्रिय रहने वाले हैं।

मिथुन
आज भाग्य का साथ न मिलने से आपके काम प्रभावित हो सकते हैं। यात्रा के दौरान बड़ी परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। शरीर में थकावट महसूस होगी। लेन-देन में त्रुटि होने के कारण आर्थिक नुकसान हो सकता है।

कर्क
आज व्यवसाय में बड़े अनुबंध हो सकते हैं। धन कमाने के नए स्रोत निर्मित हो सकते हैं। अविवाहित लड़कियों का विवाह तय हो सकता है। अपनी कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार कर लें। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिल सकता है।

सिंह
आज प्रेमी जन के साथ पर्यटन की योजना बना सकते हैं। सुबह काम का तनाव रहेगा, लेकिन शाम तक आप काफी शांत मूड में आ जायेंगे। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक कार्यों को लेकर भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या
आज दिन काफी अच्छा रहेगा। व्यापार के नए विचार आपके मन में पूरे दिन आते रहेंगे। दर्शन और साहित्य के प्रति आप अत्यंत आकर्षित रहेंगे। भविष्य को लेकर अत्यधिक जागरूक रहेंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों पर काम का दबाव कम होगा।

तुला
आज आपका मन अत्यंत प्रसन्न रहने वाला है। नए ज्ञान को सीखने का प्रयास करेंगे। धन की कमी के कारण आपके काम रुक सकते हैं। विद्वान लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में अपनी छवि को लेकर चिंतित रहेंगे।

वृश्चिक
आज आपकी कोई इच्छा पूरी हो सकती है। सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन अत्यंत शुभ है। कारोबार को लेकर यात्रा कर सकते हैं।

धनु
आज आप लोगों की सहायता करने के लिए उधार दे सकते हैं। गुप्त शत्रु आपका अहित करने का प्रयास करेंगे। आपके कार्यों से परिजन नाराज हो सकते हैं, लेकिन किंतु आपको उनसे झगड़ने के बजाय उन्हें अपनी बातें मनानी चाहिए।

मकर
आज किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने की संभावना है। छात्रों का पढ़ाई में प्रदर्शन बहुत शानदार रहेगा। वैचारिक तनाव होने की संभावना है। अजनबियों पर अधिक विश्वास न करें। जीवनसाथी आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेगा।

कुंभ
आज व्यापार को लेकर बड़ी योजना बनाने से बचें। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। बढ़ते खर्चों को नियंत्रित करने के लिए आपको प्रयास करना चाहिए। आपको कार्यक्षेत्र में अनुशासनहीन व्यवहार से बचना चाहिए।

मीन
आज किसी मित्र के साथ गंभीर विषय पर चर्चा कर सकते हैं। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। इंटरव्यू आदि में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। अपनी प्रतिष्ठा के कारण आप अत्यंत लोकप्रिय रहेंगे। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

सुडोकू-144

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1				2	3		
4					1			
6						1		
	8			5				
	2	6						
	3			4				
		1	6					
		7	9					
							4	

सुडोकू - 143 का हल

5	7	1	4	3	9	2	8	6
3	6	9	7	2	8	4	1	5
2	4	8	5	6	1	7	3	9
4	8	3	9	1	7	6	5	2
1	9	5	2	8	6	3	7	4
6	2	7	3	5	4	8	9	1
7	1	4	6	9	3	5	2	8
8	5	6	1	7	2	9	4	3
9	3	2	8	4	5	1	6	7

रोहित ने एक और शतक लगाया जबकि कोहली ने भी रन बनाए। मैं उनके आगे की रणनीति का इंतजार कर रहा हूं। अगर आप क्रिकेट के प्रशंसक हैं तो इन खिलाड़ियों का जश्न मनाने का यही सही समय है।

-एबी डिविलियर्स
पूर्व कप्तान, दक्षिण अफ्रीका

स्टेडियम

बरेली, बुधवार 29 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत की महिला टीम को कजाकिस्तान ने बराबरी पर रोका

नई दिल्ली : भारत की अंडर-20 महिला टीम ने मंगलवार को कजाकिस्तान के शिमकेंट में बीआईआईके स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दूसरे और अंतिम मैत्री मैच में कजाकिस्तान अंडर-19 के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। दोनों गोल दूसरे हाफ में किए गए। एडेलिया बेक्कोझिना ने 47वें मिनट में मेज़बान टीम को बढ़त दिलाई, जबकि पूजा ने 55वें मिनट में इस दौरे का अपना दूसरा गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय टीम ने अगले साल होने वाले अंडर-20 महिला एशिया कप की तैयारी के लिए यह दौरा किया था, जिसमें उसने दो मैत्री मैच खेले। भारत ने शनिवार को पहला मैच 3-2 से जीता था।

डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के लिए दीया-मानुष ने किया क्वालीफाई

नई दिल्ली : दीया चितले और मानुष शाह की जोड़ी ने मिश्रित युगल वर्ग में डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया और ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी बने। डब्ल्यूटीटी फाइनल्स हांगकांग 2025 का आयोजन 10 से 14 दिसंबर तक किया जाएगा। इस के साथ वैश्विक डब्ल्यूटीटी सीरीज का समापन होगा। इसमें सिर्फ शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। पुरुष और महिला एकल में शीर्ष 16 जबकि युगल वर्ग में शीर्ष आठ टीम हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि 13 लाख डॉलर होगी।

इनडोर व रिले के लिए भारत ने लगाई बोली

नई दिल्ली : भारत ने महाद्वीपीय और वैश्विक प्रतियोगिताओं के आयोजन के अपने प्रयासों के तहत 2028 एशियाई इनडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2026 एशियाई रिले की मेजबानी के लिए बोलियां पेश की हैं। भारत अगर मेजबानी हासिल कर लेता है तो यह पहली बार होगा जब देश इन दो प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा।

कर्नाटक क्रिकेट संघ के चुनाव 30 नवंबर को

बेंगलुरु : कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के चुनाव 30 नवंबर को होंगे। संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुभेंदु घोष ने मंगलवार को यहां यह घोषणा की। रघुराम भट्ट की अगुवाई वाली समिति का कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म हो गया था और चुनाव की तारीख की घोषणा में देरी से भ्रम बना हुआ था। केएससीए के सीईओ घोष ने ईमेल के जरिए बताया कि 14 अक्टूबर 2025 को हुई बैठक में तय हुआ था और 25 अक्टूबर 2025 को हुई बैठक में दोहराया गया था, केएससीए के चुनाव रविवार, 30 नवंबर को होंगे।

6 भारतीय मुक्केबाज एवाईजी के फाइनल में

मनामा (बहरीन) : भारतीय मुक्केबाजों ने मंगलवार को युवा एशियाई खेलों (एवाईजी) में शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान छह मुक्केबाजों ने फाइनल में प्रवेश कर देश के लिए पदक पक्के किए। कई बैडमिंटन खिलाड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रहे। भारत की 15 वर्षीय खुशी चंद ने मंगोलिया की अल्तानज़ुल अल्तांगदास को हराकर लड़कियों के 46 किग्रा वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह पक्की की। अब वह गुरुवार को चीन की चेन फांग-यू से भिड़ेंगी। 54 किग्रा वर्ग में चंद्रिका ने कजाखस्तान की रमीना मखानोवा को हराया है।

नई ऊर्जा और रणनीति के साथ खेलेगा भारत

पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला : कप्तान सूर्यकुमार यादव के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

कैनबरा, एजेंसी

पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले पहले टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में फॉर्म में लौटने की कोशिश करेंगे। दोनों टीम ने अपने गत 10 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से आठ जीते हैं और एक-एक मैच हारे हैं, इसलिए मुकाबला बराबरी का होने की उम्मीद है। भारत का एक मैच टाई रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था।

सूर्यकुमार का रन नहीं बना पाना टीम के लिए चिंता का विषय हो सकता है लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी बेहतर खेल दिखाने को प्रतिबद्ध होंगे। सूर्यकुमार के कप्तान बनने के बाद भारतीय टीम ने निर्भीक क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी है। यही वजह है कि उनकी कप्तानी में भारत ने अब तक जो 29 मैच खेले हैं उनमें से 23 में जीत मिली है। किसी भी कीमत पर आक्रामकता बनाए रखना और सूर्या के नेतृत्व कौशल के दम पर भारत ने सभी द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में जीत हासिल की है और वह हाल में एशिया कप जीतने में भी सफल रहा था। ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला अगले साल की शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए भारत की वास्तविक तैयारी की शुरुआत है, जिसमें उसे 15 मैच खेलने हैं। लेकिन यह कहा जा सकता है कि इस श्रृंखला के परिणाम का कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले 10 मैच घरेलू परिस्थितियों में खेले जाएंगे। अच्छी बात यह है कि विश्व कप भी इसी तरह की परिस्थितियों में आयोजित होगा।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्या का खुलकर समर्थन किया और उनका मानना है कि कप्तान का लगातार कम स्कोर पर आउट होना चिंता का विषय नहीं है। सूर्यकुमार हालांकि बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे। सूर्यकुमार ने 2023 में 18 पारियों में 156 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और पांच अर्धशतक थे। उन्होंने 2024 में 151 के स्ट्राइक रेट से 450 से थोड़ा कम रन बनाए, लेकिन 2025 में अब तक सूर्या 10 पारियों में 11 रन प्रति मैच की औसत से 100 रन ही बना पाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 105 से अधिक है, जिससे यह पता चलता है कि उन्हें रन बनाने में संघर्ष करना पड़ा है। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर अतिरिक्त उछाल से निपटना नई चुनौती होगी और इसलिए कप्तान का योगदान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। मनुका ओवल की पिच पर उछाल होने से सूर्या को अधिकतम लाभ हासिल करने का मौका मिलेगा, लेकिन जोश हेजलवुड उनके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी और वरुण चक्रवर्ती की चतुराई महत्वपूर्ण कारक होंगे। वरुण, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के 12 ओवर तथा बुमराह और अर्शदीप के शुरुआती स्पेल ट्रेविस हेड और मिशेल मार्श के खिलाफ महत्वपूर्ण होंगे। सभी की निगाहें ऑस्ट्रेलिया के नए टी-20 स्टार मिशेल ओवेन पर होंगी, जिन्होंने पिछले साल पंजाब किंग्स के लिए मैच खेला था। ओवेन ने एडिलेड में भारत के खिलाफ वनडे मैच में शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी परीक्षा होगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पावरप्ले अहम, बुमराह साबित होंगे उपयोगी : सूर्यकुमार

कैनबरा। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में पावरप्ले के ओवर काफी महत्वपूर्ण होंगे और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी से टीम की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। सूर्यकुमार ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक खेल शैली के सामने बुमराह का होना फायदेमंद रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि पावर प्ले में गेंदबाजी करना चुनौती होती है। हमने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया ने वनडे श्रृंखला और टी-20 विश्व कप में किस तरह का खेल खेला है। आपने एशिया कप में देखा होगा कि उन्होंने (बुमराह ने) पावर प्ले में दो ओवर गेंदबाजी करने की जिम्मेदारी ली थी, इसलिए हमारे लिए यह अच्छी बात है कि वह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ निश्चित रूप से पावर प्ले में गेंदबाजी करना अच्छी चुनौती होगी। बुमराह ऑस्ट्रेलिया में खेलने के मामले में भारतीय टी-20 टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं।

सूर्यकुमार ने कहा कि उनका मुख्य तेज गेंदबाज जानता है कि इस तरह की श्रृंखला के लिए किस तरह से तैयारी करनी होती है। जिस तरह से उन्होंने (बुमराह ने) कई वर्षों से क्रिकेट खेला है, उन्होंने खुद को शीर्ष पर बनाए रखा है और वह जानते हैं कि एक अच्छी श्रृंखला के लिए कैसे तैयारी करनी है, वह जानते हैं कि यहां कैसे क्रिकेट खेलना है। मुझे लगता है कि उन्होंने सभी खिलाड़ियों में से इस देश का सबसे ज्यादा बार दौरा किया है, इसलिए सभी खिलाड़ियों ने उनसे बात की है। वह काफी मददगार हैं। उनका हमारी टीम में होना हमारे लिए अच्छी बात है। सूर्यकुमार ने संकेत दिया कि चोटिल होने के कारण तीसरे और अंतिम वनडे से बाहर हुए ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी टी-20 सीरीज के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। वह ठीक है। कल उसने थोड़ी दौड़ लगाई और नेट्स पर बल्लेबाजी भी की। आज वह ब्रेक लेना चाहता था क्योंकि यह वैकल्पिक अभ्यास था। भारतीय कप्तान कहा कि टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला को अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के रूप में देखती है। टीम संयोजन में ज्यादा बदलाव नहीं है, क्योंकि कई बार जब हम दक्षिण अफ्रीका गए थे, तो हम एक तेज गेंदबाज़, एक ऑलराउंडर और तीन स्पिनरों के साथ खेले थे। यहां की परिस्थितियां भी वैसी ही हैं। यह विश्व कप की तैयारी है, लेकिन इसके साथ ही यह काफी चुनौतीपूर्ण है। उम्मीद है कि हमारे लिए यह श्रृंखला अच्छी साबित होगी।

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस। **मैच दोपहर 1:45 बजे।**

टी-20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया अपना आक्रामक रवैया जारी रखेगा : मार्श

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श जानते हैं कि अति आक्रामक बल्लेबाजी करने की रणनीति हमेशा कारगर साबित नहीं होती है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारियों के तहत आक्रामक रवैया अपनाना जारी रखेगी। ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले विश्व कप की तैयारी के तहत बुधवार से भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2021 में टी-20 विश्व कप जीता था जबकि भारत 2024 में चैंपियन बना था। मार्श ने मंगलवार को कहा कि गत दो विश्व कप में हम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए और मुझे लगता है कि हमने एक टीम के रूप में खुद को चुनौती देने की बात की थी, ताकि हम विश्व कप जीत सकें। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमने काफी आक्रामक खेल दिखाया है। कुछ वर्षों में कई टीमों ने टी-20 क्रिकेट में इसी तरह का रवैया अपना है। अगर हम भारत में होने वाले विश्व कप की बात करें तो हम निश्चित तौर पर इसी तरह से खेलेंगे भले ही कुछ अवसरों पर हमें सफलता हासिल ना हो।

मार्श ने कहा कि भारतीय टीम बहुत अच्छी है और हम उसका सम्मान करते हैं। मुझे लगता है कि यह श्रृंखला काफी रोमांचक होगी। यह दो अच्छी टीमों के बीच मुकाबला है और इसलिए मैं इस चुनौती का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने भारत की एशिया कप जीत के दौरान 44.85 की औसत और 200 की स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाए। मार्श ने अभिषेक के बारे में कहा कि वह उनके लिए लय तय करते हैं। कुछ समय से वह आईपीएल में हैदराबाद की तरफ से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह हमारे सामने अच्छी चुनौती पेश करेंगे।

अभ्यास सत्र में शेफाली ने की मेहनत

- बांग्लादेश के खिलाफ मैच में चोटिल हुई प्रतिका रावल की जगह टीम में की गई शामिल

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय टीम में चोटिल प्रतिका रावल की जगह शामिल की गई शेफाली वर्मा ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप सेमीफाइनल से पहले दूधिया रोशनी में टीम के अभ्यास सत्र में कड़ी मेहनत की।

शेफाली को सोमवार को टीम में शामिल किया गया था, जब प्रतिका बांग्लादेश के खिलाफ लीग चरण के अंतिम मैच के दौरान घुटने और टखने में चोट लगने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। भारत गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। शेफाली ने सहजता से आक्रामक शॉट जड़े, लेकिन स्वीप शॉट उम्मीद के मुताबिक सटीक नहीं दिखे। उन्होंने एक घंटे से अधिक समय तक बल्लेबाजी की। इसके बाद उन्होंने गेंदबाजी अभ्यास भी किया। मंधाना ने अभ्यास के दौरान आक्रामक और रक्षात्मक शॉट खेले। हरलीन देओल, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने भी अभ्यास किया। ऋचा घोष ने नेट गेंदबाजों के खिलाफ अभ्यास किया और फिर टीम के मुख्य गेंदबाजों का सामना किया। फिटनेस को लेकर चिंताओं के कारण उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ लीग चरण के आखिरी मैच से आराम दिया गया था।

हीली ने की ट्रेनिंग, दिया फिटनेस टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया की करिश्माई कप्तान एलिसा हीली ने सेमीफाइनल से पहले फिटनेस टेस्ट पूरा करने के साथ जमकर अभ्यास किया। 35 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज को अभ्यास के दौरान पिंडली में चोट लगने से इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लीग मैचों से बाहर होना पड़ा था।

वनडे रैंकिंग: मंधाना ने हासिल की करिअर बेस्ट रेटिंग

दुबई, एजेंसी

- दूसरे स्थान पर काबिज गार्डनर ने इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद शतक के बाद छह स्थानों की लगाई छलांग
- दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट भी अच्छी पारी की बदौलत दो स्थानों के सुधार के साथ शीर्ष तीन में पहुंचीं

भारत की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने घरेलू विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर मंगलवार को करिअर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल करने के साथ महिला वनडे क्रिकेट में शीर्ष बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली। बायें हाथ की इस 29 साल की बल्लेबाज ने पिछले दो मैचों में न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 और बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 34 रन बनाए हैं।

इन पारियों के बाद उनके 828 रेटिंग अंक हो गए, जो दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर (731) से 97 अंक अधिक हैं। गार्डनर ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने नाबाद शतक के बाद छह स्थानों की छलांग लगाई। मंधाना को इससे पहले सितंबर 2025 के लिए 'आईसीसी-महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुना गया था। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट भी 90 और 31 रनों की पारी की बदौलत दो स्थानों के सुधार के साथ शीर्ष तीन में पहुंच गईं। इंग्लैंड की एमी जोन्स चार पायदान चढ़कर नौवें (656) स्थान पर पहुंच गई, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने शीर्ष 40 में सबसे बड़ी छलांग लगाई और 16 स्थान के सुधार के साथ 16वें (613) स्थान पर पहुंच गईं। चोट से विश्व कप के बाकी मैचों से बाहर हुई भारतीय सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल 564 की रेटिंग के साथ शीर्ष 30 (27वें स्थान) में पहुंच गईं। इस विश्व कप में स्पिन की अहम भूमिका रही है और कई गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन के बूते अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। इंग्लैंड की सोफी एकलेस्टोन महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग (747) में शीर्ष पर बनी हुई हैं। एकलेस्टोन को ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर अलाना किंग से कड़ी टक्कर मिल रही है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट लिए थे। किंग ने करियर की सर्वोच्च रेटिंग 698 के साथ पांच स्थान की छलांग लगाई।

पाकिस्तान की नशरा संधू दक्षिण अफ्रीका की बायें हाथ की स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा (610) के साथ संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर रहीं, जबकि तेज गेंदबाज मारिजन काप और सदरलैंड भी एक-एक स्थान के सुधार के साथ क्रमशः चौथे और सातवें स्थान पर पहुंच गईं। बायें हाथ की एक और स्पिनर लिंसे स्मिथ रैंकिंग में 24 स्थानों का सुधार करने में सफल रही। वह 444 रेटिंग के साथ 36वें स्थान पर पहुंच गयी है। गार्डनर ने विश्व कप में प्रदर्शन से हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में अपना पहला स्थान (रेटिंग 503) पक्का कर दिया है। इस सूची में वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज को पछाड़कर काप दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

रणजी ट्रॉफी | ग्रीनपार्क स्टेडियम में चौथे दिन बारिश के कारण मैच रुका, ओडिशा के खिलाफ मैच ड्रा घोषित

यूपी की जीत में बारिश बनी रोड़ा, बढ़त के आधार पर मिले तीन अंक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रणजी ट्रॉफी मुकाबले में ओडिशा के खिलाफ यूपी टीम की जीत में बारिश बाधा बनी। यूपी ने चौथे दिन मंगलवार को पहले सत्र में छह विकेट पर 140 रन बनाकर पारी घोषित की। जवाब में ओडिशा ने दूसरी पारी में 44 ओवर में तीन विकेट पर 151 रन बना लिए थे। इसके बाद बारिश के कारण खेल नहीं हो सका और रोकना पड़ा। मैच ड्रा घोषित किया गया। पहली पारी में मिली 166 रनों की बढ़त के आधार पर यूपी को इस मुकाबले में तीन अंक मिले। ओडिशा को एक अंक से ही संतोष करना पड़ा।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में तीसरे दिन सोमवार को जहां बूंदाबांदी के कारण केवल 42 ओवर का ही खेल हो सका था, वहीं मंगलवार को कुल 46 ओवर ही फेंके जा सके। सोमवार को 128 ओवर में छह विकेट पर 380 रनों से आगे खेलते हुए यूपी ने अपनी पहली पारी 130 ओवर में छह विकेट पर 409 रन बनाकर घोषित की। विप्रज निगम 28 गेंदों में 31 और शिवम छह गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे। ओडिशा से संबित ने तीन, बादल और सुमित को एक-एक सफलता मिली। पहली पारी में 166 रनों से पिछड़ चुकी ओडिशा की टीम ने इस बार संभलकर शुरुआत की, हालांकि 7.5 ओवर में 43 रनों के स्कोर पर शिवम मावी ने 23 रन पर आशीर्वाद को और 11.2 ओवर में 55 से स्कोर पर संदीप पटनायक को पांच रन पर आउट कर टीम को लगातार दो सफलता दिलाई। इसके बाद कुणाल त्यागी ने कप्तान शुभ्रांशु सेनापती को 11 रन पर अपना शिकार बनाया। हालांकि दूसरी तरफ डटे ओपनर स्वास्तिक सामल ने गोविंदा पोद्दार के साथ मिलकर खेल रोके जाने तक 72 रनों की साझेदारी करते हुए टीम को 44 ओवर में 151 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। स्वास्तिक ने 113 गेंदों में आठ चौके व एक छक्के की मदद से नाबाद 71 और गोविंदा 72 गेंदों में 38 रन बनाकर नाबाद लौटे। बारिश के कारण मैच नहीं हो सका और ड्रा रहा। यूपी टीम से शिवम मावी ने दो और कुणाल त्यागी ने एक विकेट झटका।

विकेट लेने के बाद जश्न मनाते यूपी के खिलाड़ी। अमृत विचार

बंगाल ने गुजरात को 141 रनों से हराया

कोलकाता। मोहम्मद शमी के पांच विकेट की बदौलत बंगाल ने मंगलवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में गुजरात को 141 रन से हराया। शमी ने इसके साथ ही राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की अपनी दावेदारी मजबूत की। शमी ने घरेलू प्रतियोगिता में अब तक दो मैच में 68 ओवर में 15 विकेट चटकाकर अपनी फॉर्म और फिटनेस का अच्छा नजारा पेश किया है। शमी ने दूसरी पारी में 38 रन पर पांच विकेट चटकाए, जिससे गुजरात की टीम 327 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 185 रन पर ढेर हो गई। शमी ने मैच में आठ विकेट चटकाए। पहली पारी में छह विकेट चटकाने वाले बाएं हाथ के स्पिनर शहबाज अहमद को मैन ऑफ द मैच चुना गया। रामनगर में उत्तराखंड ने रेलवे के पहली पारी में 333 रन के जवाब में 398 रन बनाकर 65 रन की बढ़त और तीन अंक हासिल किए। रेलवे को एक अंक मिला। उत्तराखंड की की ओर से युवराज चौधरी ने 92 रन बनाए जबकि भूपेन लालवानी ने 78 रन की पारी खेली।

निकहत की नजरें विश्व मुक्केबाजी में अधिक अंक लेने पर

नई दिल्ली। दो बार की स्वर्ण पदक विजेता निकहत जरीन ने तीसरा विश्व चैंपियनशिप पदक चूकने की निराशा को पीछे छोड़ दिया है। अब उनका ध्यान आगामी विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल में शीर्ष पुरस्कार जीतकर अधिकतम अंक जुटाने पर है। यह प्रतियोगिता 14 से 21 नवंबर तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित की जाएगी।

फ्लाईवेट और लाइट फ्लाईवेट श्रेणियों में निकहत ने 2022 में इस्तांबुल और 2023 में नई दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक जीते थे। वह 2025 में लिवरपूल में क्वार्टर फाइनल में तुर्की की दो बार की ओलंपिक रजत पदक विजेता बुसे नाज काकिरोग्लू से हार गई थीं। निकहत ने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के लोगो के अनावरण से जुड़े कार्यक्रम के इतर कहा कि मैं ये नहीं कहूंगी कि वहां (विश्व चैंपियनशिप) मेरा अभियान निराशाजनक था।

अय्यर आईसीयू से बाहर, हालत स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की वनडे टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) से बाहर स्थानांतरित किया गया है और उनकी हालत स्थिर है। उन्हें तिल्ली की चोट (स्प्लीनिक रप्चर) और पसली में चोट के कारण भर्ती किया गया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान हर्षित राणा की गेंद पर एलेक्स कैरी का कैच लेने की कोशिश में अय्यर को बाईं पसली के निचले हिस्से में चोट लगी थी। वह फिजियो की मदद से मैदान से बाहर चले गए, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ गई, जिससे उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जांच में पता चला कि तिल्ली में चोट लगने से आंतरिक रक्तस्राव हुआ, बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया।

बीसीसीआई प्रगति पर रखेगी नजर

बीसीसीआई ने कहा कि अय्यर की हालत स्थिर है और वह अब भी निगरानी में है। मंगलवार 28 अक्टूबर को दोबारा किए गए स्कैन में सुधार दिखा है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम सिडनी और भारत के विशेषज्ञों से सलाह करके उसकी प्रगति पर नजर रखेगी। भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि श्रृंखला के पहले मैच से पूर्व अय्यर की सेहत में सुधार से उन्हें खुशी हुई।